THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 278 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.14 2079 गुरुवार, 22 दिसंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

विपक्षी सांसद ने टोका तो शाह ने भाषण बंद किया

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में गृहमंत्री अमित शाह नशे को लेकर भाषण दे रहे थे। इस दौरान बार-बार टोकने पर विपक्षी सांसद पर बिफर पड़े और अपनी चेयर में बैठ गए।

शाह ने विपक्षी सांसद से कहा कि अगर आपको बोलना है तो मैं बैठ जाता हूं। इतने सीनियर सांसद होने के नाते बीच में टोकना शोभा नहीं देता है। ऐसा करना आपकी उम्र और सीनियरटी के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि बार-बार ऐसा नहीं करना चाहिए, बल्कि विषय की गंभीरता को समझना चाहिए। इस दौरान किसी ने कहा कि शाह जी आप गुस्सा हो रहे हैं तो उन्होंने कहा कि गुस्सा नहीं हो रहा हूं, बल्कि समझा रहा हूं।

दिल्ली शराब घोटाला

कविता ने बताया 'फर्जी और झूठा'

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता ने बुधवार को कहा कि दिल्ली शराब घोटाला मामले में उन पर लगे सभी आरोप 'फर्जी और झूठे' हैं। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता ने उनके खिलाफ लगे आरोपों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 'राजनीतिक प्रतिशोध' करार दिया और दावा किया कि समय उनकी ईमानदारी साबित करेगा। तेलंगाना विधान परिषद की सदस्य कविता ने कांग्रेस सांसद और तेलंगाना प्रभारी मनिकम टैगोर और भाजपा नेता कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के ट्वीट के जवाब में यह बात कही। कविता ने ट्वीट किया, मुझ पर लगाए गए आरोप पूरी तरह फर्जी और झूठे हैं। केवल समय ही मेरी ईमानदारी को साबित करेगा। यह भाजपा का राजनीतिक प्रतिशोध है, क्योंकि उन्हें डर है कि उनकी किसान विरोधी और पूंजीवादी समर्थक नीतियों का सीएम केसीआर पर्दाफाश कर रहे हैं। वह मणिकम टैगोर के ट्वीट पर प्रतिक्रिया दे रही थीं कि उन्हें कई स्पष्टीकरण देने हैं। कांग्रेस नेता उन मीडिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी रही थी जिनमें कहा गया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मामले में अपने आरोप पत्र में दावा किया है कि कविता ने आम आदमी पार्टी (आप) को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी। ईडी के अनुसार, साउथ ग्रुप में कविता, अरबिंदो फार्मा के निदेशक शरत चंद्र रेड्डी और वाईएसआर कांग्रेस के सांसद मगुंटा श्रीनिवासुला रेड्डी ... >14

चीन में कोरोना के हालात देख भारत अलर्ट

सरकार की सलाह-बूस्टर लगवाएं; दावा-हर स्थिति के लिए तैयार

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन में कोरोना के बढ़ते मामले फिर डराने लगे हैं। इसे देखते हुए केंद्र सरकार अलर्ट पर है। देश में कोविड-19 की स्थिति पर बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ बैठक की।

बैठक के बाद उन्होंने कहा- कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है पर भारत हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। हमने सभी संबंधित लोगों को अलर्ट रहने और निगरानी बढ़ाने को कहा है।

मीटिंग के बाद नीति आयोग के डॉ. वीके पॉल ने लोगों से भीड़भाड़ में मास्क लगाने की सिफारिश की है। ये गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों और बुजुर्गों के लिए बेहद जरूरी है। अभी केवल 27% आबादी ने ही बूस्टर डोज ली है। यह खुराक लेना सभी के लिए कंपलसरी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि कोरोना के सभी पॉजिटिव केस के सैम्पल्स जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजें, ताकि कोरोना के वैरिएंट का पता लगाया जा सके। इन दिनों चीन, जापान, अमेरिका, कोरिया और ब्राजील में कोरोना के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। दुनियाभर में जहां कोरोना केस बढ़े हैं, वहीं भारत में एक्टिव केस की संख्या में तेजी से कमी आ रही है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक 20 दिसंबर को सुबह 8 बजे तक की स्थिति में देश में कुल 3 हजार 490 एक्टिव केस थे, जो मार्च 2020 के बाद सबसे कम हैं।

पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा है कि चीन में कोरोना के मामलों में इजाफा चिंताजनक है। हालांकि भारत को डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि देश में वैक्सीनेशन का कवरेज अच्छा है।

महाराष्ट्र के डिप्टी चीफ मिनिस्टर देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार केंद्र से कोऑर्डिनेट करके सारे फैसले लेगी और कोरोना के लिए खास टास्क फोर्स बनाएगी।

भारत में खतरा नहीं, क्योंकि वैक्सीनेशन के 3 राउंड हो चुके हैं

एक्सपर्ट के मुताबिक भारत जैसे देश को खतरा नहीं है, क्योंकि हमारे देश में वैक्सीनेशन के 3 राउंड हो चुके हैं। लोगों में इम्यूनिटी डेवलप हो चुकी है। कोरोना तो भारत में भी हर जगह होगा, लेकिन वह अब हम पर इसीलिए असर नहीं कर रहा। अब कोरोना का भारत में खतरा नहीं है।

सरकार ने कहा-राहुल यात्रा रोक दें देश को कोरोना से बचाना है

कांग्रेस बोली-क्या मोदी मास्क पहनकर गुजरात गए थे

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने राहुल गांधी से यात्रा रोकने की अपील की है। इसके लिए कोरोना महामारी बढ़ने का हवाला दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राहुल को लेटर लिखा है।

उन्होंने कहा कि देश में एक बार फिर से कोरोना का खतरा बढ़ता जा रहा है, हेल्थ इमरजेंसी के हालात हैं। देश को बचाने के लिए भारत जोड़ो यात्रा रोक दें। सरकार की अपील पर कांग्रेस ने कहा- भारत जोड़ो यात्रा से मोदी सरकार बौखलाई हुई है। क्या गुजरात चुनाव में पीएम मोदी मास्क लगाकर गए थे?

लेटर में दो अपील की गइ

स्वास्थ्य मंत्री ने राहुल को लिखे लेटर में कहा कि कई सांसदों ने चिंता जाहिर की है कि भारत जोड़ो यात्रा से कोरोना फैल रहा है। भारत जोड़ो यात्रा में कोविड गाइडलाइन का सख्ती से पालन हो।

यात्रा में जो लोग भी शामिल हो रहे हैं , सभी ने वैक्सीन जरूर लगवाई हो। इतनी बड़ी यात्रा में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना संभव नहीं है।

ऐसे में पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी के हालातों को देखते हुए यात्रा रोक देना ही सही रहेगा। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से मोदी सरकार बौखलाई हुई है। आम लोगों का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा तरह-तरह के सवाल उठा रही है। उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि क्या चुनाव के समय पीएम मोदी मास्क लगाकर गुजरात गए थे? कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि मैंने अभी तक लेटर नहीं देखा है, लेकिन अभी तक तो प्रोटोकॉल को लेकर कोई नियम नहीं आया है। उन्होंने कहा कि मुझे ये नहीं समझ आ रहा है कि अचानक भारत जोड़ो यात्रा पर इतना ध्यान क्यों दिया जा रहा है?

टीएमसी सांसद डोला सेन ने कहा कि संसद अभी चल रही है। कोविड प्रोटोकॉल को लेकर कोई सर्कुलर जारी नहीं हुआ है। केंद्र सरकार का यह कर्तव्य नहीं है कि राज्य सरकारों पर हावी हो, बल्कि उनकी जिम्मेदारी जनता के प्रति है। हालांकि, सरकार अपनी जिम्मेदारियों के प्रति हमेशा विफल रही है।

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि 21 दिसंबर की सुबह राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा पर उमड़ी भारी भीड़ से मोदी सरकार इतनी घबरा गई है। उनकी तरफ से लेटर लिखने का मतलब है कि भाजपा का मकसद यात्रा को डिस्टर्ब करने का है। उन्होंने आगे कहा कि दो दिन पहले प्रधानमंत्री ने त्रिपुरा में रैली की थी, जहां किसी भी कोविड प्रोटोकॉल की पालना नहीं हुई। कोविड की दूसरी लहर में पीएम ने बंगाल में बड़ी रैलियां की थीं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को सबसे पहला लेटर पीएम को लिखना चाहिए था।

2024 के चुनावों के लिए बीजेपी की तैयारी

204 कमजोर सीटों की पहचान की, इन्हें जीतने की 28-29 दिसंबर को हैदराबाद में रणनीति बनाएगी

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर 204 कमजोर सीटों की पहचान की है। इन्हें कैसे जीता जाए इसे लेकर 28-29 दिसंबर को हैदराबाद में रणनीति तय होगी। बिहार में 22 दिसंबर को एक अन्य बैठक में राज्य की 40 लोकसभा सीटों की समीक्षा होगी। यहां 40 में 22 सीट सामाजिक और जातीय समीकरण के लिहाज से कमजोर श्रेणी की मानी जा रही हैं। इसके अलावा दक्षिण के राज्यों से 84 सीट कमजोर मानी गई हैं।

4 कैटेगरी में बांटी गई हैं सीटें

सीटों की 4 श्रेणियां हैं- सर्वोत्तम, अच्छा, सुधार योग्य और अत्यंत खराब। डी श्रेणी की सीट वह है, जहां भाजपा की जीत की संभावना बहुत कम है, लेकिन इन सीटों पर नंबर दो की स्थिति बन सकती है।

जातीय समीकरण और पीएम से वर्चुअली संवाद

पार्टी कमजोर सीटों का जातीय और सामाजिक समीकरण तैयार कर रही है। इन क्षेत्रों में जो भी प्रभावी व्यक्ति होगा उसे पीएम मोदी और भाजपा अध्यक्ष के साथ भाजपा के बैनर-पोस्टर पर जगह दी जाएगी। ऐसे लोगों का ग्रुप बना कर प्रधानमंत्री से सीधा ऑनलाइन संवाद कराया जाएगा। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी बीजेपी अब देशभर के हर हिस्से में अपनी जमीन बनाने में जुट गई है। बीजेपी अब देश के तमाम राज्यों, केंद्र-शासित प्रदेशों और उनके हर जिले में अपने खुद के ऑफिस बनाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए बीजेपी ने आठ लोगों की एक राष्ट्रीय स्तर की कमेटी बनाई है।

संसद परिसर में 12 विपक्षी पार्टियों का प्रदर्शन

सोनिया बोलीं-तवांग मामले में सरकार जिद पर अड़ी; जनता को सच नहीं बता रही

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। 12 विपक्षी दलों के सांसदों ने चीन सीमा विवाद पर बुधवार को संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया। सांसदों ने सरकार से मांग की है कि तवांग झड़प मामले में संसद में विस्तार से चर्चा हो। सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद रहे। सोनिया गांधी ने कहा कि चीन की तरफ से सीमा पर अतिक्रमण गंभीर चिंता का विषय है। जनता और संसद को स्थिति का का पता नहीं लग पा रहा है, लेकिन सरकार जिद पर अड़ी है और इस पर चर्चा नहीं करना चाहती। कांग्रेस

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि तवांग झड़प मामले में प्रधानमंत्री को अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। हम चाहते हैं कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री संसद में आकर जवाब दें। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम सेना के साथ हैं, लेकिन सवाल देश की पॉलीटिकल लीडरशिप के बारे में है। हम बस इतना चाहते हैं कि सरकार बॉर्डर की स्थिति पर चर्चा करके देश के लोगों के भरोसे में ले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर मंगलवार को कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने संसद परिसर में सांसदों के लिए लंच की व्यवस्था की। इस दौरान बीजेपी नेताओं के साथ कांग्रेस के नेता भी खाना खाते हुए दिखाई दिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी के साथ लंच किया। हालांकि, लंच से पहले कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को भाजपा ने कुत्ते वाले बयान पर घेरा था। भाजपा ने खड़गे से माफी की मांग की थी। खड़गे का कहना था कि मैंने जो कहा वह सदन के बाहर कहा है।

'शाहरुख खान मिला तो जिंदा जला दूंगा, मुंबई में ढूंढ रहे हैं मेरे आदमी'

अयोध्या, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पठान फिल्म का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हर दिन कोई न कोई नया विवाद सामने आ रहा है। शाहरुख की अपकमिंग फिल्म पठान को लेकर सोशल मीडिया पर बॉयकॉट कैंपेन भी लगातार चलाया जा रहा है। पठान की मुश्किलें बेशरम गाने से शुरू हुईं। इसके बाद से ही बवाल शुरू है। इस बीच एक बार फिर से एक विवादित बयान सामने आया है। शाहरुख खान को लेकर एक संत ने विवादित बयान दिया है।

शाहरुख खान क्यों जिंदा जलाएंगे संत?

अयोध्या के संत जगतगुरू परमहंस आचार्य ने खान को धमकी दी है। उन्होंने कहा कि शाहरुख की चमड़ी उधेड़ देंगे। संत ने शाहरुख खान की पठान मूवी का विरोध करते हुए कहा कि इस फिल्म में भगवा रंग का अपमान किया गया है। आचार्य ने कहा कि यह एक सोची समझी रणनीति के तहत हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने के लिए, पैसा कमाने का लोगों ने धंधा बना लिया है। ये फिल्म जिहाद है यह रणनीति तैयार करके किया जाता है इसलिए आज हमने शाहरुख खान का पोस्टर जलाया और मैं ढूंढ रहा हूं जिस दिन शाहरुख खान मिल गया उस दिन उस जिहादी को जिंदा जला दूंगा। >14

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT Attapur Mob: +91 9311340914, RENAULT AS Rao Nagar Mob: +91 9289208861, RENAULT Banjara Hills Mob: +91 7428892716, RENAULT Begumpet Mob: +91 9311733972, RENAULT Himayatnagar Mob: +91 8527234238, RENAULT Hitech City Mob: +91 9311733970, RENAULT Kompally Mob: +91 9667945858, RENAULT Kukatpally Mob: +91 7067322620, RENAULT LB Nagar Mob: +91 9311700671, RENAULT Malakpet Mob: +91 9667949393. ADILABAD: RENAULT Adilabad Mob: +91 9311733981. GADWAL: RENAULT Gadwal Mob: +91 9311700674. KAMAREDDY: RENAULT Kamareddy Mob: +91 9311399673. KARIMNAGAR: RENAULT Karimnagar Mob: +91 9582305983. KHAMMAM: RENAULT Khammam Mob: +91 8527234093. KOTHAGUDEM: RENAULT Kothagudem Mob: +91 7428439271. MAHABUBABAD: RENAULT Mahabubabad Mob: +91 9311341235. MAHBUBNAGAR: RENAULT Mahbubnagar Mob: +91 7799766431. MANCHERIAL: RENAULT Mancherial Mob: +91 9582571953. METPALLY: RENAULT Metpally Mob: +91 9289125188. MIRYALGUDA: RENAULT Miryalguda Mob: +91 7428439406. NALGONDA: RENAULT Nalgonda Mob: +91 7428439437. NIZAMABAD: RENAULT Nizamabad Mob: +91 9311700672. SATHUPALLY: RENAULT Sathupally Mob: +91 8130499615. SHADNAGAR: RENAULT Shadnagar Mob: +91 9311700675. SIDDIPET: RENAULT Siddipet Mob: +91 8527235114. SURYAPET: RENAULT Suryapet Mob: +91 8130311149. VIKARABAD: RENAULT Vikarabad Mob: +91 9311733961. WANAPARTHY: RENAULT Wanaparthy Mob: +91 9311700676. WARANGAL: RENAULT Warangal Mob: +91 9311700673. ZAHIRABAD: RENAULT Zahirabad Mob: +91 9311733977.

चीन में 80 करोड़ कोरोना संक्रमित-21 लाख मौतें होंगी

सामूहिक अंतिम संस्कार शुरू; अस्पतालों में जगह नहीं, आलू से बुखार उतार रही मांएं

बीजिंग, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन में अगले कुछ महीनों में 80 करोड़ लोग कोरोना संक्रमित हो सकते हैं। लंदन की ग्लोबल हेल्थ इंटेलिजेंस कंपनी एयरफिनिटी ने कहा कि चीन में जीरो कोविड पॉलिसी खत्म होने के बाद 21 लाख मौतें हो सकती हैं। एयरफिनिटी ने इसकी वजह चीन में कम वैक्सीनेशन और एंटीबॉडीज में कमी बताया। चीन में संक्रमण के हालात 2020 की याद दिला रहे हैं। अस्पतालों के सभी बेड भरे हैं। मेडिकल स्टोर्स में दवाएं खत्म हो रही हैं। मरीज इलाज के लिए डॉक्टर के सामने गिड़गिड़ाते देखे जा सकते हैं। बच्चों को बुखार आ रहा है तो मांएं आलू से उतारने की कोशिश कर रहीं हैं। बीजिंग के सबसे बड़े श्मशान में 24 घंटे अंतिम संस्कार हो रहे हैं। सामूहिक अंतिम संस्कार शुरू हो गए हैं और इनकी तस्वीरें भी आ रही हैं। हालांकि, कोरोना से मौतें के सरकारी आंकड़े रोजाना 5-10 ही बताए जा रहे हैं। एक्सपर्ट का दावा है कि असल आंकड़ा काफी ज्यादा है। नया वैरिएंट बीए.5.2.1.7 यानी बीएफ.7 भी मिला है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह ओमिक्रॉन का सबसे खतरनाक म्यूटेशन है।

दुनिया में 7 दिन में आए 35 लाख कोरोना केस

डेटा के मुताबिक, एक हफ्ते में दुनिया में कोरोना के 34 लाख 84 हजार मामले सामने आए हैं। वहीं 9 हजार 928 लोगों की मौत हुई है। चीन में 7 दिन में 15 हजार 548 केस और 7 मौतें रिपोर्ट की गई हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स को आशंका है कि सही आंकड़ा छुपाया जा रहा है। मरीजों की संख्या कई गुना ज्यादा हो सकती है। जापान, दक्षिण कोरिया और फ्रांस में एक हफ्ते में सबसे ज्यादा केसेस आए हैं। इन देशों में मरीजों की संख्या 10 लाख 65 हजार, 4 लाख 61 हजार और 3 लाख 58 हजार है। भारत में 7 दिन में 1,081 मामले सामने आए हैं।

1. बीएफ.7 है ओमिक्रॉन का सबसे शक्तिशाली वैरिएंट

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि चीन में फैल रहा बीएफ.7 ओमिक्रॉन का सबसे शक्तिशाली वैरिएंट है। यह पहले संक्रमित हो चुके लोगों, फुली वैक्सीनेटेड लोगों या दोनों को ही बीमार बना रहा है। ये जल्दी ट्रांसफर होता है और लक्षण भी पुराने कोरोना वैरिएंट्स के मुकाबले जल्दी सामने आ जाते हैं।

2. एक मरीज 18 लोगों को संक्रमित करने में सक्षम

बीएफ.7 का रिप्रोडक्शन नंबर (आरओ) 10-18.6 है। इसका मतलब कि इससे संक्रमित होने वाला एक मरीज औसतन 10 से 18.6 लोगों को एक बार में इन्फेक्ट करने में सक्षम है। आमतौर पर ओमिक्रॉन वैरिएंट का औसतन आरओ 5.08 पाया गया है। शायद यही वजह है कि चीन में कोरोना केसेस दिनों में नहीं, बल्कि घंटों में दोगुने हो रहे हैं।

3. कमजोर इम्यूनिटी वालों के लिए जानलेवा

बीएफ.7 के लक्षणों में सर्दी-, खांसी, बुखार, गले में खराश, हरारत, उल्टी और डायरिया शामिल हैं। कमजोर इम्यूनिटी वाले मरीजों के लिए यह घातक साबित हो सकता है। चूंकि चीन में सख्त प्रतिबंधों का पालन किया जा रहा था, इसलिए लोगों में वायरस के खिलाफ इम्यूनिटी मजबूत हो ही नहीं पाई।

एक्सपर्ट ने कहा- भारत में खतरा नहीं, वैक्सीनेशन के 3 राउंड हो चुके

क्या भारत को भी खतरा है। इस सवाल पर डॉ. उपाध्याय ने बताया कि भारत जैसे देश को खतरा नहीं है, क्योंकि हमारे देश में वैक्सीनेशन के 3 राउंड हो चुके हैं। लोगों में इम्यूनिटी डेवलप हो चुकी है। कोरोना तो भारत में भी हर जगह होगा, लेकिन वह अब हम पर इसीलिए असर नहीं कर रहा। अब कोरोना का भारत में खतरा नहीं है।

1. अप्रैल में आएगा कोरोना का पीक

अमेरिका के इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवेलुएशन (एचएमआई) ने एक हालिया रिपोर्ट में कहा है कि चीन में अप्रैल की शुरुआत में कोरोना का पीक आएगा। उस समय तक मौतों की संख्या 3 लाख 22 हजार तक पहुंचने की आशंका है। वहीं, अमेरिकी साइंटिस्ट एरिक फेगल-डिंग ने चेतावनी देते हुए कहा कि 90 दिन में चीन की 60% आबादी यानी करीब 80 करोड़ लोग लोग कोरोना से संक्रमित होंगे।

2. अगले 3 महीनों में 3 लहरें आएंगी

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगले 3 महीनों में कोरोना की 3 लहरें आएंगी। महामारी विशेषज्ञ वू जुनयू की मानें तो अभी चीन में संभावित तीन लहरों में से पहली लहर चल रही है। इसके बाद दूसरी लहर जनवरी माह के बीच आएगी। इस वक्त देश में एक हफ्ते का लूनर ईयर सेलिब्रेशन चलता है, जिससे लाखों लोग देश में आते-जाते हैं। ऐसे में मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है। तीसरी लहर फरवरी के आखिर से मार्च के बीच आ सकती है। इस समय सभी लोग अपनी छुट्टियां मानकर वापस लौटते हैं। ऐसे में ज्यादा लोग इन्फेक्शन रिपोर्ट कर सकते हैं।

3. 10% बुजुर्ग वैक्सीनेटेड, उन्हें खतरा ज्यादा

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में प्रोफेसर और इंटरनेशनल हेल्थ एडवाइजर डॉ. रामशंकर उपाध्याय ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि चीन में अब तक वैक्सीनेशन 38% ही हुआ है। 65 की उम्र से अधिक के लोगों में ये 10% ही है। जीरो कोविड पॉलिसी के कारण लोगों में कोरोना से लड़ने के लिए इम्यून सिस्टम भी डेवलप नहीं हो पाया। ऐसे में अब लोगों के एक साथ बाहर निकलने के कारण वहां कोरोना विस्फोट तो होना ही था। हालांकि चीन का दावा है कि उसकी 90% आबादी फुली वैक्सीनेटेड है।

चीन में विरोध के बाद हटाए गए प्रतिबंध

चीन में पिछले महीने लोग जीरो-कोविड पॉलिसी के खिलाफ सड़कों पर उतर आए थे। बीजिंग से शुरू हुए ये प्रदर्शन 13 से ज्यादा शहरों में फैल गए थे। पुलिस इन्हें रोकने के लिए लाठीचार्ज से लेकर लोगों को गिरफ्तार तक कर रही थी। हफ्तों से जारी प्रदर्शन के बाद सरकार ने दो हफ्ते पहले कोविड प्रतिबंधों को कम करने का फैसला लिया था। ऐसे में लोगों को डर था कि संक्रमण और तेजी से फैलेगा। इसके चलते वे बड़ी संख्या में दवाएं खरीदकर घर में रख रहे थे। इनमें से ज्यादातर लोगों ने वैक्सीन नहीं लगवाई थी।

2. चीन में कोरोना से हाहाकार... शव रखने की जगह नहीं: 90 दिन में चीन की 60% आबादी कोरोना संक्रमित होगी, लाखों मौतों की आशंका

चीन में कोरोना प्रतिबंधों में ढील के बाद वहां संक्रमण की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। जीरो-कोविड पॉलिसी खत्म होने के बाद केसेस में भारी इजाफा हो रहा है। हालात इतने गंभीर हैं कि अस्पतालों के सभी बेड भरे हैं। दवाएं नहीं हैं, जहां हैं भी वहां लंबी लाइन लगानी पड़ रही है।

3. लॉकडाउन हटने के बाद चीन में कोरोना बढ़ा: डॉक्टर्स भी संक्रमित,

चीन में जीरो-कोविड पॉलिसी के विरोध के बाद सरकार ने ढील दी और लॉकडाउन हटा दिया, लेकिन अब यहां स्थिति खराब होती नजर आ रही है। अस्पतालों में कोरोना संक्रमित मरीजों का सैलाब आ गया है। इतना ही नहीं मेडिकल स्टाफ भी संक्रमित हो रहा है। कुछ डॉक्टर्स कोरोना पॉजिटिव होने के बावजूद मरीजों का इलाज कर रहे हैं।

नए साल के अवसर पर माता वैष्णो देवी मंदिर की सुरक्षा का लिया जायजा, दिए ये निर्देश

जम्मू, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को कटड़ा में श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में सुरक्षा की समीक्षा की। उधमपुर-रियासी रेंज के उप महानिरीक्षक मोहम्मद सुलेमान चौधरी ने श्री माता वैष्णो देवी तीर्थ की बैठक की अध्यक्षता की। इसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रियासी अमित गुप्ता, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कमांडर, पुलिस अधीक्षक कटरा, एसडीपीओ कटरा और सेना, अपराध जांच विभाग (सीआईडी), यातायात और जिला विशेष शाखा के अधिकारियों ने भाग लिया। डीआईजी ने माता वैष्णो देवी मंदिर की सुरक्षा, यात्रा मार्ग, तीर्थयात्रियों की सुरक्षा की समीक्षा की।

गोवा में मंदिरों और चर्च को ध्वनि प्रदूषण कानून से छूट दी जाएगी: प्रमोद सावंत

पणजी, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि राज्य के मंदिर और गिरजाघर रात 10 बजे के बाद तेज आवाज में संगीत बजाने पर पाबंदी लगाने वाले कानून के दायरे में नहीं आएंगे. विपक्षी दल गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) ने मंगलवार को मांग की थी कि क्रिसमस और अन्य पारंपरिक उत्सवों को तेज आवाज में संगीत बजाने पर लगी पाबंदी से छूट दी जाए. सावंत ने मंगलवार शाम को पत्रकारों से कहा कि राज्य के मंदिरों और गिरजाघरों पर ध्वनि प्रदूषण कानून का असर नहीं पड़ेगा.मुख्यमंत्री ने कहा, 'पर्यावरण मंत्री (निलेश कैब्राल) ने पहले ही स्पष्ट किया है कि ध्वनि प्रदूषण से संबंधित कानून का असर मंदिरों और गिरजाघर पर नहीं पड़ेगा.' मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद अब रात्रि के 10 बजे के बाद भी मंदिर और गिरजाघर में संगीत या अन्य उत्सव मनाए जा सकेंगे. गौरतलब है कि गोवा में रात 10 बजे के बाद तेज आवाज में डीजे बजाने, संगीत या अन्य कोई शोर शराबे वाली पार्टी करने पर रोक है.

चीन की तरह हम भी कर्नाटक में घुस जाएंगे

सीमा विवाद के बीच बोले संजय राउत

मुंबई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच सीमा मुद्दे पर बढ़ते तनाव के बीच, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने बुधवार को यह कहकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया, जिस तरह चीन हमारे देश में घुसा है, वैसे हम कर्नाटक में घुसेंगे. उन्होंने कहा कि उन्हें इस पर किसी की 'अनुमति' की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा, जैसे चीन घुसा है, हम (कर्नाटक) में घुसेंगे. हमें किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है. हम इसे चर्चा के जरिए सुलझाना चाहते हैं, लेकिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री आग लगा रहे हैं. महाराष्ट्र में कमजोर सरकार है और कोई स्टैंड नहीं ले रही है. दशकों पुराने सीमा विवाद को लेकर महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच बढ़े तनाव के समय संजय राउत का बयान आया है. मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है. एकनाथ शिंदे की सरकार को इस मुद्दे पर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है. विपक्ष ने भी महाराष्ट्र विधानसभा के चल रहे शीतकालीन सत्र में इस मुद्दे को उठाया है. विपक्ष के नेता अजीत पवार ने इससे पहले विधानसभा में सीमा विवाद का मुद्दा उठाया और कहा, "महाराष्ट्र के एक लोकसभा सदस्य को बेलगाम में प्रवेश करने से रोक दिया गया है. गृह मंत्री अमित शाह के साथ एक बैठक में तय किया गया था कि वहां जाने से किसी को रोका नहीं जाएगा. तो वहां के कलेक्टर ऐसा फैसला कैसे ले सकते हैं? अजीत पवार द्वारा उठाए गए मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए, मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, देश के गृह मंत्री ने पहली बार सीमा विवाद में मध्यस्थता की, उन्होंने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है, हमने सीमा पर रहने वालों का पक्ष उनके सामने रखा है, सीमा विवाद पर अमित शाह ने अपनी बात रखी है, अब सीमा विवाद पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, हमें सीमा के पास रहने वालों के साथ मिलकर खड़ा होना चाहिए.

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री शिंदे की टिप्पणी का समर्थन किया और कहा कि सरकार इस मामले को देखेगी.

महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सदस्यों द्वारा सोमवार को बेलागवी में प्रवेश की अनुमति की मांग को लेकर प्रदर्शन किया. इसके बाद से महाराष्ट्र कर्नाटक सीमा पर बेलगावी के सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव पैदा हो गया. बेलगावी पुलिस ने एमईएस को तिलकवाड़ी में वैक्सीन डिपो मैदान में अपना महा मेला आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और तिलकवाड़ी पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में प्रतिबंधित आदेशों को लागू कर दिया. इलाके में धारा 144 लागू कर दी गई है और एमईएस सम्मेलन स्थल पर भारी सुरक्षा तैनात कर दी गई है, जो आज कर्नाटक विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन होने वाला था. महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद 1956 के राज्य पुनर्गठन अधिनियम के कार्यान्वयन के समय से चला आ रहा है. तत्कालीन महाराष्ट्र सरकार ने कर्नाटक के साथ अपनी सीमा के पुनः समायोजन की मांग की थी. इसके बाद दोनों राज्यों की ओर से चार सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया. महाराष्ट्र सरकार ने मुख्य रूप से कन्नड़ भाषी 260 गांवों को स्थानांतरित करने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन कर्नाटक द्वारा प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया था. बाद में दोनों सरकारों ने मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया.

भारत-चीन सीमा के मुद्दे संवेदनशील होते हैं

प्रणब दादा और पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से मिली नसीहत: रिजिजू

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत-चीन के मुद्दे पर चर्चा को लेकर एक तरफ जहां कांग्रेस बीजेपी को लगातार घेर रही है, वहीं बीजेपी का बयान आया है कि भारत-चीन सीमा के मुद्दे संवेदनशील होते हैं। उसे उजागर न करके आंतरिक रूप से निपटना चाहिए। बीजेपी का कहना है कि ये बात उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी से मिली नसीहत के बाद सीखी है।

2005 में कांग्रेस ने ये बोला

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, "2005 में जब हम विपक्ष में थे और बॉर्डर के विषय को उठाया था तब प्रणब दादा और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने मुझे बुलाकर कहा था कि भारत-चीन सीमा के मुद्द संवेदनशील होते हैं। उसे उजागर न करके आंतरिक रूप से निपटना चाहिए।"

2008 में भी चर्चा नहीं हुई

रिजिजू ने कहा, "2008 में चीनी राष्ट्रपति जब भारत आए थे तब भी हमने चर्चा की मांग की तब भी यही कहा गया। आडवाणी जी उस वक्त विपक्ष के नेता थे उन्होंने इस पर हामी भरी थी कि इसे बिना उजागर किए सुलझाया जाए। आज वही कांग्रेस बार-बार इसे चर्चा में लाने की मांग कर रही है।"

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर मिला शव, सिर में लगी थी गोली

ग्रेटर नोएडा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा के दनकौर में कार सवार एक युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। शव मंगलवार देर शाम ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर मिला। पुलिस ने घटनास्थल से युवक की कार और पिस्टल बरामद की है। मृतक की पहचान गाजियाबाद के राजनगर निवासी अश्विन शर्मा के रूप में हुई है। घटना की ठोस जानकारी पुलिस को नहीं मिली है। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो कार के पास अश्विन घायलावस्था में पड़ा है। उसके सिर में गोली लगी हुई है। पुलिस ने उसे जिम्स में भर्ती कराया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

व्हीलचेयर पर संसद भवन पहुंचे शशि थरूर, ट्वीट कर कहा

भारत में विकलांग लोगों के लिए खराब हैं सुविधाएं

तिरुवनंतपुरम, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के तिरुवनंतपुरम में लोकसभा सांसद शशि थरूर आज व्हीलचेयर पर संसद भवन पहुंचे हैं. 15 दिसंबर को कांग्रेस सांसद संसद भवन की सीढ़ियों पर लड़खड़ाकर गिर गए थे जिससे उनके पैर में चोट आई थी. इसकी जानकारी उन्होंने खुद ट्वीट कर के दी थी. वहीं, आज शशि थरूर व्हीलचेयर पर बैठ संसद पहुंचे. इसकी तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने भारत में विकलांग लोगों के लिए व्यवस्थाएं खराब होने की बात की है. शशि थरूर ने लिखा, "जब आपको व्हीलचेयर पर संसद में प्रवेश करना हो तो यहां रैंप के साथ केवल एक प्रवेश द्वार है. गेट नंबर 9 पर. सहायकों की मदद से लोकसभा पहुंचने में चार मिनट लगे हैं. उन्होंने आगे लिखा कि इस चोट ने सिखाया कि विकलांग लोगों की मदद करने के लिए हमारी व्यवस्थाएं कितनी कम हैं."

सत्र में इस मुद्दे को उठाएं- यूजर

शशि थरूर के इस ट्वीट पर सैकड़ों की संख्या में लोगों ने कमेंट कर अपना प्यार और संवेदनाएं दी है. एक यूजर ने कमेंट किया, आप जल्द ठीक हो जाएं. आप देश के करोड़ों युवाओं की प्रेरणा हैं. एक अन्य यूजर ने लिखा, आपके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं. एक यूजर ने कमेंट किया, आप जल्द ठीक हो जाएं. फासीवाद के खिलाफ लड़ाई में हमें अग्रिम मोर्चे पर आपकी जरूरत है और फिट होकर लड़ें. शशि थरूर के ट्वीट पर एक शख्स ने लिखा, आपकी चिंता बिल्कुल जायज है. इस मुद्दे को सत्र में उठाएं कि सार्वजनिक स्थानों पर उचित सुविधाएं होनी चाहिए. यह सबसे अच्छा अवसर है जो आपको खुद के अनुभव से मिला है.

दलाई लामा ने बताया भारत और चीन में क्या है सबसे बड़ा अंतर

कहा- 'पड़ोसी को तबाह करने में जुटे हैं देश'

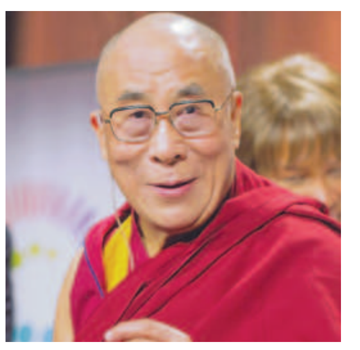

काठमाण्डु, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन का भारत के साथ कई सालों से सीमा विवाद चल रहा है. इसी बीच अब तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने चीन को आईना दिखाने का काम किया है. दलाई लामा ने चीन और भारत की तुलना करते हुए कहा कि दोनों ही देशों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं, लेकिन भारत में लोकतंत्र और धार्मिक आजादी है, जो उसे चीन से अलग बनाती है. इस दौरान उन्होंने दुनिया के हर इंसान पर परमाणु हथियारों के खतरे की भी बात कही. हरियाणा के गुरुग्राम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दलाई लामा ने कहा, चीन और भारत 2 सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं. चीन में हाल के दशक में बहुत सारे उतार चढ़ाव आए हैं, लेकिन भारत में लोकतंत्र और धार्मिक स्वतंत्रता है. भारत की परंपरा है कि सभी धर्मों का सम्मान किया जाता है, जो बहुत अच्छी बात है. दलाई लामा ने हिंसा को लेकर आगे कहा, इंसानों में आपसी मतभेद पैदा करने का कोई मतलब नहीं है. हम सभी को बिना किसी हिंसा के एक साथ मिलकर रहना चाहिए. अगर कोई मतभेद हैं तो उन्हें ये सोचकर सुलझाना चाहिए कि सभी हमारे भाई-बहन की तरह हैं. हम अपने दिमाग में एक ऐसी दुनिया तैयार करें जो बिना हथियारों की हो.

हथियार बनाने में इस्तेमाल हो रहा इंसानी दिमाग

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए दलाई लामा ने कहा कि आज हम देख रहे हैं कि दुनिया में आक्रामकता, अत्याचार और हिंसा का काफी बोलबाला है. कई लोग इसके चलते मारे गए, सभी परमाणु हथियार तैयार करने के लिए काफी उत्सुक दिखाई देते हैं. पिछली कुछ शताब्दियों में हमने काफी हिंसा देखी है. इंसानी दिमाग का इस्तेमाल हथियार तैयार करने, कैसे लोगों को मारा जाए और कैसे अपने पड़ोसी मुल्क को तबाह किया जाए... इसके लिए हो रहा है. ये बिल्कुल गलत है.

दलाई लामा ने चीन जाने को लेकर दिया था जवाब

बता दें कि चीन लगातार भारत को ये धमकी देता रहा है कि उसने दलाई लामा को संरक्षण दिया है, चीन का कहना है कि भारत दलाई लामा को उसे सौंप दे. हालांकि भारत हमेशा से दलाई लामा और उनके समर्थकों के हितों के लिए काम करता रहा है. हाल ही में दलाई लामा ने भी इसे लेकर बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत छोड़कर चीन जाने की तो सवाल ही नहीं उठता है. उन्होंने कहा कि भारत ही उनका स्थायी निवास है और चीन के मुकाबले भारत को वो ज्यादा पसंद करते हैं.

'लव जिहाद' को लेकर दूसरे राज्यों द्वारा बनाए गए कानूनों का होगा अध्ययन: फडणवीस

नागपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि 'लव जिहाद' को लेकर महाराष्ट्र सरकार अन्य राज्यों द्वारा बनाए गए कानूनों का अध्ययन करेगी और उचित निर्णय लेगी. फडणवीस ने राज्य विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से कहा कि श्रद्धा वालकर मामले को लेकर सदन में यह भावना है कि राज्य में लव जिहाद की घटनाएं बड़े पैमाने पर देखी जा रही हैं. 'लव जिहाद' एक ऐसा शब्द है, जिसका इस्तेमाल अक्सर दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा किया जाता है और उनका आरोप है कि मुस्लिम पुरुष शादी के माध्यम से हिंदू महिलाओं को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते हैं. महाराष्ट्र के गृह विभाग का कार्यभार संभालने वाले फडणवीस ने कहा, हमने सदन को आश्वासन दिया है कि विभिन्न राज्यों में लव जिहाद पर कानून हैं और हम उनका अध्ययन करेंगे. उसके आधार पर हमारी सरकार उचित निर्णय लेगी, ताकि किसी भी महिला या लड़की को किसी साजिश का शिकार न होना पड़े. विधानसभा में फडणवीस ने कहा कि 'लव जिहाद' पर सख्त कानून की मांग की जा रही है. राज्य सरकार अंतरधार्मिक शादियों के खिलाफ नहीं है. लेकिन समय के साथ यह महसूस किया गया है कि साजिश के हिस्से के रूप में एक डिजाइन है. कुछ जिलों में ऐसी शादियां बड़ी संख्या में हो रही हैं.

जमीन पर कब्जा करने वाले लोगों को खाली करना होगा

चाहे वे हिंदू हों या मुसलमान: असम के सीएम का ऐलान

गुवाहाटी, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि राज्य में सत्रो (मठ) की जमीन पर कब्जा करने वाले सभी लोगों को उसे खाली करना होगा, चाहे वे हिंदू हों या मुसलमान. राज्य विधानसभा में कांग्रेस विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ द्वारा शून्यकाल में यह मुद्दा उठाए जाने के दौरान शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार जमीन खाली कराने की कवायद जारी रखेगी और 'इस पर बात करने का कोई मतलब नहीं है.' हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम में सरकारी और वन भूमि को खाली कराने का काम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में रहने तक जारी रहेगा. उन्होंने कहा, 'जमीन खाली कराने का काम जारी रहेगा। हम बटद्रवा सहित राज्यभर में सरकारी और वन भूमि को खाली कराएंगे.' शर्मा ने कहा कि सत्रो (वैष्णव मठ), बटद्रवा की तरह ही असम के लोगों की संस्कृति व पहचान का प्रतिनिधित्व करते हैं. उन्होंने कहा, 'सभी लोगों को..चाहे वे हिंदू हों या मुसलमान, उन्हें सत्रो की जमीन खाली करनी होगी. हम सभी से अतिक्रमण वाली जमीन खाली करने का आग्रह करते हैं..नहीं तो हमें उसे खाली करवाना पड़ेगा.'

हरीश राव ने लॉन्च की 'केसीआर न्यूट्रिशन किट'

कामारेड्डी, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने बुधवार को यहां जिला समाहरणालय कार्यालय से गर्भवती महिलाओं के लिए नई योजना 'केसीआर पोषण किट' का शुभारंभ किया।

मंत्री हरीश राव ने विधानसभा अध्यक्ष पोच्चारम श्रीनिवास रेड्डी और सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी के साथ वस्तुतः योजना का शुभारंभ किया, जिसे पूरे तेलंगाना के नौ चिन्हित जिलों में लागू किया जा रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह योजना एनीमिया को कम करने और गर्भवती महिलाओं में हीमोग्लोबिन के प्रतिशत में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी और कहा कि पोषण किट में प्रोटीन, खनिज और विटामिन से भरपूर उत्पाद होंगे। हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव एक मां की तरह सोचते हैं और वह गरीब महिलाओं की समस्याओं को समझ सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों से योजना तैयार करने को कहा है कि गर्भावस्था के दौरान कोई भी महिला एनीमिया से पीड़ित न हो। मंत्री ने गर्भवती महिलाओं से अपील की कि वे अपने वजन में सुधार, मां के पोषण की स्थिति और गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए इस योजना का लाभ उठाएं। यह योजना एक साथ आदिलाबाद, भद्राद्री कोत्तागुडेम, जयशंकर भूपालपल्ली, जोगुलम्बा गडवाल, कामारेड्डी, कुमारमभीम आसिफाबाद, मुलुगु, नागरकुर्नूल और विकाराबाद जिलों में शुरू की गई थी।

हैदराबाद में बूथ स्तर से मजबूत होगी कांग्रेस : समीर

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष समीर वलीउल्लाह ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी को बूथ स्तर से मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। "हैदराबाद में कांग्रेस पार्टी की हमेशा एक मजबूत उपस्थिति थी। चाहे वह सत्ता में हो या नहीं, कांग्रेस हमेशा लोगों के बीच थी और यह उनकी समस्याओं के समाधान के लिए लड़ी। हालांकि, यह कुछ क्षेत्रों में कमजोर और निष्क्रिय हो गई क्योंकि समीर वलीउल्लाह ने आज एक मीडिया बयान में कहा कि विधानसभा क्षेत्रों चारमीनार, याकूतपुरा, चंद्रायनगुट्टा, मलकपेट और बहादुरपुरा में पार्टी नेताओं और कैडर के साथ बातचीत का पहला दौर पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय मुद्दों को समझने और संभावित समाधान के लिए अगले दो सप्ताह में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ अलग-अलग बैठकें की जाएंगी। पिछले आठ वर्षों में कुछ नेताओं के अन्य दलों में पलायन से पार्टी को कुछ नुकसान हुआ है, लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ भी

नहीं बदला है। बूथ स्तर पर कांग्रेस के कैडर ने किसी अन्य पार्टी को नहीं छोड़ा और वफादार बने रहे। हमारे विरोधियों ने यह गलत धारणा बना दी है कि कांग्रेस पार्टी हैदराबाद, खासकर पुराने शहर में कमजोर है। हम अब उस धारणा को बदलेंगे और हैदराबाद में बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए पूरे कैडर को सक्रिय करेंगे। उन्होंने बताया कि हैदराबाद डीसीसी के लिए नए निकाय के गठन की कवायद शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि युवाओं को प्रमुखता दी जाएगी और नए निकाय में महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व होगा।

कोरोना का खतरा बरकरार : लोगों को अलर्ट रहने की सलाह

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जैसा कि आज रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन में कोरोना कहर बरपा रहा है, वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगले तीन महीनों में दुनिया भर की 10 प्रतिशत आबादी इस वायरस से पीड़ित होगी। चीन में 60 फीसदी लोगों को इसके होने का खतरा है। रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि यूएसए ने कोविड-19 महामारी की पुनरावृत्ति पर चिंता व्यक्त की है। इस परिदृश्य को देखते हुए, चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों के लिए महामारी के प्रसार को रोकने के लिए सभी एहतियाती उपाय करना आवश्यक है। स्पष्ट रूप से स्थिति को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्रालय ने 20 दिसंबर को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक परिपत्र जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि दुनिया भर में कोविड-19 की सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती अभी भी बनी हुई है। साप्ताहिक तौर पर 35 लाख मामले सामने आए। मंत्रालय ने कहा कि जापान, चीन, अमेरिका, कोरिया और ब्राजील में मामलों में

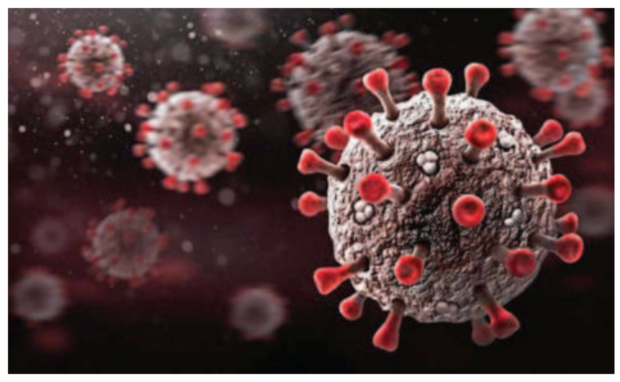

अचानक आई तेजी को देखते हुए, भारतीय सार्स-सीओवी-2 के माध्यम से वेरिएंट को ट्रैक करने के लिए सकारात्मक मामले के नमूनों के पूरे जीनोम अनुक्रमण को तैयार करना आवश्यक है। देश में चल रहे नए वेरिएंट, यदि कोई हो, और इसके लिए आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय करने की सुविधा प्रदान करेगा। तेलुगु राज्य हैदराबाद के अश्वनी अस्पताल के पल्मोनोलॉजिस्ट और इम्यूनोलॉजिस्ट डॉ. व्याकरणम नागेश्वर स्थिति का हवाला देते हुए कहते हैं कि पिछले दस दिनों के दौरान, दो तेलुगु राज्यों में वायरल बुखार बढ़ रहा है। यह चलन पूरे देश में भी देखा जा रहा है। वृद्ध और युवा लोगों में तेज बुखार के लक्षण, बिना बुखार के थकान, बदन दर्द, खांसी और छींक आना देखा जाता है। लोगों को बहुत सावधान रहना चाहिए और इनमें से कोई भी लक्षण होने पर डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। लोग मास्क लगाएं, सामाजिक दूरी का पालन करें और सैनिटाइजेशन का पालन करें। लोगों के लिए विटामिन सी और डी नियमित रूप से लेना बेहतर है। उन्होंने कहा कि गिलोय सत्व जैसी आयुर्वेदिक दवाओं का उपयोग भी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए उचित है।

32वां वार्षिक रजक शिक्षा अभियान व प्रतिभा सम्मान समारोह 25 को

कार्यक्रम में यूपी के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी प्रमुख रूप से लेंगे भाग

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदर्श रजका वेलफेयर फोरम, हैदराबाद द्वारा 32वां वार्षिक रजक शिक्षा अभियान एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 25 दिसंबर को शाम 4 बजे एसएसके भवन, रहीमपुर में किया जा रहा है। कार्यक्रम में शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 में उत्तीर्ण प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और खेल-कूद तथा तकनीकी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सदस्यों को पुरस्कृत किया जाएगा। समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक यूपी व भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय रजक महासंघ दिनेश चौधरी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता व सामाजिक कार्यकर्ता, सत्तू सिंह अबीरवाले, डॉ. मनीषा बड़ेघरवाले, सीमा, बीजेवाईएम हैदराबाद सेन्ट्रल प्रवक्ता सुरेश सिंह चिन्ना मुन्ना वाले भाग लेंगे। गौरतलब है कि दिनेश चौधरी भाजपा यूपी के जौनपुर जिले के केराकत विधानसभा से विधायक रहे है। उनकी गिनती यूपी के भाजपा के कद्दावर नेताओं में होती है। दिनेश चौधरी और उनका पूरा परिवार सामाजिक सेवा, शिक्षा और चिकित्सा सेवा में जुटा हुआ है। आदर्श रजका वेल्फेयर फोरम, हैदराबाद के अध्यक्ष श्यामलाल गोविंदवाले और महामंत्री प्रमोद सिंह बड़ेघरवाल ने रजक समाज के सभी बंधुओं से समारोह में सपरिवार अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर रजक समाज की युवा प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया है।

रबर स्टैंप नहीं अजेय नेता हैं खड़गे, मल्लू रवि ने बीजेपी पर पलटवार किया

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मल्लू रवि ने कहा कि अगर एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे यह कच्चा सच बताते हैं कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में नहीं थी, तो भाजपा इस तथ्य को पचा नहीं पा रही थी और उन्हें बताना चाहिए कि क्यों उसे माफी मांगनी चाहिए। क्या यह सच नहीं है कि स्वतंत्रता संग्राम में भाजपा नहीं थी। इसलिए, मल्लिकार्जुन खड़गे के बजाय माफी मांगने की जरूरत है, बीजेपी को माफी मांगनी चाहिए, उन्होंने मांग की। मल्लू रवि ने कहा कि सत्ता में आने के बाद वे लोकतंत्र पर हमला कर रहे हैं। मैं खड़गे को रबर स्टैंप कहने वाले भाजपा की कड़ी निंदा करता हूं। एक दलित नेता के रूप में खड़गे कभी हारे नहीं थे। उन्होंने न केवल आठ बार विधायक और तीन बार सांसद के रूप में जीत हासिल की, खड़गे जी को गृह, उद्योग, सिंचाई मंत्री के रूप में और कर्नाटक विधानसभा में सीएलपी नेता के रूप में भी काम

करने का अनुभव है। उन्होंने केंद्र सरकार में रेल और श्रम मंत्री के रूप में भी काम किया। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में भी काम किया। टीपीसीसी नेता ने यह भी कहा कि खड़गे जी एआईसीसी अध्यक्ष हैं, जिन्होंने सबसे बड़े बहुमत से चुनाव जीता और उनके अध्यक्ष बनने के बाद दो राज्यों में चुनाव हुए, एक कांग्रेस ने जीता और दूसरा हिमाचल में उनके नेतृत्व में भाजपा ने जीता। तो क्या ऐसे व्यक्ति को रबर स्टैंप कहा जा सकता है? दरअसल, अमित शाह और मोदी को छोड़कर बाकी सभी कैबिनेट मंत्री और बीजेपी नेता रबर स्टांप का काम कर रहे थे। मल्लू रवि ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा को हाल ही में हुए चुनावों में उनके ही राज्य हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस प्रत्याशी ने बेवजह हरा दिया। उन्होंने कहा कि अब बीजेपी खड़गे जी के खिलाफ केवल इसलिए बात कर रही है क्योंकि वह अनुसूचित जाति से आते हैं। कांग्रेस वह विचारधारा है जो आजादी के लिए लड़ी और आज भी जारी है। राहुल गांधी इसका उदाहरण हैं कि आज और कल की कांग्रेस एक ही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस एक विचारधारा है नेता नहीं। नेता आएंगे और जाएंगे लेकिन कांग्रेस की विचारधारा हमेशा एक जैसी रहेगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी की अपनी विचारधारा थी लेकिन अब बीजेपी के नेता उस विचारधारा का पालन नहीं कर रहे हैं और केवल सत्ता में बने रहने के लिए किसी पार्टी के लोगों को अपनी पार्टी में आने दे रहे हैं।

दो बच्चों को लेकर कुएं में कूदी मां, बच्चों की मौत

आसिफाबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के जैनाथ मंडल में बुधवार के दिन एक दर्दनाक हादसा हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक बालापुर में एक मां अपने दो बेटों के साथ खेत के कुएं में कूद गई। किसानों ने वहां जाकर उसे बचा लिया। लेकिन दो बच्चों की जान पहले ही जा चुकी थी। बालापुर गांव के वानकड़े सुषमा गणेश के दोनों बेटे आदित्य (4), आर्यन (2) किस मजबूरी में यह कदम उठाया अभी तक कुछ पता नहीं चल सका। लेकिन मां बच्चों के साथ खेत के कुएं में कूद गई। स्थानीय लोगों ने यह देखा और उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन दो बच्चों की जान चली गई। सुषमा को रस्सी से बांधकर बाहर निकाला गया। बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए आदिलाबाद रिम्स अस्पताल ले जाया गया। पुलिस कारणों की जांच कर रही है, लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि अक्सर सुषमा और गणेश के बीच वाद विवाद होता था और बुधवार के दिन भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था।

केटीआर के आरोपों में दम नहीं : बंडी

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के तारकरामा राव की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आरोप लगाया कि राज्य के मंत्री ड्रग टेस्ट में क्लीन चिट पाने के लिए खुद को तैयार करने के बाद ही उन्हें चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि केटीआर ने उन्हें चुनौती देने के छह महीने बाद परीक्षणों पर चुनौती दी थी।

उन्होंने केटीआर से पूछा कि उन्होंने इस मुद्दे पर टीपीसीसी प्रमुख द्वारा की गई चुनौती पर प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी। आज मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, संजय ने दावा किया कि केटीआर ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को उनका नाम लेने से रोकने के लिए एक अदालती आदेश दिया था। केटीआर के आरोपों का जिक्र करते हुए कि वह आदतन तम्बाकू चबाने वाले थे, बंडी ने मंत्री से पूछा कि क्या उनके पास अपने आरोपों का समर्थन करने के लिए कोई सबूत है? उन्होंने केटीआर से यह भी पूछा कि वह दिल्ली शराब मामले के बारे में बात क्यों नहीं कर रहे हैं जिसमें उनकी बहन का नाम आया है? संजय ने केटीआर द्वारा उनके खिलाफ इस्तेमाल की गई भाषा पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि उनको मंत्री की भाषा पर हंसी आ रही रही है। उन्होंने कहा कि अगर हैदराबाद के ड्रग्स मामले में जांच की गई तो केटीआर का पर्दाफाश हो जाएगा और उन्होंने मामले की गहन जांच की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि अगर केटीआर ने कोई गलती नहीं की है तो वह अदालत के सामने अपनी बेगुनाही साबित कर सकते हैं। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा राज्य के विकास के बारे में बात करते हुए, संजय ने केटीआर से अपने पिता द्वारा किए गए विकास को दिखाने के लिए कहा। सिरिसिल्ला में एक मेडुआ सम्मेलन में बंडी संजय पर भारी पड़ते हुए, केटीआर ने कहा कि वह ड्रग्स की खपत के बारे में अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए सभी नमूने देने के लिए तैयार है। संजय से पूछा कि क्या वह करीमनगर चौराहे पर अपनी चप्पल से खुद को थप्पड़ मारेंगे यदि उनके सभी नमूनों का परीक्षण नकारात्मक हो?

पत्नी और बच्चों की मौत के छह महीने बाद शख्स ने दे दी जान

नलगोंडा, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। छह महीने पहले अपनी पत्नी और बच्चों की आत्महत्या से उबरने में असमर्थ, 38 वर्षीय एक व्यक्ति जाना रेड्डी ने बुधवार तड़के नालगोंडा जिले के नारकेटपल्ली में एक ट्रेन के आगे कूदकर कथित रूप से अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। नारकेटपल्ली मंडल के औरवानी गांव के जना रेड्डी नलगोंडा शहर के देवराकोंडा रोड पर कबाड़ का कारोबार चला रहे थे। पुलिस के मुताबिक, स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक पर उसका शव देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। जून में, उनके बेटे ऋषिक रेड्डी और बेटी हस्मिका रेड्डी के साथ, उनकी पत्नी ने कथित तौर पर आंध्र प्रदेश के सटेनपल्ले में उसी तरह से आत्महत्या कर ली थी।

बेहतर भविष्य के लिए ऊर्जा बचत की आदत डालें : जैन

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह (14 से 21 दिसंबर, 2022) मनाया गया। इस दौरान आज रेल निलयम, सिकंदराबाद में ऊर्जा संरक्षण पर वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन, अमित गोयल, अपर महाप्रबंधक, पी.डी. मिश्रा, प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता, जॉन प्रसाद, प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, दमरे, सभी मंडल रेल प्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। वेबिनार में लोगों को संबोधित करते हुए दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि बेहतर भविष्य के लिए बिजली की खपत को कम करने के लिए ऊर्जा बचत की आदत डालें।

श्री जैन ने कहा कि, दक्षिण मध्य रेलवे गैर-कर्षण पक्ष पर कई ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू कर रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना, रेलवे स्टेशनों, सेवा भवनों और रेलवे क्वार्टरों में 100 फीसदी एलईडी लाइटिंग, ऊर्जा कुशल पंप, इन्वर्टर टाइप एसी शामिल हैं। इन उपायों के साथ, वर्षों से कनेक्टेड लोड में पर्याप्त वृद्धि के बावजूद, गैर-कर्षण ऊर्जा खपत को नियंत्रित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि ऊर्जा संरक्षण में एससीआर द्वारा किए गए अच्छे काम ने गौरव अर्जित किया और विद्युत विभाग ने 2022 के दौरान 6 राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार और 6 राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार जीते। उन्होंने यह भी कहा कि विद्युत और थर्मल उपयोगिताओं में ऊर्जा दक्षता उपायों को लागू करने के प्रयास जारी रहेंगे। 2030 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन, आईआर के मिशन को पूरा करने के लिए जल संरक्षण उपायों और गो ग्रीन अवधारणा को अपनाना। प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता, दमरे पी. डी. मिश्रा ने वेबिनार का स्वागत किया और कहा कि जागरूकता पैदा करने और बढ़ावा देने के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) और ऊर्जा मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार हर साल 14 से 21 दिसंबर तक राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया जाता है। दक्षिण मध्य रेलवे में भी हम ऊर्जा दक्षता और संरक्षण का संदेश देने के लिए इस सप्ताह के दौरान मुख्यालय, मंडलों और कार्यशालाओं में विभिन्न जागरूकता और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं। श्री जैन ने रेल निलयम परिसर में ऊर्जा संरक्षण उपकरण प्रदर्शनी और स्टालों का उद्घाटन किया।

सीएम केसीआर जल्द ही लॉन्च कर सकते हैं नई बसें : टीएसआरटीसी चेयरमैन

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) द्वारा हाल ही में अधिग्रहित की गई 300 बसों के बेड़े में से मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर रावके जल्द ही लगभग 50 नई बसें लॉन्च करने की उम्मीद है। टीएसआरटीसी के अध्यक्ष बजीरेड्डी गोवर्धन ने बुधवार को यहां राम मिरियाला द्वारा गाए गए निगम बसों पर एक गीत 'तेलंगाना ऑन ट्रैक' लॉन्च किया, उन्होंने कहा कि पुरानी बसों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है और आने वाले महीनों में नए वाहन जोड़े जाएंगे।

पहले चरण में, 300 नई बसें टीएसआरटीसी बेड़े में शामिल हो रही हैं। उनमें से 50 वाहनों को मुख्यमंत्री बहुत जल्द लॉन्च करेंगे। निगम को वर्तमान में प्रतिदिन 14 करोड़ से 15 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो रहा था। उन्होंने कहा कि राज्य भर में 93 बस डिपो में से लगभग 40 से 50 अभी लाभदायक हैं और अन्य डिपो को भी विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। टीएसआरटीसी के अध्यक्ष ने कहा कि जब उन्हें निगम को पुनर्जीवित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई, तो उन्होंने इसे एक चुनौती के रूप में लिया।

मुख्यमंत्री, जो घाटे में चल रहे निगम के बारे में चिंतित थे, ने मुझे इसे एक लाभदायक कंपनी बनाने के लिए हर संभव कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। राज्य सरकार ने भी भारी धनराशि स्वीकृत की है, उन्होंने कहा कि निगम में लगभग 50,000 कर्मचारी हैं और लगभग 75 प्रतिशत नागरिक इसकी बसों में यात्रा करते हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I,Kakali Spouse of JC287525F Nb Sub,(RST) Biswajit Pramanik R/o (V) Murarikalua,PO kelomal, Teh-Tamluk,Distt-Purba Medinipur,West- Bengal,PIN - 721627, Change my name from Kakali to *Kakali Barman Pramanik* for all Record purpose.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बेटे के कारनामे से कंगाल बना किसान परिवार

बेटे ने जुआ खेल 92 लाख रुपये उडाया

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक किसान को 92 लाख रुपये का नुकसान हुआ, जो उसे सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि के मुआवजे के रूप में मिला था, क्योंकि उसके बेटे ने एक ऑनलाइन कैसीनो में पैसों का जुगाड़ किया था। हैदराबाद के पास तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। श्रीनिवास रेड्डी का परिवार सचमुच कंगाल हो गया है क्योंकि उनके छोटे बेटे ने अपने मोबाइल फोन पर ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान पूरे पैसे गंवा दिए।

शाहबाद मंडल के सीतारामपुर में श्रीनिवास रेड्डी की 10 एकड़ जमीन हाल ही में सरकार द्वारा तेलंगाना स्टेट इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन के लिए अधिग्रहित की गई थी। उन्हें 10.5 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से 1.05 करोड़ रुपये का मुआवजा मिला। इस पैसे से वह हैदराबाद के बाहरी इलाके शमशाबाद मंडल के मल्लापुर में आधा एकड़ जमीन खरीदना चाहता था। उसने 70 लाख रुपये का समझौता किया था और 20 लाख रुपये एडवांस के तौर पर चुकाए थे। शेष 85 लाख रुपये में से श्रीनिवास रेड्डी ने अपने बैंक खाते में 42.5 लाख रुपये और शेष अपनी पत्नी विजयलक्ष्मी के खाते में जमा किए।

दंपति के छोटे हर्षवर्धन रेड्डी, जो हैदराबाद के निज़ाम कॉलेज में प्रथम वर्ष के डिग्री छात्र हैं, ने अपने पिता के खाते से पैसे अपने खाते में स्थानांतरित कर दिए और कहा कि वह इसे ज़मीन के मालिक को दे देंगे। 19 वर्षीय ने अपनी मां को भी यही बताया और अपने खाते से पैसे निकालने को कहा। ऑनलाइन गेम खेलने के आदी हो चुके इस नौजवान ने ऑनलाइन कसीनो में किश्तों में पैसा लगाना शुरू कर दिया। कुछ ही हफ्तों में उनका पूरा पैसा डूब गया। जब उसके माता-पिता ने रुपयों के बारे में पूछा तो उसने जुआ खेलना स्वीकार किया। दंपति और उनके बड़े बेटे सिरपाल रेड्डी, बीटेक के छात्र, सदमे में हैं। हर्षवर्धन रेड्डी ने कथित तौर पर जुए के लिए गांव के कुछ लोगों से 7 लाख रुपये उधार लिए थे। श्रीनिवास रेड्डी ने साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट की साइबर क्राइम पुलिस से पैसे वापस पाने में मदद करने के अनुरोध के साथ संपर्क किया, जो परिवार के समर्थन का एकमात्र स्रोत था।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

जी. आराध्या

पिता- जी. संतोष कुमार

माता-जी. राधिका

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान

(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)

रेवेन्यु बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद-500 036, तेलंगाना, भारत

National Institute of Indian Medical Heritage

(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)

Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

अधिसूचना. 03/2022

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ जे.आर.एफ (इतिहास/पुरातत्व/ नृविज्ञान) -01 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 040-24067388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

जेल में सपा विधायक इरफान से कराए 1350 बार सिग्नेचर, भड़क गए सोलंकी

कानपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेशी नागरिक डॉ. रिजवान मोहम्मद व उसके परिवार को अपने लेटरहेड पर भारतीय होने का प्रमाण पत्र देने के मामले में फंसे सपा विधायक इरफान सोलंकी से मंगलवार को पुलिस की एक टीम जेल में मिलने पहुंची। यहां पर विधायक से 50 पन्नों में 1350 बार हस्ताक्षर कराए, जिनका मिलान लेटरहेड पर हुए हस्ताक्षरों से कराया जाएगा। इस दौरान विधायक खिसिया भी गए और अभद्र शब्दों का इस्तेमाल भी किया। टीम को लगभग एक घंटे का समय लगा हस्ताक्षर के नमूने एकत्र करने में। अब इन नमूनों को झांसी की फोरेंसिक लैब में जांच के लिए भेजा जाएगा। सपा विधायक इरफान सोलंकी के हस्ताक्षरों का फौरी तौर पर मिलान पुलिस पहले ही एक निजी एक्सपर्ट से करा चुकी थी। इसके बाद जब रिजवान मोहम्मद की नौ घंटे की पुलिस कस्टडी रिमांड ली गई तो उसने भी विधायक द्वारा हस्ताक्षर किए जाने की बात कबूल कर ली, इसके बाद सोमवार को इरफान का नाम डॉ. रिजवान केस में विवेचना के दौरान जोड़ा गया।

इतने ज्यादा हस्ताक्षर लेने के पीछे पुलिस का तर्क है कि विधायक अपने हस्ताक्षर कई बार बदल रहे थे, इसलिए उनसे अब इन सभी से प्रमाण पत्र में किए गए हस्ताक्षर का मिलान कराया जाएगा।

विधायक के तीन और करीबियों को पुलिस ने उठाया

वही, प्लॉट में आगजनी के मामले में पुलिस ने सपा विधायक के तीन और करीबियों को उठाया है। पुलिस का दावा है कि ये तीनों आगजनी के वक्त विधायक और उनके गुर्गों के साथ मौजूद थे। पुलिस जल्द ही आरोपियों को कोर्ट में पेश करेगी।

जेसीपी आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि 8 नवंबर को जाजमऊ में नजीर फातिमा के प्लॉट पर आगजनी के मामले में पुलिस ने सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई को जेल भेजा गया था। आगजनी के वक्त विधायक के 18 करीबियों के रहने की जानकारी मिली थी। पुलिस इस मामले में सपा नेत्री नूरी शौकत के पिता शौकत अली, हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद शरीफ और इजराइल आटा वाला को जेल भेज चुकी है, 15 अन्य की पहचान कर ली गई है। इन्हीं चिह्नितों में तीन को पुलिस ने उठाया है।

इसके अलावा डीटू गैंग के एजाजुद्दीन उर्फ सबलू, पूर्व पार्षद मुर्सलीन खान उर्फ भोलू, हिस्ट्रीशीटर महबूब कुरैशी उर्फ कल्लू, महताब कुरैशी, बटाऊ यादव, साहिबे आलम उर्फ दाढ़ी शाह की तलाश है।

'इनका बस चले तो देश को बिहार बना दें'

मनोज झा ने की पीयूष गोयल से माफी की मांग

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की कथित टिप्पणी से बिहार के अपमान को लेकर मामला गर्मा गया है। राजद नेता व राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर कहा है कि वे गोयल को माफी मांगने का निर्देश दें। मनोज झा ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री गोयल ने टिप्पणी की है कि, 'इनका बस चले तो देश को बिहार ही बना दें'। झा ने कहा कि गोयल का यह बयान बिहार के लोगों का अपमान है। उन्हें सभी लोगों से माफी मांगना चाहिए। झा ने पत्र में लिखा कि किसी को विश्वास नहीं होगा कि उच्च सदन के नेता जैसा व्यक्ति देश के महानतम राज्यों में से एक के बारे में ऐसी राय रखता है। गोयल का यह बयान बिहार के प्रति केंद्र के अपमानजनक दृष्टिकोण का व्यक्त करता है। पूर्वाग्रह व उपेक्षा को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय सहानुभूति और चिंता की जरूरत है न कि ऐसी असंवदेनशीलता की।

बड़ी कुर्सी के लिए छोड़ना होगा सीएम पोस्ट

छोटी बातों में फंसे तो बीजेपी को कैसे हराएंगे- तेजस्वी यादव को लेकर नीतीश कुमार के बयान पर बोले जगदानंद सिंह

पटना, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल बिहार के अध्यक्ष और पूर्व सांसद जगदानंद सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हालिया बयान पर द इंडियन एक्सप्रेस से बात की है। जिसमें नीतीश कुमार ने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के 2025 के विधानसभा चुनावों में महागठबंधन का नेतृत्व करने की बात की थी। जगदानंद सिंह ने नीतीश की प्रधानमंत्री पद की महत्वाकांक्षा, राष्ट्रीय जनता दल के 2019 के लोकसभा चुनाव में शून्य से पिछड़ने से लेकर 2020 के विधानसभा चुनाव में सत्ता के करीब पहुंचने तक और तेजस्वी यादव के एक नेता के रूप में उभरने के सफर जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की है।

क्या नीतीश कुमार को 2024 की तैयारी में जुट जाना चाहिए ?

जगदानंद सिंह ने नीतीश कुमार के तेजस्वी यादव से जुड़े बयान और नीतीश को मिशन 2024 की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए के सवाल पर कहा कि मैंने दिल्ली में जो कुछ कहा, उसे मीडिया ने अपने तरीके से रिपोर्ट किया है। मेरे कहने का मतलब यह है कि नीतीश कुमार को वीपी सिंह से सबक लेना चाहिए, जो अपना पद (राजीव गांधी की सरकार में केंद्रीय मंत्री) छोड़ने के बाद लोगों के पास गए थे। ये जनता है जो किसी को प्रधानमंत्री बना सकती है। वीपी सिंह भी तभी बने जब जनता ने चाहा था। लोग अपना पीएम चुनते हैं। वीपी सिंह भी पीएम बने जब लोग उन्हें पीएम बनाना चाहते थे।

क्या नीतीश को मुख्यमंत्री पद छोड़ देना चाहिए

इस सवाल के जवाब में जगदानंद सिंह ने कहा कि मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि बड़ी चीज को प्राप्त करने के लिए छोटी चीज त्यागी पड़ती है। सभी को याद है कि कैसे वीपी सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर पूरे विपक्ष में जोश भर दिया था। हमें भाजपा जैसी विभाजनकारी ताकत को हराने के लिए बहुत अच्छी तैयारी करनी होगी।

हमें ममता बनर्जी, नवीन पटनायक और अन्य जैसे नेताओं के साथ जुड़ना होगा। यह संभव नहीं हो सकता अगर कोई छोटी-छोटी बातों में फंसा रहे।

सुबह चार बजे पहुंचीं आयकर टीमें

कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर की छापेमारी

लखनऊ, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के ऐशबाग व नाका हिंडोला स्थित व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर आयकर विभाग की टीमों ने सुबह 4 बजे छापा मारा। दिल्ली से पहुंची टीमों ने शकुंतलम व्यापारिक प्रतिष्ठान पर रेड की है।

इसमें ऐशबाग पुलिस चौकी के सामने स्थित प्लाईवुड फैक्ट्री, आरा मशीन और गुप्ता बंधुओं के आवास पर भी छापा मारा है। आयकर टीमें पिछले कुछ महीने से फर्म के संदिग्ध लेन देन का ब्यौरा जुटा रही थीं जिसके बाद बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। दस्तावेजों में भी संदिग्ध लेन देन का ब्यौरा आयकर विभाग को मिला है। जांच जारी है।

नगर निकाय चुनाव से होगी परख किस दल में कितना है दमखम

लखनऊ, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और उसकी चिर प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी के बीच है। यही वजह है कि भाजपा और सपा ने इस चुनाव को लेकर अपनी रणनीति को अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया है। प्रदेश के अधिकसंख्य जिलों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलनों को सम्बोधित कर चुके हैं। जबकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव प्रदेश के सभी जिलों में अपने दौरों की शुरुआत कर चुके हैं। निकाय चुनाव में आरक्षण को ले कर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में मामला लंबित है। इस वजह से सभी राजनीतिक दल इस मामले में निर्णय आने की प्रतीक्षा में हैं।

इस बार के निकाय चुनाव में 17 नगर निगमों में महापौर पद के लिए दो सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित की गई हैं। इसमें दो सीटों में एक महिला के लिए आरक्षित की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश नगर निगम में चार सीटें पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित की गई हैं। इनमें दो सीटें महिला के लिए सुरक्षित रखी गई हैं। नगर निगम के अलावा उत्तर प्रदेश में 200 नगर पालिका परिषद की सीटें हैं। इनमें अनुसूचित जाति के लिए 27 सीटें आरक्षित हैं। जबकि पिछड़ा वर्ग के लिए 54 आरक्षित हैं। इनमें 79 सीटें अनारक्षित हैं। वहीं महिलाओं के लिए 40 सीटें आरक्षित की गई हैं। भारतीय जनता पार्टी ने निकाय चुनाव का ले कर नगर निगम, नगर पंचायत और टाउन एरिया प्रभारियों की नियुक्ति की है। इन प्रभारियों में कैबिनेट स्तर के मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यहां इस बात का खास ख्याल रखा गया है कि जिन कबीना मंत्रियों को जिम्मा सौंपा गया है, उनका ताल्लुक उस इलाके से न हो। इसी क्रम में नगर पंचायत और नगर पालिका स्तर पर स्थानीय लोगों को संयोजक बनाया गया है। वहीं उम्मीदवारों के नाम तय करने के लिए सांसद, विधायक, भाजपा के जिला व नगर अध्यक्ष और सभी उप क्षेत्रों के महामंत्रियों को स्क्रीनिंग कमेटी में रखा गया है। इस बाबत भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता मनीष शुक्ला कहते हैं कि सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन किए जा चुके हैं। इन सम्मेलनों में से अधिकांश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद शिरकत की है। उधर, समाजवादी पार्टी ने भी निकाय चुनाव के लिए अपनी कमर कस ली है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र चौधरी कहते हैं कि मंहगाई, बेरोजगारी, लचर कानून व्यवस्था के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए यह अभियान चलाया जाएगा।

जेडीयू नेता के घर से मिली शराब

बोले- मैं वहां नहीं रहता किराएदार रहते हैं, मुझे फंसाया जा रहा है, सरकार जांच कराए

छपरा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जिस छपरा में 4 दिन पहले जहरीली शराब से 72 लोगों की मौत हो गई। उसी छपरा में मंगलवार रात जदयू नेता के मकान से शराब बरामद की गई है। इस दौरान पुलिस ने एक महिला को भी हिरासत में लिया। ये छापेमारी मढौरा थाना अंतर्गत स्टेशन रोड स्थित जदयू नेता कामेश्वर सिंह के आवास पर की गई। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस और एलटीएफ की टीम ने संयुक्त रूप से ये छापेमारी की। जहां मकान से अंग्रेजी और देसी शराब, 60 पीस फ्रूटी, 750एमएल शराब की तीन बोतल और 2 लीटर देसी शराब के पाउच बरामद किए हैं। पुलिस ने इस मामले में मकान में मौजूद किरायेदार की पत्नी को हिरासत में लेकर थाने ले गई।

महिला के विषय में पुलिस ने बताया कि महिला किरायेदार की पत्नी है। जिन्हें पूछताछ के लिए थाने लाया गया। वहीं, छापेमारी की सूचना मिलने के बाद जदयू नेता कामेश्वर सिंह चिंता में दिखे। उन्होंने बताया कि हमें फंसाने के लिए साजिश रची गई है। हमें और सरकार को बदनाम करने की कोशिश की जा रही।

उन्होंने कहा कि हम इस मकान से 32 साल पहले चले गए थे। तब से अभी तक हम यहां आए ही नहीं हैं। तो शराब मिलना में मेरा हाथ होने की बातें कहीं है ही नहीं। हां, यह सही बात है कि मकान मेरा ही है। जो टूटा फूटा है और वहीं से शराब बरामद की गई है। उस मकान में शराब किसने रखी, क्यों रखी है। हम सरकार से भी इसकी जांच की मांग करते हैं।

इधर, जदयू नेता कामेश्वर सिंह के मकान में छापेमारी मामले में मढ़ौरा डीएसपी इंद्रजीत बैठा ने बताया कि मंगलवार रात छापेमारी हुई। छापेमारी में शराब के साथ एक महिला को हिरासत में लिया गया। बिहार में छपरा में जहरीली शराब के मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। चौथे दिन शनिवार को भी सुबह-सुबह 10 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिवार वालों से मिलने लोजपा(रामविलास) नेता चिराग पासवान मशरख पहुंचे। उन्होंने कहा कि डेढ़ सौ मौतें हुई हैं। सरकार छिपा रही है। राज्यपाल से मिलकर राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग करूंगा। पोस्टमॉर्टम की क्या जरूरत है? अगर शराब से मौत निकली तब तो और फंसोगी ही न। चुपचाप अंतिम संस्कार कर दो। कोई पूछे तो ठंड से मौत बता देना। 4 लाख मुआवजा भी मिल जाएगा। शराब से मौत में तो न मुआवजा मिलेगा, न कोई मदद। उल्टा केस अलग हो जाएगा। बिहार के छपरा में शराब से हुई मौत के मामले में परिजनों को सरकारी अफसर कमोबेश ऐसी ही भाषा में समझा रहे हैं। फिर चाहे वह बहरौली गांव की मुरावती देवी हों या हुस्सेपुर गांव का नरेंद्र सिंह। शब्दों में हेरफेर के साथ मकसद एक ही है कि कोई ये न कहे कि उसके परिजन की मौत शराब से हुई है।

जहरीली शराब से मौत को लेकर विधानसभा में बीजेपी विधायकों का प्रदर्शन

पटना, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में जहरीली शराब से मौत को लेकर सियासत जारी है। विधानसभा में भाजपा के सभी विधायक और एमएलसी नीतीश कुमार के खिलाफ धरने पर बैठ गए। इस दौरान बीजेपी नेताओं ने जमकर नारेबाजी की। भाजपा विधायकों ने नीतीश कुमार पर विधानसभा में लोकतंत्र की हत्या का आरोप लगाया है।

विधान परिषद में प्रतिपक्ष के नेता सम्राट चौधरी और विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बुधवार सुबह 11.15 से धरना शुरू हुआ। विधानसभा में प्रतीक चिह्न के रूप में बनाए गए बोधि वृक्ष के नीचे सभी विधायक और विधान परिषद सदस्य धरने पर बैठ गए। भाजपा विधायक जहरीली शराब कांड के मृतकों को मुआवजा नहीं दिए जाने और मुख्यमंत्री नीतीश की ओर से इनकी मौत पर मातम नहीं मनाने के फैसले का विरोध कर रहे हैं। वहीं विधानसभा में विपक्ष के नेता लगातार विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी पर भी आरोप लगा रहे हैं। भाजपा नेताओं ने आरोप लगााय कि अध्यक्ष उन्हें बोलने से रोक रहे हैं। बात-बात पर टोक रहे हैं। वे राजद के प्रवक्ता की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

'सरकार संरक्षित नरसंहार' के पोस्टर के साथ प्रदर्शन

पूर्व कृषि मंत्री और राजद विधायक सुधाकर सिंह ने सारण जहरीली शराब कांड को सरकार संरक्षित नरसंहार करार दिया था। भाजपा विधायक इसी पंचलाइन के पोस्टर लेकर प्रदर्शन करते दिखे। भाजपा ने अपने धरने को वंदे मातरम गाकर खत्म किया। दरअसल, विधानसभा शीतकालीन सत्र की समाप्ति के समय राष्ट्रीय गीत नहीं गाया गया था। इसके विरोध में बीजेपी ने अपने धरना का समापन वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत गाकर किया।

दो हाइवा की टक्कर, ड्राइवर जिंदा जला

दोनों गाड़ियों के बीच हुई आमने-सामने भीषण टक्कर, एक ड्राइवर गाड़ी में ही फंस गया

पटना, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पटना के धनरूआ बाजार में बुधवार को दो हाइवा की आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दोनों हाइवा में भीषण आग लग गई। इस भीषण आग लगने से एक ड्राइवर की जिंदा जलने से मौत हो गई। जबकि दूसरे हाइवा का ड्राइवर वहां से फरार हो गया। टक्कर का कारण घना कोहरा माना जा रहा है। घटना के बाद अग्निशमन दस्ते ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस बीच पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घने कोहरे के कारण धनरूआ बाजार में दो हाइवा की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों हाइवा में आग लग गई। आग लगते ही वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। मृतक चालक की पहचान गया टिकारी के के 100 बीघा निवासी विक्रम कुमार (25) के रूप में की गई है। धनरूआ थाना के प्रभारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि घने कोहरे की वजह से यह हादसा हुआ। गाड़ी की रफ्तार इतनी तेज थी कि जोरदार आवाज के बाद दोनों हाइवा में आग लग गई। हाइवा में आग लगने से एक ड्राइवर उसी में फंसा रह गया, जिससे जिंदा जल कर उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गया धनरूआ मार्ग पर घंटों अफरातफरी का माहौल बना रहा और सड़क बाधित रही।

'इतना जूता मारेंगे न..दिमाग दुरुस्त हो जाएगा'

तारापुर के विधायक ने फोन पर धमकाया

भागलपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। तारापुर से जेडीयू के विधायक राजीव कुमार सिंह का एक ऑडियो वायरल हो रहा है। वायरल ऑडियो में विधायक राजीव कुमार सिंह एक पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट से बात कर रहे हैं। इस दौरान वे पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट को खूब गाली दे रहे हैं और फोन पर धमकी भी दे रहे हैं। बीते मंगलवार को यह ऑडियो सामने आया है। भागलपुर के औद्योगिक थाना क्षेत्र अंतर्गत जीरो माइल के निकट रहने वाले जेई आमोद कुमार ने इस मामले में शिकायत करने की बात भी कही है। जेई आमोद कुमार ने बताया कि वे अभी मुंगेर में पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट के पद पर काम कर रहे हैं। वह तारापुर के विधायक की कार्यशैली से भयभीत हैं और डरे हुए हैं। आमोद ने कहा कि फोन पर विधायक राजीव सिंह आए दिन धमकी देते हैं वह नगरपालिका के तहत ड्यूटी पर थे तो राजीव कुमार सिंह ने एक नंबर से फोन किया और भद्दी भद्दी गालियां दी। अपशब्द बोलते हुए धमकी देने लगे। विधायक के फोन और धमकी से भयभीत जेई आमोद कुमार ने बताया कि वह इसकी लिखित शिकायत करेंगे। वरीय पदाधिकारियों को इसकी जानकारी देना जरूरी है। वह कमिश्नर के पास इसकी लिखित शिकायत करेंगे। वहीं इस मामले में जब तारापुर विधायक राजीव कुमार सिंह से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने मामले में बचते हुए कहा कि इस मामले में वह दूर दूर तक नहीं हैं। जेई मनगढ़ंत बातें कर रहे हैं।

युवक का मर्डर

नहर के पास मिली लाश, अपराधियों ने गला दबाकर मार डाला, जांच में जुटी पुलिस

आरा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के पीरो थाना क्षेत्र के देचना पुल के समीप रजिया-जमुआवं नहर से मंगलवार की रात एक युवक की लाश मिली है। प्रतीत होता है कि अपराधियों ने उसकी गला दबाकर हत्या की, फिर शव को यहां फेंक दिया। शव के मिलने से गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पीरो थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पीरो थानेदार नंद किशोर सिंह अपने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। इसके पश्चात पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार मृतक अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के अगिआंव बाजार गांव वार्ड नंबर 3 निवासी कृष्णा पासवान का 18 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार है एवं वह इंटर का छात्र था। इधर गुड्डू पासवान ने बताया कि इसके पिता जी के बताए जाने के अनुसार वह सोमवार की सुबह 9 बजे घर से निकला था। इसके बाद उसके मित्र द्वारा उसे शाम करीब 4 बजे अगिआंव बाजार चौक पर देखा गया था। सोमवार की रात जब वह घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने सोचा कि वह उनकी दूसरे मकान में खाना खाकर सो गया होगा। क्योंकि वह बराबर खाना खाकर कभी-कभी वहां सो जाया करता था। मंगलवार की सुबह उसके माता-पिता उठे और खेत में कटनी करने चले गए। जब वह शाम को वापस लौटे तो उन्हें सूचना मिली के रजिया नहर में एक युवक का शव बरामद हुआ है।

पांच पुलिसकर्मियों को आजीवन कारावास तो चार को पांच-पांच साल जेल

सीबीआई कोर्ट ने सुनाई सजा

गाजियाबाद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। एटा में 16 साल पहले फर्नीचर कारीगर राजाराम की हत्या कर मुठभेड़ का रूप देने के मामले में दोषी पांच पुलिसकर्मियों को बुधवार को सीबीआई की अदालत ने आजीवन कारावास और 38-38 हजार रुपये अर्थदंड और चार पुलिसकर्मियों को पांच-पांच साल जेल व 11-11 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। एक आरोपी पुलिसकर्मी की मुकदमे की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है। एटा में 16 साल पहले फर्जी मुठभेड़ में व्यक्ति की हत्या करने के दोषी तत्कालीन थाना प्रभारी पवन सिंह, एसआई पाल सिंह ठेनुआ, सरनाम सिंह, राजेंद्र प्रसाद और जीप चालक मोहकम सिंह को विशेष सीबीआई कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पांचों पर अदालत ने 38 - 38 हजार रुपये का अर्थदण्ड लगाया है। इसके अलावा साक्ष्य मिटाने के दोषी चार पुलिसकर्मियों- बलदेव प्रसाद, अजय कुमार, अवधेश रावत और सुमेर सिंह को हत्या के आरोप से बरी कर दिया, लेकिन साक्ष्य मिटाने और झूठी सूचना देने के मामले में 5 - 5 साल की सजा और 11-11 हजार रुपये का अर्थदण्ड लगाया है। वर्ष 2009 में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद 13 साल चली सुनवाई में 202 लोगों की गवाही के बाद साबित हुआ कि सिपाही राजेंद्र ने राजाराम से अपने घर की रसोई में काम कराया था। राजाराम ने मजदूरी के पैसे मांग लिए थे। सिपाही ने मना किया तो राजाराम अड़ गया था। इसी पर सिपाही ने साजिश रच ली। राजाराम पर एक भी केस दर्ज न होने के बावजूद सिढ़पुरा थाने की पुलिस ने उसे लुटेरा बताया। उसका शव परिवारवालों को देने के बजाय खुद ही अज्ञात में दाह संस्कार कर दिया था।

सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक अनुराग मोदी ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट में दर्ज परिवाद में राजाराम की पत्नी संतोष कुमारी ने बताया था कि उसके पति को थाना सिढ़पुरा जिला एटा के पुलिसकर्मी पवन सिंह, पालसिंह ठेनुवा, अजंट सिंह, सरनाम सिंह और राजेन्द्र प्रसाद ने 18 अगस्त 2006 को दोपहर तीन बजे उठा लिया था।

गोमती नदी में कार गिरी, 4 डूबे

लखनऊ, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में मंगलवार रात गोमती रिवर फ्रंट पर कार अनियंत्रित होकर नदी में गिर गई। हादसा महानगर पेपर मिल कॉलोनी जाने वाले रास्ते पर हुआ। कार सवार महिला समेत चार लोग और एक कुत्ता डूब गए। इस बीच ड्राइवर और एक युवक तैरकर बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें रिवरफ्रंट पर टहल रहे लड़कों ने रस्सी फेंककर बाहर निकाला। वहीं महिला और उसके साथी की देर रात तक तलाश चलती रही, लेकिन पता नहीं चल सका। 12 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। करीब 700 मीटर के दायरे में डूबे दोनों की तलाश चल रही है। क्रेन के जरिए कार बाहर निकाली गई, जिसमें कुत्ते का शव मिला है। पानी में डूबी मीना कुमारी नेपाल और राहुल उर्फ मन्नु यादव मिर्जापुर के रहने वाले हैं। जबकि बचकर निकले अभिषेक विकासनगर, लखनऊ और दुष्यंत सीतापुर का रहने वाला है। हादसे की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को राहत कार्य करने के निर्देश जारी किए।

शार्ट कट रास्ते के चलते यह हादसा हुआ। कार इससे गुजरते वक्त स्लिप होकर गोमती नदी में गिर गई। यह रास्ता पेपर मिल से रिवर फ्रंट होते हुए हनुमानसेतु की तरफ जाता है। यहां पर कुकरैल नाला गोमती में मिलता है।

जेसीपी कानून और व्यवस्था पीयूष मोर्डिया के मुताबिक, रात करीब दस बजे समता मूलक चौराहे से पेपरमिल जाने वाले रास्ते की तरफ रिवर फ्रंट पर चार लोग कार से आए थे। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर गोमती नदी में जा गिरी। जिससे चार लोगों के साथ एक पालतू कुत्ता भी अंदर ही फंस गया। हादसे में अभिषेक दुबे और दुष्यंत किसी तरह कार से बाहर निकल आए। वहीं, मीना और राहुल अंदर ही फंस गए।

अत्यधिक ठंड के कारण कक्षा एक से आठ तक के स्कूलों का समय बदला

जिलाधिकारी ने जारी किए आदेश

लखनऊ, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में लगातार तेज हो रही ठंड को देखते हुए कक्षा एक से आठ तक के स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया है। जिलाधिकारी द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार अब सभी स्कूल सुबह 10 बजे से 3 बजे तक खुलेंगे।

यह आदेश जिले के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त व समस्त बोर्ड के स्कूलों पर 31 दिसंबर तक लागू रहेगा।

'2014 के मुकाबले 2021 में तीन गुना ज्यादा दिहाड़ी मजदूरों ने की सुसाइड'

एमएचए ने लोकसभा में बताया

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के गृह मंत्रालय ने लोकसभा में मंगलवार (20 दिसंबर) को जानकारी दी कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के रिपोर्ट के मुताबिक साल 2021 में कुल 1,64,033 केस दर्ज हुए है, जो साल 2014 के तुलना में 2021 में तीन गुणा ज्यादा हैं. 2014 में औसतन हर दिन 43 लोग जान गंवा रहे थे तो 2021 में हर दिन 115 लोगों ने हर दिन सुसाइड किया. कांग्रेस के डॉ. मोहम्मद जावेद की तरफ से दिहाड़ी मजदूरों से संबंधित सवाल के जवाब में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने ये जानकारी दी. 2021 के दौरान 23179 हाउस वाइफ, 15870 वेतन उठाने वाले, 1898 सरकारी कर्मचारी, 11431 प्राइवेट कर्मचारी और 2541 लोग पब्लिक एरिया में काम करने वालों ने सुसाइड किया. रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि 2014 से 2021 के दौरन जिन राज्यों में सुसाइड रेट बढ़े हैं, उनमें तमिलनाडु, महाराष्ट्र,मध्यप्रदेश, तेलांगना और गुजरात सबसे आगे हैं.

किसानों की सुसाइड डिटेल

देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण माने जाने वाले किसान वर्ग की बात करें तो साल 2021 में 5318 किसानों ने सुसाइड किया. इसके अलावा बिना अपनी जमीन के काम करने वाले किसानों की संख्या 4806 और दूसरों की जमीन पर काम करने वाले 512 लोगों ने सुसाइड किया.

राज्यों में सुसाइड के मामले

देश के दक्षिण राज्यों की बात करें तो तेलांगना में साल 2014 में 1242 दिहाड़ी मजदूरों ने सुसाइड किया और 2021 में 4223 लोगों ने सुसाइड किया, जो पिछले सात सालों में दुगने से ज्यादा है. गुजरात में जहां 2014 में 669 लोगों ने सुसाइड किया तो वही 2021 में ये संख्या बढ़कर 3206 हो गई. उत्तर भारत के राज्य यूपी और बिहार में 2014 में क्रमंश 11 और 208 तो वही साल 2021 में 29 और 208 लोगों ने सुसाइड किया. देश के नॉर्थ ईस्ट का राज्य सिक्किम में 2014 में सुसाइड करने वाले लोग 23 थे लेकिन साल 2021 में मामूली गिरावट के साथ 22 रही.

सिरसा के चौटाला और तख्तमल में एनआईए की रेड

गैंगस्टर छोटू भाट और पूर्व सरपंच प्रतिनिधि के घर पहुंची, हथियार और कारतूस बरामद

हिसार, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा के गांव चौटाला और तख्तमल में मंगलवार रात एनआईए ने रेड की। रेड की कार्रवाई बुधवार सुबह 6 बजे तक चली। यह कारवाई गैंगस्टरों के खिलाफ एनआईए द्वारा की जा रही कारवाई के तहत की गई। एनआईए चौटाला में गैंगस्टर छोटू भाट और तख्तमल में पूर्व सरपंच प्रतिनिधि जगसीर उर्फ जग्गा के घर पर पहुंची। तख्तमल में पूर्व सरपंच के घर से 100 कारतूस, पिस्टल, 2 देसी कट्टे, 315 बोर राइफल और 12 बंदूक बरामद किए हैं। हालांकि इस दौरान पूर्व सरपंच प्रतिनिधि घर पर मौजूद नहीं था। यहां तलाशी के दौरान एक लाख रुपए कैश भी मिला है, जिसे टीम ने परिवार को सौंप दिया। पूर्व सरपंच पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, गांव चौटाला में एनआईए ने गैंगस्टर छोटू भाट के घर से वायरलेस सैट, रिवाल्वर के 27 कारतूस बरामद किए हैं। हालांकि इस दौरान टीम ने किसी को हिरासत में नहीं लिया है।

मनरेगा में 3 करोड़ रुपये से ज्यादा का घोटाला! चार अधिकारियों पर हेराफेरी का आरोप

सूरत, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अमरेली जिले में मनरेगा विभाग में कार्यरत चार अधिकारियों पर सरकारी खजाने से 3.30 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि 2015-2019 में आरोपियों ने डुप्लीकेट जॉब कार्ड बनाए। जॉब कार्ड धारकों के नाम पर अन्य बैंकों में खाते खुलवाए। लाभार्थियों के फर्जी दस्तावेज बनाए। फिर इन खातों में भुगतान किया और बाद में पैसे खुद निकाल लिए। मंगलवार शाम को तालुका विकास अधिकारी विजय सोनगरा ने अपनी शिकायत में कहा, नियंत्रक महालेखा परीक्षक की दिसंबर 2021 की ऑडिट रिपोर्ट में उल्लेख किया गया था कि तीसरे पक्ष को 3 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है।"

तीन महीने तक हुई जांच

आरोपियों की पहचान सहायक कार्यक्रम अधिकारी शक्तिसिंह जडेजा, सहायक लेखा अधिकारी विमलसिंह बसन, एमआईएस समन्वयक जिग्नेश वाडिया और तकनीकी सहायक अश्विन शियाल के रूप में हुई है। अमरेली ग्रामीण विकास एजेंसी के निदेशक ने ऑडिट रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए सितबंर 2022 में तालुका विकास अधिकारी को इसकी जांच करने का आदेश दिया। तीन महीने की जांच के बाद उन्होंने दिसंबर के पहले हफ्ते में निदेशक को एक रिपोर्ट सौंपी।

तीसरे पक्ष को किया गया भुगतान

जांच में सोनगरा ने पाया कि 2015-16 से 2018-19 तक कुल 3,30,26,548 करोड़ रुपये का भुगतान 28,688 लेनदेन के माध्यम से तीसरे पक्ष को किया गया था। पैसा 3,310 खातों में 36 गांवों के 4900 जॉब कार्ड धारकों को स्थानांतरित किया गया। आरोपियों पर धोखाधड़ी, आपराधिक उल्लंघन, जालसाजी और सामान्य इरादे से साजिश रचने का मामला दर्ज किया गया है।

भारतीय जवानों ने पाकिस्तान की साजिश का किया पर्दाफाश, सीमा पर दिया करारा जवाब

चंडीगढ़, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन मार गिराए जाने की खबरें सामने आती रहती हैं। सीमा पर मौजूद जवानों ने पाकिस्तान की साजिश को नकाब भी करते रहते हैं। यह पहली बार नहीं है कि पाकिस्तानी ड्रोन को सीमा पर मार गिराया गया है।।इससे पहले भी पाकिस्तान कभी हथियारों या ड्रग्स की खेप भेजने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करता है, लेकिन हर बार भारतीय सैनिक पाकिस्तान के ड्रोन को आसमान में ही उड़ा देते हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। बुधवार को सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि सैनिकों ने एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया है।

घटना कहां पर हुई है?

जानकारी के मुताबिक, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते पंजाब में घुसने वाले एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। इस संबंध में अधिकारी ने बताया कि ड्रोन पाकिस्तानी सीमा में जा गिरा। अधिकारी के मुताबिक, बीएसएफ जवानों ने मंगलवार रात 7.20 बजे एक पाकिस्तानी ड्रोन को 'मार गिराया', जिसके बाद पाकिस्तान रेंजर्स उसे अपने साथ ले गए। उन्होंने बताया कि घटना अमृतसर में दाओके पुलिस चौकी के पास हुई।

पाकिस्तानी सीमा में ही मार गिराया ड्रोन

बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि बुधवार सुबह जब तलाशी ली गई तो ड्रोन भारतीय सीमा चौकी भरोपाल के उस पार पाकिस्तान की सीमा में 20 मीटर अंदर गिरा पाया गया। प्रवक्ता के अनुसार, "ड्रोन रोधी उपाय किए जाने के बाद वह (ड्रोन) कुछ मिनटों तक आसमान में उड़ा और फिर लौटते समय जमीन पर गिर गया।

एमपी के टाइगर रिजर्व में ज्यादातर सीटें बुक

क्रिसमस-न्यू ईयर वैकेशन में रहेगी पर्यटकों की भीड़

भोपाल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। क्रिसमस और न्यू ईयर वैकेशन पर यदि आप घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह खबर आपके काम की हो सकती है। न्यू ईयर और क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए मध्यप्रदेश के सभी 6 टाइगर रिजर्व नेशनल पार्क तैयार हैं। पार्क के कोर जोन की ज्यादातर सीटें बुक हो चुकी हैं। एसटीआर (सतपुड़ा टाइगर रिजर्व), पेंच, पन्ना, कान्हा और बांधवगढ़ के कोर एरिया में नहीं घूम सकेंगे। हालांकि, बफर जोन की बात करें तो यहां घूमने का मौका मिल सकता है, क्योंकि 21 से 31 दिसंबर के बीच अभी भी कई सीटें खाली हैं।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व

पिपरिया, जामनी, मल्लूपुरा, पारसपानी, चूरना, मढ़ई और पानापानी गेट से एंट्री ले सकते हैं। इनमें कोर एरिया के चूरना, मढ़ई और पचमढ़ी गेट से एंट्री कर सकते हैं। 22, 23 और 24 दिसंबर में बफर जोन के कई स्लॉट खाली हैं। यहां आसानी से घूमा जा सकता है, लेकिन कोर एरिया में कम सीटें खाली हैं। फुल व्हीकल सफारी के लिए मड़ई गेट से एंट्री की सभी सीटें फुल हो चुकी हैं। वहीं, सिंगल सीट के तौर पर कुछ स्लॉट जरूर खाली हैं। अब बात करते हैं 27, 28, 29, 30 और 31 दिसंबर की। कोर जोन के मड़ई गेट को छोड़कर बाकी गेट पर एंट्री के स्लॉट खाली हैं। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 50 टाइगर हैं।

पेंच नेशनल पार्क

यहां 8 गेट के जरिए पार्क में एंट्री की जा सकती है। अब बात करते हैं बफर और कोर जोन की। 21 से 24 दिसंबर तक बफर जोन में तो कुछ सीटें खाली हैं, लेकिन कोर जोन में सभी सीटें बुक हो चुकी हैं। ऐसे में पार्क में घूमने के कोई चांस नहीं हैं। यदि टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी करके न्यू ईयर सेलिब्रेशन करना चाहते हैं, तो पेंच में यह मुमकिन नहीं हो सकेगा, क्योंकि 27 से 31 दिसंबर के बीच बफर जोन में तो कुछ सीटें खाली मिल जाएंगी, लेकिन कोर जोन में सब सीटें बुक हो गई हैं।

कान्हा टाइगर रिजर्व

यहां कापा, खातिया, पेन, सीरोजा, कान्हा, किसली, मुक्की और सरही गेट से एंट्री पा सकते हैं। कोर जोन के कान्हा, किसली, मुक्की और सरही गेट से एंट्री नहीं मिल सकेगी, क्योंकि फुल व्हीकल और सिंगल सीट की बुकिंग हो चुकी है। कान्हा में 118 टाइगर हैं। 21 से 31 दिसंबर के बीच यही स्थिति है। यानी यहां पर आप बफर जोन में तो घूम सकते हैं, लेकिन कोर जोन में कोई चांस नहीं है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व

बांधवगढ़ के कोर एरिया खिटाऊली, मागाधी और ताला गेट से एंट्री नहीं मिल सकेगी, क्योंकि 21 दिसंबर से 31 दिसंबर के बीच के सभी स्लॉट बुक हो चुके हैं। बफर जोन में घूमने के लिए कोई दिक्कत नहीं होगी, क्योंकि अभी भी ज्यादातर सीटें खाली हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 115 टाइगर हैं। फुल और सिंगल व्हीकल दोनों की यही स्थिति है।

संजय डुबरी टाइगर रिजर्व

इस नेशनल पार्क में आपको कोर और बफर दोनों ही जोन में घूमने का मौका मिल सकता है, क्योंकि यहां कई सीटें खाली हैं। कोर एरिया के डुबरी गेट से 22 से 24 दिसंबर के बीच 4 से 16 सीटें खाली हैं। 27 से 31 दिसंबर के बीच भी सीटें खाली हैं। ऐसे में लोग यहां पर घूमने जा सकते हैं। संजय डुबरी में 25 से अधिक बाघ हैं।

पन्ना टाइगर रिजर्व

यहां हिनोता और मंडला गेट कोर एरिया में आते हैं। क्रिसमस की छुट्टी मनाने का सोच रहे हैं, तो ज्यादा चांस नहीं है, क्योंकि 24 दिसंबर को सभी सीटें बुक हो चुकी हैं। 22 और 23 दिसंबर को हिनोता गेट से एंट्री के लिए कुछ सीटें खाली हैं। न्यू ईयर के चलते 28 से 31 दिसंबर के बीच कोर एरिया की सभी सीटें भर चुकी हैं। हालांकि, बफर जोन के अकोला और जिन्ना गेट से एंट्री पा सकते हैं। यहां पर अधिकांश सीटें खाली हैं। इसलिए ऑनलाइन बुकिंग की जा सकती है। पन्ना में 70 बाघ हैं।

युवती को शादी का झांसा देकर रेप:गणेश विसर्जन जुलूस में मुलाकात हुई, ईद के बहाने होटल में बुलाकर किया रेप

भोपाल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। हनुमानगंज इलाके में युवती के साथ होटल में रेप का मामला सामने आया है। युवती ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसे गणेश विसर्जन जुलूस में मिला था। इसके बाद वह उसे ईद की बधाई देने के बहाने होटल में बुलाकर रेप किया। विरोध करने पर शादी का झांसा देकर चुप करा दिया। करीब तीन साल तक शोषण करने के बाद अब शादी से मुकर गया। हनुमानगंज पुलिस के मुताबिक, शाहजहांनाबाद निवासी 25 वर्षीय युवती निजी काम करती है। उसने पुलिस को बताया कि काजी कैंप निवासी समीर कुरैशी से उसकी मुलाकात 2019 में गणेश विर्सजन चल समारोह के दौरान हुई थी। करोंद मंडी से समारोह गुजर रहा था, तभी समीर ने उसका पीछा किया। उसने मोबाइल नंबर ले लिया। कॉल पर संपर्क हुआ तब दोनों में हर रोज बातचीत होने लगी। इसी साल ईद के दिन आरोपी ने उसे मिलने के लिए बुलाया। ईद विश करने उससे मिलने चली गई। जालसाज उसे बाइक से एक होटल में लेकर पहुंचा। उसने युवती के साथ में होटल के कमरे में संबंध बनाए। विरोध करने पर वह शादी करने का वादा करता रहा। आरोपी तीन साल तक युवती के साथ अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर बलात्कार किया।

दिल्ली के साउथ एक्सटेंशन में रेस्टोरेंट में लगी आग दमकल कर्मियों ने पाया काबू, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के साउथ एक्सटेंशन में एक रेस्तरां में बुधवार दोपहर आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने कहा कि अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार उन्हें दोपहर 12 बजकर 45 मिनट पर साउथ एक्सटेंशन पार्ट-2 के माइक ड्रॉप रेस्तरां में आग लगने की सूचना मिली। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। कुल सात दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। सूत्रों के मुताबिक आग पर काबू पा लिया गया है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा- कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को अब बिना काम नहीं मिलेगा वेतन

जम्मू, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि प्रदेश प्रशासन को कश्मीर संभाग में कार्यरत कश्मीर पंडित एवं आरक्षित वर्ग कर्मचारियों को सुरक्षा की चिंता है। इसके लिए व्यापक कदम उठाए गए हैं। उन्हें 31 अगस्त तक वेतन दिया जा चुका है, लेकिन अब बिना काम के वेतन नहीं दिया जाएगा। उपराज्यपाल ने बुधवार को जम्मू के कन्वेंशन सेंटर में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। उपराज्यपाल ने कहा, 'मई में बदले हालातों के बाद कर्मचारियों के आग्रह पर उन्हें 31 अगस्त तक वेतन दिया जा चुका है। लेकिन अब वह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि घर बैठे किसी को भी वेतन नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों को वो कहना चाहते हैं कि पुंछ के कैडर को जम्मू में तैनात नहीं किया जा सकता है। इसी तरह कश्मीर संभाग के कर्मचारी को जम्मू संभाग में तैनात करने के लिए कोई नीति नहीं है। हालांकि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है। उनकी मांग हल करने की कोशिश की जाएगी।'

बहन ने कराई थी मुलाकात...1989 में हुई शादी

2 दशक पहले ही रश्मि ठाकरे ने देख लिया था उद्धव के सीएम बनने का सपना

मुंबई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और महाविकास अघाडी के नेता उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे इन दिनों चर्चा में हैं. वह एक के बाद एक कई सियासी आयोजनों में हिस्सा लेती दिख रही हैं. सियासत के जानकारों का कहना है कि रश्मि की सूबे की राजनीति में औपचारिक एंट्री की जमीन तैयार की जा रही है. यदि ऐसा है तो महाराष्ट्र की राजनीति में एक और ठाकरे की एंट्री होने वाली है. रश्मि से पहले ठाकरे कुनबे से बालासाहब ठाकरे, उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे, आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे सक्रिय हैं ही. अब रश्मि ठाकरे का नाम सामने है, ऐसे में आइए जानते हैं उनके बारे में.. रश्मि ठाकरे महाराष्ट्र में एक प्रमुख व्यवसायी रही हैं. उद्धव ठाकरे से उनकी शादी साल 1989 में हुई थी. वह मुंबई स्थित कंपनी कोमो स्टॉक्स एंड प्रॉपर्टीज एलएलपी की निदेशक रही हैं. उनके बड़े बेटे आदित्य ने भी यही जिम्मेदारी संभाली. बहरहाल, रश्मि के पति, बड़ा बेटा और ससुर सभी राजनेता हैं. उनके ससुर स्वर्गीय बाला साहेब ठाकरे थे, जो शिवसेना पार्टी के संस्थापक भी थे.

ऐसे उद्धव ठाकरे की जीवन संगिनी बनी थीं रश्मि

साल 1987 में रश्मि ने जीवन बीमा निगम में कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी के तौर पर काम करना शुरू किया था. कहा जाता है कि इसी नौकरी के दौरान रश्मि ठाकरे की दोस्ती राज ठाकरे की बहन जयजयवंती से हो गई. वहीं, राज ठाकरे उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई हैं. राज की बहन ने ही उद्धव की मुलाकात रश्मि से करवाई थी. इसी तरह दोनों की मुलाकात होने लगी. उसके बाद साल 1989 में उद्धव और रश्मि की शादी हुई.

चाहती थीं- 1999 में पति उद्धव बागडोर संभालें

रश्मि को अपने बेटे आदित्य ठाकरे की राजनीतिक पारी शुरू करने का श्रेय भी ही दिया जाता है. शिवसेना के कुछ नेता कहते हैं कि, रश्मि अपनी पार्टी से अच्छी तरह वाकिफ हैं और पार्टी के कई नेताओं के बीच और यहां तक कि बाहर भी उन्हें 'संगठनात्मक सूत्र' के रूप में देखा गया. यह भी कहा जाता है कि रश्मि ने ही बीजेपी-शिवसेना सरकार बनाने के मामले में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम के रूप में आदित्य के नाम पर जोर दिया था. एक बात यह भी है कि, साल 1999 में रश्मि ने चाहा था कि उद्धव मुख्यमंत्री बनें.

पति के साथ शुरू की थी 'चौरंग' एजेंसी

उद्धव से शादी के शुरुआती दो सालों तक रश्मि मातोश्री में नहीं रहीं. बल्कि उन शुरुआती सालों में, उद्धव ठाकरे ने 'चौरंग' नामक एक विज्ञापन एजेंसी शुरू की थी. कुछ सालों में यह खबरें आने लगीं कि 40 साल की उम्र में उद्धव को अपनी पत्नी से ही राजनीति में आने की प्रेरणा मिली. एक अंग्रेजी अखबार ने खबर छापी थी कि रश्मि चाहती थी कि अगर पार्टी सत्ता में लौटी तो उद्धव 1999 में राज्य की बागडोर संभालें.

..और फिर ख्वाहिश यूं हुई पूरी

पति उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री के रूप में देखने की रश्मि की ख्वाहिश 2019 में पूरी हुई. 29 नवंबर 2019 में शाम को 6.40 बजे उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. वह राज्य के 18वें मुख्यमंत्री बने. साथ ही वह ठाकरे परिवार से पहले सदस्य बने जो किसी संवैधानिक पद पर पहुंचे. तब से यह बातें होनी शुरू हो गईं कि उद्धव के मातोश्री से मंत्रालय तक के रास्ते में जितनी भूमिका शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के विधायकों की रही उससे कहीं ज्यादा उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे की रही. अब रश्मि ठाकरे के सियासत में उतरने की खबरें आ रही हैं. हालांकि, परिवार ने कभी यह बात नहीं कही है.

एमएलए मसूद बोले- शिशु मंदिरों के सिलेबस की जांच कराओ स्कूल शिक्षा मंत्री बोले- वो शासन के नियम से चल रहे

भोपाल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। मप्र में बीजेपी और कांग्रेस नेताओं के बीच मदरसों और सरस्वती शिशु मंदिरों पर जंग तेज हो गई है। गृहमंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने तीन दिन पहले प्रदेश में चल रहे मदरसों के सिलेबस की जांच कराने की बात कही तो कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद भड़क गए। मसूद ने सरस्वती शिशु मंदिरों की जांच कराने की मांग करते हुए गृहमंत्री पर धार्मिक ध्रुवीकरण करने का आरोप लगा दिया। मसूद के बयान पर स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने जवाब दिया है। स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने विधायक आरिफ मसूद के बयान पर कहा- सरस्वती शिशु मंदिर का सिलेबस शासन से मान्यता प्राप्त है। शासन ने पांचवीं-आठवीं बोर्ड की उन्होंने उसे मान्य कर लिया। सरस्वती शिशु मंदिर में कोई अलग सिलेबस नहीं चलता। सरस्वती शिशु मंदिर तो सरकार की योजना से संचालित हो रहे हैं। एक प्रकार के सरकार का सहयोग कर रहे हैं। उनकी जांच का विषय है ही नहीं, उनका सब रिकॉर्ड सरकार के पास है। पहले भी जांच हुई है आगे भी जांच होगी। हम ये चाहते हैं कि मदरसों का एक रिकॉर्ड बने, अवैध रूप से कोई मदरसे न चले। मदरसों का दुरुपयोग करके कोई देश विरोधी गतिविधि न चले। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरुप सिलेबस बनाने का काम चल रहा है।

मसूद बोले- शिशु मंदिरों की भी जांच कराओ, अकेले मदरसे क्यों टारगेट पर

मदरसों को लेकर गृहमंत्री ने जो बयान दिया है उसपर मुझे ऐतराज है बार-बार मदरसों को टारगेट करते हैं तो सरस्वती शिशु मंदिर को भी देखना चाहिए वहां संघ के द्वारा क्या पाठ्यक्रम चल रहा है। ये देश गांधी का है। पढ़ाई स्वतंत्र है, स्टूडेंट्स स्वतंत्र हैं किसी को बाध्य नहीं किया जा सकता जिस छात्र को जहां पढ़ना है वो वहां पढ़ने के लिए स्वतंत्र है। ध्रुवीकरण के लिए मदरसों को टारगेट किया जा रहा है।

गृहमंत्री के बयान से खफा हुए कांग्रेस विधायक

तीन दिन पहले गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कहा प्रदेश के कुछ मदरसों में आपत्तिजनक पढ़ाने का मामला संज्ञान में आया है। मैंने भी उसे देखा है। इस तरह की किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए मदरसों की पठन सामग्री को जिलों के कलेक्टर्स को निर्देश देकर संबंधित जिले के शिक्षा विभाग से उस स्टडी मटेरियल की स्क्रूटनी करा लें। ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पठन सामग्री आपत्तिजनक न हो। गृहमंत्री के इस बयान पर कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने नाराजगी जाहिर करते हुए शिशु मंदिरों की जांच कराने की मांग कर दी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 22 दिसंबर, 2022

शिवपाल की वापसी से करीब आने लगे पुराने संगी-साथी

अजय कुमार

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव काफी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। हाल फिलहाल तक जो अखिलेश किसी की नाराजगी की चिंता नहीं करते थे,अब वह अपना परिवार और 'कुनबा' बचाने के लिए जद्दोजहद करते नजर आ रहे हैं। सपा की खोई हुई ताकत हासिल करने के लिए रूठों को मनाया जा रहा है तो बिछड़ों को पार्टी में वापस बुलाया जा रहा है।लम्बे समय के बाद चचा शिवपाल यादव एक बार फिर भतीजे अखिलेश के खेवनहार बन गए हैं।उनका चचा के प्रति विश्वास जगा तो मैनपुरी लोकसभा और खतौली विधान सभा सीट सपा के खाते में आ गई। खतौली विधानसभा सीट पर 2022 में बीजेपी से विक्रम सिंह सैनी विधायक चुने गए थे,जिनकी मुजफ्फरनगर दंगों में सजा मिलने के बाद विधानसभा सदस्या रद्द हो गई थी। खतौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव में बीजेपी ने विक्रम सिंह सैनी के परिवार पर ही भरोसा जताया था और उनकी पत्नी राजकुमारी सैनी को मैदान में उतारा था। राजकुमारी सैनी का सामना सपा-रालोद गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया से हुआ था और उन्हें मदन भैया से करीब 23 हजार वोटों से हार का मुंह देखना पड़ा। अखिलेश यादव ने खतौली विधानसभा सीट राष्ट्रीय लोक दल को देकर एक बार फिर जयंत चौधरी पर भरोसा जताया था,जिस पर वह खरे उतरे। इसके बाद से सपा-रालोद गठबंधन के बीच का विश्वास बढ़ गया है।यह और बात है कि सपा नेता आजम खान के गढ़ रामपुर में सपा प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा। बात मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव की कि जाए तो सपा प्रत्याशी डिंपल यादव की जीत के बाद अखिलेश यादव 2024 के आम चुनाव को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। चचा शिवपाल के बीच दूरियां मिटने के बाद चचा के कहने पर अखिलेश यादव अब पार्टी के असंतुष्टों और पूर्व सहयोगियों को फिर से साथ लाने में लग गए हैं। ऐसे कयास भी लगाए जा रहे हैं कि सपा अगर उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनावों में ठीक-ठाक प्रदर्शन करती है तो साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले कुछ भाजपा विरोधी दल सपा के पीछे लामबंद हो सकते हैं। मैनपुरी उपचुनाव में डिंपल की जबरदस्त जीत के बाद बदायूं के पूर्व विधायक आबिद रजा जहां पार्टी में दोबारा शामिल हो गए, वहीं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा के प्रति अपने तेवर में नरमी के संकेत देते हुए कहा, "शिवपाल सिंह यादव पहल करेंगे तो हमारी सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से फिर से बातचीत हो सकती है।" बहरहाल,राजनीतिक विश्लेषकों को लगता है कि मैनपुरी उपचुनाव और यादव परिवार की एकजुटता ने भाजपा के समानांतर भविष्य तलाशने वालों की उम्मीद जगा दी है और अगर सपा ने निकाय चुनावों में ठीक-ठाक प्रदर्शन किया तो लोकसभा चुनावों के लिए छोटे दल फिर सपा के साथ आने को आतुर होंगे। इसके लिए सबसे पहले अखिलेश और शिवपाल की निकटता को निकाय चुनाव की कसौटी पर खरा उतरना होगा और इस चुनाव के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव की भी दिशा तय हो जाएगी। गौरतलब है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में सुभासपा, महान दल, अपना दल (कमेरावादी) और जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) जैसे छोटे दलों ने सपा नीत गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा था। अपना दल (कमेरावादी) को छोड़कर इनमें से बाकी सभी दलों ने विधानसभा चुनाव के बाद सपा से दूरी बना ली थी, लेकिन मैनपुरी में सपा की जीत के बाद इन दलों में एक बार फिर हलचल बढ़ गई है। मैनपुरी संसदीय सीट पर हुए उपचुनाव में डिंपल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य को 2.88 लाख से अधिक मतों से हराया। 2019 के लोकसभा चुनाव में मुलायम ने मैनपुरी से करीब 90 हजार मतों के अंतर से चुनाव जीता था। माना जा रहा है कि अखिलेश और शिवपाल के बीच मतभेद समाप्त होने और यादव परिवार की एकजुटता ने ही सपा के पक्ष में माहौल बनाया। राजनीतिक जानकार यही दावा कर रहे हैं कि अगर यादव परिवार की एकजुटता बनी रही तो लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सपा ही भाजपा के खिलाफ मुख्य मुकाबले में नजर आएगी। यही वजह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के सहयोगी रह चुके राजभर 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर सपा में संभावनाएं तलाशने में जुट गए हैं। इस सिलसिले में जब राजभर से बातचीत की गई तो उन्होंने दो टूक कहा, बात करने में क्या दिक्कत है। कोई खेत-मेड़ का झगड़ा तो है नहीं, राजनीति में कौन किसका दुश्मन है। अपनी बात को बल देने के लिए राजभर बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कश्मीर में भाजपा और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और उत्तर प्रदेश में 2019 में सपा और बसपा के बीच हुए गठबंधन का उदाहरण भी देते हैं। राजभर ने दावा किया है कि हम निकाय चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ेंगे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में किसी न किसी से गठबंधन जरूर करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या सपा के किसी नेता ने सुभासपा से हाथ मिलाने की पहल की है, उन्होंने कहा कि अभी किसी ने कोई पहल नहीं की है।इसी तरह से विधानसभा चुनाव के बाद हुए विधान परिषद चुनाव में टिकट न मिलने से जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के अध्यक्ष डॉ. संजय चौहान सपा से खफा हो गए थे, लेकिन अब वह फिर पार्टी के साथ आ गए हैं। 2019 में सपा के चिह्न पर चंदौली से लोकसभा चुनाव लड़ चुके डॉ. चौहान ने से बातचीत में स्वीकार किया, "विधान परिषद के चुनाव में मौका न मिलने से सपा से थोड़ी दूरी हो गई थी, लेकिन अब हम अखिलेश जी के साथ हैं और निकाय चुनाव में सपा का समर्थन करेंगे।" उधर, महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव देव मौर्य कहते है। कि हम लोग (छोटे दल) मुख्य खिलाड़ी नहीं हैं और मुख्य खिलाड़ी (बड़े दल) अभी पत्ते नहीं खोल रहे हैं। ऐसे में हम किसके साथ जाएंगे, इसे लेकर खूब तुक्केबाजी चल रही है।" अखिलेश के साथ दोबारा तालमेल बैठाने की संभावनाओं पर मौर्य ने कहा, "देखिए, अखिलेश यादव से ही नहीं, भाजपा से, कांग्रेस से, बसपा से, सभी से गठबंधन की संभावनाएं हैं। जब हम अपनी बदौलत एक भी सीट जीत नहीं सकते तो किसी न किसी का सहारा तो लेंगे ही। अब सहारा कौन देगा, यह उन पर (बड़े दलों पर) निर्भर करता है।"महान दल के नेता ने कहा, "पहल बड़े दलों को करनी है और अगर कोई हमें बुलाता ही नहीं है तो हम गठबंधन के लिए तैयार होकर भी क्या करेंगे।" उन्होंने संकेत दिया कि वह मौके का इंतजार कर रहे हैं। इस बारे में पूछे जाने पर सपा के राष्ट्रीय सचिव और मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा, "सपा ही भाजपा की एकमात्र विकल्प है। अखिलेश जी सक्षम हैं। लोगों को यह अच्छी तरह से मालूम है।" उन्होंने उम्मीद जताई कि देर से ही सही, लेकिन बहुत से लोग सपा में आएंगे। हालांकि, जब ओमप्रकाश राजभर से गठबंधन की संभावनाओं के बारे में पूछा गया तो चौधरी ने कहा कि उनके बारे में अखिलेश जी ही तय करेंगे।

खैर, सभी दलों की निकाय चुनाव पर नजर है तो सियासी गलियारों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि राजभर जैसे छोटे दलों के नेता निकाय चुनाव में सपा की स्थिति का आकलन करेंगे और परिणाम के हिसाब से ही 2024 के चुनाव के लिए अपनी दिशा तय करेंगे। गौरतलब हो कि उत्तर प्रदेश में नगर निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी होने की संभावना है,लेकिन निकाय चुनाव में सीटों के आरक्षण का के खिलाफ कुछ लोग हाईकोर्ट हैं,जिस कारण अधिसूचना जारी नहीं हो पा रही है। राज्य में 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतों में महापौर, अध्यक्ष और सभासदों के चयन के लिए मतदान होना है।

तवांग पर राजनीतिक खींचातानी

अरुणाचल प्रदेश का तवांग जिला तिब्बत की सीमा से सटा हुआ है। यहीं से गुजर रही वास्तविक नियंत्रण रेखा पर नौ दिसंबर को चीनी सैनिकों ने जब घुसपैठ की कोशिश की तो भारतीय सैनिकों ने उनकी मरम्मत कर उन्हें भागने को मजबूर कर दिया। अफसोसजनक है कि अपने जांबाजों का उत्साह बढ़ाने की बजाय राजनीतिक दल इस पर भी राजनीतिक लाभ-हानि तलाश रहे हैं। संसद की महत्वपूर्ण शीतकालीन सत्र बगैर किसी बहस के ही नेताओं के अडियल रवैये की भेंट चढ़ रहा है। इसे लेकर संसद में लगातार गतिरोध बना हुआ है। विपक्ष इस पर जहां चर्चा की मांग कर रहा है, वहीं सत्तापक्ष इससे किनारा करता दिख रहा है। सरकार का कहना है कि घटना के प्रकाश में आने पर रक्षामंत्री ने संसद में पक्ष रख दिया था, इसके बाद भी विपक्षी दल असंतुष्ट है तो सरकार क्या कर सकती है? विपक्षी जानना चाहते हैं कि चीन की घुसपैठ की सूचना छिपाए रखने में सरकार की क्या दिलचस्पी थी। इसके अलावा सरकार यह भी बताए कि चीन को लेकर उसने क्या रणनीति बनाई है। इस आग में घी का काम किया राहुल गांधी की राजस्थान में हुई प्रेसवार्ता ने। जिसमें उन्होंने कह दिया कि सीमा पर चीनी सैनिक भारतीय सैनिकों की 'पिटाई' कर रहे हैं। इसे लेकर अब सत्तापक्ष हमलावर है कि इस तरह के बयानों से सेना का अपमान होता है, साथ ही उसका मनोबल भी गिरता है। राहुल गांधी को इस तरह के बयान के जरिए अपनी राजनीति नहीं चमकाना चाहिए। इस तरह संसद में अब हंगामे का केंद्र बिंदु चीन की घुसपैठ से खिसक कर सेना के मान और अपमान के अलावा मनोबल पर पहुंच गया है। यानी समय बीतने के साथ ही दोनों ने सेना को अपनी राजनीतिक लाभ उठाने का जरिया बना लिया है। देखा जाए तो यह पहली बार नहीं हो रहा है, जब सेना को राजनीति में घसीटने का प्रयास किया जा रहा है। मुद्दा सेना के साहस और मनोबल का नहीं है। असल विषय है चीन की घुसपैठ का। वाकई में यह जांबाजी की बात है कि भारतीय सैनिकों ने चीनी सैनिकों को मार भगाया जिससे उसकी रणनीति पर पानी फिर गया। फिर भी यह सवाल तो अब भी खडा है कि आखिर चीन ने यह हिमाकत करने की हिम्मत कैसे की? इस बात पर भी गंभीरता से रणनीति बनाने की जरूरत है कि चीन की तरफ से बार-बार हो रही ऐसी हरकतों पर कैसे विराम लगाया जाए। कुछ समय पहले तक उसने लद्दाख क्षेत्र में भी लंबे समय तक तनाव की स्थिति बनाए रखी। ऐसे मामलों में अब तक परंपरा रही है कि सत्तापक्ष सभी दलों के साथ मिल-बैठ कर चर्चा करता और फिर देश को विश्वास में लेकर कोई व्यावहारिक कदम उठाता। लेकिन सरकार ने इस तकाजे को समझना तो दूर, एक तरह से इस पर परदा डालने का ही प्रयास किया है। सरकार के इस कदम से विपक्षी दलों को इसका राजनीतिक लाभ लेने का मौका मिल गया है। किसी देश के सुरक्षाबलों का सीमा के भीतर घुस आना और हमारे सुरक्षाबलों से गुत्थमगुत्था हो जाना निस्संदेह संवेदनशील मामला है, इसे ढंकना-छिपाना या इस पर चुप्पी साधे रखना किसी भी रूप में सवालों से परे नहीं माना जा सकता। हैरानी की बात है कि सैन्य रणनीति से जुड़े इस संवेदनशील मामले को सत्तापक्ष और विपक्ष राजनीतिक लाभ लेने पर तुले हुए हैं। बता दें कि प्रतिरक्षा से जुड़े फैसले गोपनीय रखे जाते हैं, उसकी रणनीतियां इस तरह राजनीति के केंद्र में नहीं लाई जातीं। इससे सतर्क हो कर दुश्मन देश को अपनी रणनीति बनाने में मदद मिलती है। पिछले कई सालों से देखा जा रहा है कि सेना की गतिविधियों को राजनीतिक मंचों से मुद्दा बना दिया जाता है। यहां तक कि चुनाव में भी उन्हें भुनाने की कोशिश की जाती है। इस तरह सेना के मनोबल पर तो प्रतिकूल असर पड़ेगा ही, साथ ही चीन भी इस सुनहरे मौके को लपकने में देर नहीं करेगा।

जलवायु नुकसान की भरपाई

इस कोष के संचालन से जुड़े महत्त्वपूर्ण कई मुद्दे बेहद विवादास्पद हैं। इनमें कोष में भुगतान कौन करेगा, कौन इसका लाभ उठा पाएगा और इसे कैसे प्रबंधित किया जाएगा, जैसे प्रश्न शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी हानि और क्षति के संबंध में विकासशील देशों की आवाज इस साल मिस्र में अधिक प्रमुखता से उठाई गई। पिछले वर्ष वार्ता के अंतिम दिनों में धनी देशों ने इस तरह के प्रस्तावों को खारिज कर दिया था। चीन, यूरोपीय संघ और कुछ अन्य विकसित देश पहली बार जलवायु हानि और क्षति कोष के समर्थन में सामने आए।

इस तरह अमेरिका ने अपनी लंबे समय से चली आ रही विरोध-नीति को पलट दिया। हानि और क्षति पर सीओपी-27 समझौता महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है, लेकिन बैठक में कई अन्य जरूरी मुद्दों पर बात नहीं हुई। इस बैठक में कमजोर और विकासशील देशों की चिंताओं को दूर करने की कोशिश तो की गई, मगर स्वच्छ ऊर्जा की ओर आवश्यक सहयोग या धन जुटाने के लिए कोई प्रारूप प्रदान नहीं किया गया।

नया नुकसान और क्षति कोष पेरिस समझौते (2015) के तहत, जिम्मेदारी के न्यायसंगत बंटवारे की दिशा में पहला सैद्धांतिक कदम है। भविष्य में यह कैसे विकसित होगा, कहना मुश्किल है। इतना तो तय है कि जलवायु नुकसान और क्षति का मुद्दा विवादास्पद रहने वाला है, जाहिर है, आने वाले समय में कुछ देश इस संकल्प से पीछे हट जाएंगे।

पेरिस समझौते की प्रतिबद्धताओं में 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को तैंतीस से पैंतीस फीसद तक कम करना शामिल था। विवाद इस बात को लेकर था कि जलवायु परिवर्तन से जुड़े 'नुकसान और क्षति' के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार, यानी वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करने वाले देश कौन हैं, और इन्हें विकासशील देशों को कैसे भुगतान करना चाहिए, जिससे क्षतिपूर्ति की जा सके। यह तो सबको पता है कि इस वक्त संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और अन्य बड़े धनी देश जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार गैसों का सबसे ज्यादा उत्सर्जन करते हैं।

सीओपी-27 में चीन की घोषित स्थिति यह है कि वह नुकसान और क्षति कोष का समर्थन तो करता है, लेकिन एक विकासशील देश के रूप में वह कोष में किसी भी योगदान के लिए तैयार नहीं है। सीओपी-27 में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी बहुत सारी बहसें और घटनाक्रम हमारे सामूहिक और सतत विकास के मायने तय करेंगे, लेकिन जो बाइडेन और शी जिनपिंग का एक साथ मिलना और नुकसान और क्षति कोष की स्थापना इस बैठक की एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।

दुनिया की कुल आबादी का सत्रह फीसद होने के बावजूद, भारत वैश्विक उत्सर्जन का लगभग सात फीसद उत्सर्जन करता है। 2019 के आंकड़ों के अनुसार चीन ग्रीन हाउस गैसों का सत्ताईस फीसद उत्सर्जन करता है, उसके बाद अमेरिका ग्यारह फीसद और फिर भारत 6.6 फीसद करता है। भारत हर साल लगभग तीन गीगाटन कार्बन डाइआक्साइड का उत्सर्जन करता है, इसमें प्रति व्यक्ति योगदान लगभग ढाई टन के बराबर है। यह दुनिया के प्रति व्यक्ति औसत का आधा है। यूएनईपी का अनुमान है कि 2030 तक यह तीन और चार टन के बीच होगा। भारत में कार्बन उत्सर्जन चीन की तुलना में बहुत कम है, लेकिन बहुत तेजी से बढ़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित देशों की सूची में भारत चौथे स्थान पर है। 1901 और 2018 के बीच भारत में औसत तापमान करीब 0.7 सेंटीग्रेड तक बढ़ गया है। देखने में यह बहुत कम लगता है, लेकिन प्रकृति के लिए यह बहुत ज्यादा है। ऐसा बदलाव प्रकृति की मुश्किल बढ़ा सकता है। कुछ अनुमानों के अनुसार, वर्तमान सदी के अंत तक भारत में सूखे की गंभीरता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। 2022 में उत्तर भारत में जो गर्मी की लहर आई थी, उसकी तीव्रता जलवायु परिवर्तन के कारण तीस गुना अधिक थी।

सितंबर-2021 तक भारत अपनी बिजली का 39.8 फीसद अक्षय ऊर्जा स्रोतों से और 60.2 फीसद बिजली जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न करता रहा है, जिसमें से इक्यावन फीसद कोयले से उत्पन्न होता है। भारत में कोयले के खनन के साथ-साथ, कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों में जलाने के लिए कोयले का आयात भी होता है। नए संयंत्रों के बनने की संभावना नहीं है, पुराने संयंत्रों को बंद किया जा सकता है और बाकी बचे संयंत्रों में अधिक से अधिक कोयला जलाया जा सकता है।

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती से भारत में वायु प्रदूषण तो कम होगा ही, कटौती लागत से चार से पांच गुना ज्यादा स्वास्थ्य लाभ होगा, जो दुनिया में सबसे अधिक सस्ता होगा।

पिछले साल के सीओपी में कोयले को धीरे-धीरे कम करने का संकल्प लिया गया था और इस साल भारत ने सभी देशों को चुनौती दी है कि वे सभी जीवाश्म ईंधनों को चरणबद्ध तरीके से कम करने के लिए प्रतिबद्ध हों। हालांकि, सीओपी का अंतिम बयान केवल एक विविध ऊर्जा-मिश्रण की मांग करता है।

समझौते में ऐसा कुछ भी नहीं था, जिससे उत्सर्जन में कटौती पर अधिक कार्रवाई की जा सके या जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए अधिक वित्तीय या तकनीकी संसाधन जुटाए जा सकें। उत्सर्जन में कटौती पर कुछ मजबूत प्रावधानों को लागू करने के प्रयासों को सभी पक्षों की सहमति नहीं मिली। सभी जीवाश्म ईंधनों को चरणबद्ध रूप से बंद करने का प्रस्ताव, मूल रूप से भारत द्वारा आगे रखा गया था। इसे बड़ी संख्या में देशों का समर्थन भी हासिल हुआ, पर इसे अंतिम समझौते में शामिल नहीं किया गया।

जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए वित्तीय प्रवाह बढ़ाने पर प्रतिबद्धता की कमी सबसे बड़ी चुनौती रही है। शुद्ध-शून्य या नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य तक पहुंचने के लिए 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के रूप में हर साल लगभग चार खरब डालर की आवश्यकता होगी। निम्न-कार्बन विकास पथ में वैश्विक परिवर्तन के लिए हर साल कम से कम चार से छह खरब डालर की आवश्यकता पड़ेगी। विकासशील देशों को ही जलवायु कार्य योजनाओं को पूरा करने के लिए 2030 से पहले लगभग 5.6 खरब डालर की आवश्यकता है। विकसित देशों ने अभी तक प्रति वर्ष सौ अरब डालर की अपेक्षाकृत छोटी राशि देने का अपना वादा भी पूरा नहीं किया है।

यह समझौता अक्षय ऊर्जा और हरित परियोजनाओं में अधिक से अधिक निवेश जुटाने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजार को बदलने की बात करता है। यह सुनिश्चित करता कि जलवायु कोष सभी के लिए, विशेष रूप से छोटे और कमजोर देशों को आसानी से सुलभ हो। हालांकि अभी इस पर और भी काम करने की जरूरत है।

बीजिंग, शंघाई में करोना विस्फोट

संजीव ठाकुर

चीन के युवान शहर में अक्टूबर 2019 को करोना नामक वायरस का विस्फोट हुआ था जो बाद में पूरे विश्व में फैल कर करोड़ों लोगों की मौत का कारण बना। अक्टूबर 2019 के 3 महीने बाद चीन में लॉक डाउन लगाया गया तब जाकर दुनिया को पता लगा की चीन से ही पूरी दुनिया में करोना नामक भयानक संक्रमण फैला है जो पूरी दुनिया में धीरे धीरे फैल गया, जिसने पूरी दुनिया में मौत का तांडव मचाया था ।अब करोना विस्फोट के मामले में युवान की जगह बीजिंग ले ली है। वहां अब रोज नागरिकों की मौतों का सिलसिला जारी है अस्पताल तथा कब्र गांवों में जगह के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। चीन में सेंसरशिप लागू होने के कारण वहां की सही और सटीक खबरें पूरी दुनिया में नहीं आ पाती हैं पर यह तो तय है कि फिर करोना का नया वैरीअंट ओमीक्रोन बीएफ ,7 अस्तित्व में आ चुका है और यह पुराने वैरीअंट से ज्यादा खतरनाक है जो 2 घंटे में लगभग दुगने लोगों को संक्रमित करने की क्षमता रखता है। वर्तमान में करोना का खतरा चीन के साथ अन्य 10 देशों में जिनमें प्रमुख रूप से जापान, इटली, ब्राजील, मलेशिया, इंडोनेशिया, जर्मनी,फ्रांस, अमेरिका ,मेक्सिको एवं अन्य देशों में प्रसारित हो गया है। चीन की नई गलत शून्य कोविड-19 नीति में छूट देने के कारण पूरे चीन में बीजिंग ,शंघाई सहित करोना के मामले तेजी से बढ़ गए हैं। चीन में हालात ऐसे हैं की इम्युनिटी बढ़ाने के लिए आम जनमानस को नींबू और विटामिन सी वाले फलों को कालाबाजारी से खरीदने पड़ रहे है चीन में नींबू तथा संतरों की जमाखोरी तथा कालाबाजारी जमकर होने लगी है। इसी तरह कोविड-19 से संदर्भित दवाइयों की भी कालाबाजारी चरम सीमा पर शुरू हो गई है।बीजिंग में रोज मौत के आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं और श्मशान घाट में शवों को दफनाने के लिए कतारें लगानी पड़ रही है। चीन के महामारी विशेषज्ञ डॉ जुंयो के अनुसार कॅरोना की इन लहरों के आने की आशंका है। पहली लहर चीन में फैल चुकी है और दूसरी लहर के जनवरी 23 के अंत में आने की संभावना है और इसी तरह तीसरी लहर भी फरवरी के अंत में आ सकती है। अमेरिका की एक प्रतिष्ठित मेडिकल संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार चीन में आगामी 3 लहरों में 10 लाख लोगों की मौत हो सकती है। कोविड-19 के मामलों में चीन के बीजिंग तथा शंघाई शहर अब खतरनाक श्रेणी में आ चुके हैं कोविड-19 नीति में छूट देने के बाद करोना के नए मामलों में विस्फोट हुआ है चिंता की बात यह है कि चीन में बुनियादी मेडिकल सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है खासकर बुजुर्ग तथा बच्चों के मामले में वहां संपूर्ण जनसंख्या का टीकाकरण भी नहीं हुआ है और दूसरी बात यह है कि उनकी वैक्सीन भी मानक स्तर से कमतर होने की वजह से प्रभावी भी नहीं हो पा रही है जिससे करोना का पर्याप्त इलाज नहीं किया जा सकता है। चीनी सोशल मीडिया की एजेंसी वीचैट के अनुसार शंघाई में स्कूलों में ऑनलाइन कक्षा संचालित करने के कड़े आदेश दे दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि बीजिंग तथा शंघाई में अस्पतालों में बिस्तर की मारामारी हो रही है और कब्रिस्तान के बाहर लंबी शवों की कतारों वाली गाड़ियां मिलो दूर तक दिखाई दे रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन की स्थिति को देखते हुए अपनी मीटिंग आहूत कर हाई अलर्ट रहने की चेतावनी दे दी है। चीन भारत का एक निकटतम पड़ोसी देश है इसीलिए भारत को अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होगी,राहत की बात यह है कि भारत में अब तक कुल 2.20 करोड़ टीकाकरण किया जा चुका है और लगभग पहला टीकाकरण 102 करोड़ लोगों को किया गया जो कि 16 से 22 जनवरी 2021 में किया दूसरा टीकाकरण 1 सितंबर से 17 सितंबर 2021 को लगभग 95 करोड लोगों को किया गया लेकिन चिंता की बात वर्तमान में यह है की 16 दिसंबर 2022 को केवल 3 लाख लोगों ने वैक्सीनेशन कराया है भारत में वैक्सीनेशन की रफ्तार बहुत धीमी हो गई है, यह एक बड़ी चिंता का कारण भी हो सकता है। पर भारत चूंकि शत प्रतिशत वैक्सीनेशन की बात करता है जिसके फल स्वरूप भारतीय जनमानस की रोगों से लड़ने की क्षमता पर्याप्त मानी जा रही है। इसके अलावा भारतीय वैक्सीन की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्तरीय मानी गई है एवं इन टीकों का विदेशों में भी इस्तेमाल हुआ है तथा भारत के लिए खतरा थोड़ा कम हो सकता है, पर चीन पहले से ही कोविड-19 के मामले में खतरनाक देश साबित हो चुका है अतः दूसरी बार उसकी बताई जानकारी पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। ऐसी परिस्थितियों में पूरे विश्व को कॅरोना की आगामी लहर से बचने हेतु सावधान रहना चाहिए।

और काटो जंगल !

इन दिनों कतर के हरे-भरे मैदानों में फीफा कप चल रहा है। इसका एक-एक मैदान 7,140 मीटर का है। क्या आप जानते हैं कि पिछले साल धरती से हर मिनट दस फुटबॉल के मैदान जितने जंगल खत्म होते रहे? पिछले साल जिस तरह से धरती पर 37.5 लाख हेक्टेयर जंगलों का नुकसान हुआ है, नतीजा हम सभी भुगत रहे हैं। बहरहाल, यूरोपियन यूनियन ने इसे अब और आगे न होने देने का फैसला किया है। पिछले हफ्ते यूरोपियन यूनियन के देश इस बात पर राजी हो गए कि अब वे ऐसे सामान नहीं खरीदेंगे, जिनके लिए जंगलों को काटा जाता है। कारोबारी हों या कंपनियां, अब यूरोपियन यूनियन में अपना सामान बेचने से पहले सबको यह सबूत देना होगा कि उनके उत्पादन में जंगलों को एक इंच भी नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। चीन के बाद दुनिया में यूरोपियन यूनियन ही दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा कृषि उपज खरीदती है।

नए कानून के लागू होने के बाद रबर, कॉफी, कोको, फर्नीचर, जानवर और पाम ऑयल बेचने से पहले व्यापारियों को सबूत देने होंगे कि उन्होंने जंगल को नुकसान नहीं पहुंचाया है। दिसंबर 2020 तक जहां जंगल था, अगर वे चीजें वहां उगाई गई होंगी तो वह इटली तो क्या, लिथुआनिया में भी नहीं बिक पाएंगी। कंपनियों को यह भी दिखाना होगा कि प्रोडक्शन में उन्होंने स्थानीय लोगों के अधिकारों का पूरा सम्मान किया है। इस कानून के उल्लंघन पर कुल टर्नओवर के चार फीसदी तक जुर्माना लग सकता है। पर्यावरण बचाने से जुड़े लोगों ने इस कानून को ऐतिहासिक बताया है तो इंडोनेशिया, ब्राजील और कोलंबिया जैसे देश इसके विरोध में हैं। उनका कहना है कि नए नियम खर्च तो बढ़ाएंगे ही, फ्री ट्रेड व्यवस्था में भी बाधा खड़ी करेंगे। दरअसल, इन देशों में उष्ण कटिबंधीय वन हैं, यानी वर्षा वन। पाम ऑयल के लिए इन लोगों ने उन्हें नेस्तनाबूद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है बल्कि फुटबॉल के मैदान वाली बात इन्हीं देशों पर ज्यादा लागू होती है। पाम ऑयल एक्सपोर्ट करने में इंडोनेशिया दुनिया भर में नंबर वन है तो कोलंबिया नंबर चार पर।

वैसे नए नियमों की मुसीबत भारत पर भी पड़ सकती है। दुनिया भर में अमेरिका के बाद यूरोपियन यूनियन ही भारत की सबसे बड़ी ट्रेडिंग पार्टनर है। बल्कि साल 2021-22 में उससे होने वाला द्विपक्षीय व्यापार 43.5 फीसदी बढ़कर 116.36 बिलियन डॉलर पर जा पहुंचा है। स्टैटिस्टा के मुताबिक ब्राजील की तरह भारत इस साल भी दुनिया के टॉप फाइव बीफ निर्यातक देशों में बना हुआ है। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के मुताबिक 2021 में भारत ने अपने 1.31 लाख हेक्टेयर जंगल काट डाले हैं। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा खेती का ही है, दूसरे नंबर पर सड़क है और तीसरे पर है शहरीकरण। अब भले इंग्लैंड से लेकर यूरोप के कई देशों से भारत की फ्री ट्रेड की बात चल रही हो, या समझौते हो चुके हों, जंगल काटने की कीमत अब भारत को भी चुकानी ही होगी।

फायदे आदम-हव्वा बनने के

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

चौंकिए नहीं साहब। केवल समय का ध्यान रखिए। निर्वस्त्र होने के फायदे जब पता चलेंगे, तब आप दाँतों तले अंगुली दबा लेंगे। बदन पर कम कपड़े पहनने वाले लबादे की तरह सिर से पैर तक कपड़े पहनने वालों से बहुत हल्का महसूस करते हैं। हल्के लोग बड़ी बातें जल्दी समझ जाते हैं। वे इतने समझदार होते हैं कि सर्दी के दिनों में भी निर्वस्त्र रहकर दुनिया को आदम-हव्वा बनने के लाभ गिनाने से नहीं चूकते। वह वस्त्र खरीदने, सिलाने, डिजाइन करवाने, इस्तरी करने-कराने, गंदा हो जाने पर ड्राइ क्लिनिंग कराने की फजीहत से न केवल बचता है बल्कि देश की इकोनॉमी में बूँद-बूँद की तरह अपना योगदान देता है। निर्वस्त्र को निर्लज्ज कहना हमारी निर्लज्जता है। वे तो इस युग जीते-जागते महापुरुष हैं जो स्वयंभू आदर्शवानों की तरह हमें यह उपदेश देते हुए कहते रहते हैं कि भगवान की दी हुई सुंदरता को व्यर्थ के लबादे में छिपाए रखने से परमानंद की अनुभूति नहीं हो सकती। यह लबादा भगवान और शरीर के बीच अड़चन पैदा करता है। निर्वस्त्रता गरीबी मिटाने का सबसे बड़ा उपाय है। महात्मा गांधी आजीवन अधनंगी धोती पर जीते रहे। वे आज भी कइयों के आदर्श हैं। जब तक देश कपड़ा नहीं पहनेगा तब तक मैं कपड़े नहीं पहनूँगा जैसे विचार रखने वाले गांधी जी को आजकल की पठान बाला दीपिका यह बताने का प्रयास करती है – स्वतंत्र भारत के स्वप्नद्रष्टा आप जिस देश की कल्पना में अपना सब कुछ स्वाहा कर दिया हम उसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए कई कदम आगे बढ़कर सोच रहे हैं। मेरी जैसी सुंदर बाला के कपड़े न पहनने से दर्शक सिनेमाघर में देखने के लिए दौड़े-दौड़े आयेंगे। उनके देखने से फिल्म को लाभ होगा। इस फिल्म को बनाने में न जाने कितने गरीब कर्मचारियों का योगदान है जिनका घर फिल्म के हिट होने या फट होने से प्रभावित होता है। मैं चाहती हूँ कि मेरी निर्वस्त्रता इन सबके घर चलाने का सबसे बड़ा उपाय बने। आदम और हव्वा जीवन भर निर्वस्त्र रहे। हम उनके वंशज हैं। उन्होंने हमें सिखाया कि मन का नंगापन शरीर के नंगेपन पर हमेशा भारी पड़ता है। हो सके तो मन को कपड़े पहनाओ। शरीर का नंगापन अपने आप समाप्त हो जाएगा। यहाँ लोग शरीर को कपड़ा पहनाकर मन को नंगा छोड़ देते हैं। परिणाम यह होता है कि समाचार पत्र के पहले पन्ने से लेकर अंतिम पन्ने तक, टीवी चैनलों पर अलग-अलग भाषाओं में, सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मों पर बलात्कार धुआँधार कवरेज देखते रहते हैं।

दक्षिण में क्यों पूजे जाते हैं अश्व-मुख वाले देवता?

पुराणशास्त्र में तुम्बुरु नामक एक और अश्व के सिर वाला जीव है, जो गंधर्व और संगीतकार है। उसे अक्सर विष्णु और नारद के निकट खड़ा दिखाया जाता है। उसमें और नारद में विश्व के सर्वश्रेष्ठ संगीतकार के पद के लिए अक्सर स्पर्धा होती।

हयग्रीव का अर्थ है वह जिसका सिर अश्व का है। कहते हैं कि एक बार ऐसे ही एक जीव ने वेद चुरा लिए और फिर वह समुद्र के नीचे जाकर छिप गया। इस कारण विष्णु को मछली का रूप लेकर उसे ढूंढ़कर नष्ट करना पड़ा।

दूसरी कहानी के अनुसार इस दानव को वरदान मिला था कि उसे अश्व के सिर वाला दूसरा जीव ही मार सकता था। इसलिए विष्णु इस जीव के साथ भीषण लड़ाई के बावजूद उसका वध नहीं कर सके और थककर विश्राम करने अपने निवासस्थान वैकुंठ लौट गए। अपनी ठुड्डी को अपने धनुष की एक ओर रखकर वे दानव के वध करने की योजना बनाने लगे। देवताओं ने विष्णु को नींद से जगकर हयग्रीव से फिर से लड़ने का अनुरोध किया। लेकिन चिंतन में तल्लीन विष्णु की आंखें बंद ही रहीं। इसलिए देवताओं ने दीमकों का रूप धारण कर प्रत्यंचा को खा लिया। तंग प्रत्यंचा के टूटते ही धनुष का डंडा तुरंत सीधा हो गया। प्रत्यंचा इतने बल से घूमी कि वह विष्णु की गर्दन को लगकर उसे चीर गई।

इससे भयभीत होकर देवता विष्णु की सहचरी लक्ष्मी से मदद मांगने गए। देवी ने उन्हें शांत करते हुए समझाया कि जो कुछ भी होता है, वह किसी उद्देश्य से ही होता है। उन्होंने देवताओं को अश्व का सिर काटकर उसे विष्णु की कटी हुई गरदन पर रखने के लिए कहा। ऐसा करने पर विष्णु ने अश्व के सिर वाले हयग्रीव के रूप में अश्व के सिर वाले दानव को हराया और वेदों को सुरक्षित कर लिया।

विष्णु का यह रूप दक्षिण भारत में कई जगहों पर पूजा जाता है। इस रूप में वे शंख, चक्र, जपमाला और पुस्तक धारण किए हुए होते हैं। यह मान्यता है कि ज्ञान और शिक्षा से जुड़े इस रूप में विष्णु ने ज्ञान की देवी सरस्वती के साथ अपना सभी ज्ञान बांटा।

हयग्रीव को ज्ञान के स्रोत के रूप में पूजा जाता है। वे सूर्य के साथ भी जुड़े हैं। कहते हैं कि सूर्य ने अश्व के सिर वाले जीव का रूप लेकर याज्ञवल्क्य को वेदों का रहस्य बताया। यह धारणा कि अश्व के सिर वाला जीव अपना ज्ञान बांट रहा है, हिंदू पुराणशास्त्र में दोहराई गई है। अक्सर हयग्रीव की छवि लक्ष्मी के साथ जोड़ी जाती है और फिर उन्हें लक्ष्मी हयग्रीव कहते हैं। कहते हैं कि उडुपी (कर्नाटक) के श्रीकृष्ण मठ में वदिराजतीर्थ नामक महाभक्त हयग्रीव की प्रशंसा में मंत्र जपता था और अपने सिर पर जई का प्रसाद रखता था। हयग्रीव एक सुंदर श्वेत अश्व का रूप लेते और पीछे से आकर जई खा जाते।

एक और कहानी दधीचि ऋषि की है जिन्होंने जुड़वां अश्विनों के साथ वैदिक विद्या बांटी। इंद्र ने ऋषि को विद्या बांटने से मना किया था और उन्हें चेतावनी दी थी कि यदि वे ऐसा करेंगे तो उनका सिर हज़ार टुकड़ों में फट जाएगा। जब जुड़वां अश्विन वेदों का रहस्य जानने के लिए उत्सुक होकर पहली बार दधीचि से मिले तब ऋषि ने उन्हें इस शाप के बारे में बताया। जुड़वां अश्विनों ने इसका हल निकाला - उन्होंने दधीचि का सिर काटकर उसकी जगह अश्व का सिर लगा दिया। अश्व के सिर से दधीचि ऋषि ने उन्हें वैदिक विद्या दी। रहस्योद्घाटन समाप्त होते ही अश्व के सिर के हज़ार टुकड़े हुए और इंद्र का शाप पूरा हुआ। फिर अश्विनों ने ऋषि का सिर उनके शरीर से जोड़ दिया और दधीचि ऋषि फिर से जीवित हो गए। इस प्रकार वैदिक विद्या फैली, इंद्र का शाप पूरा हुआ और सिवाय एक अश्व के किसी को नुकसान नहीं हुआ।

कई मूर्तियों में जुड़वां अश्विनों के सिरों पर अश्वों के सिर होते हैं। कहते है कि सूर्य-देव की पत्नी को उनकी रोशनी इतनी तेज लगी कि वे उनसे भागकर एक घोड़ी के रूप में छिप गई। इसलिए सूर्य-देव ने अश्व का रूप धारण करके उनके साथ संबंध बनाए। इस प्रकार, अश्व और सूर्य के बीच गहरा नाता है। यह मान्यता है कि सूर्य-देव का बेटा 'रेवंत' श्वेत अश्व पर सवार होता है और शिकारियों का देवता है।

कैसे हुआ मां वैष्णो देवी का प्राकट्य?

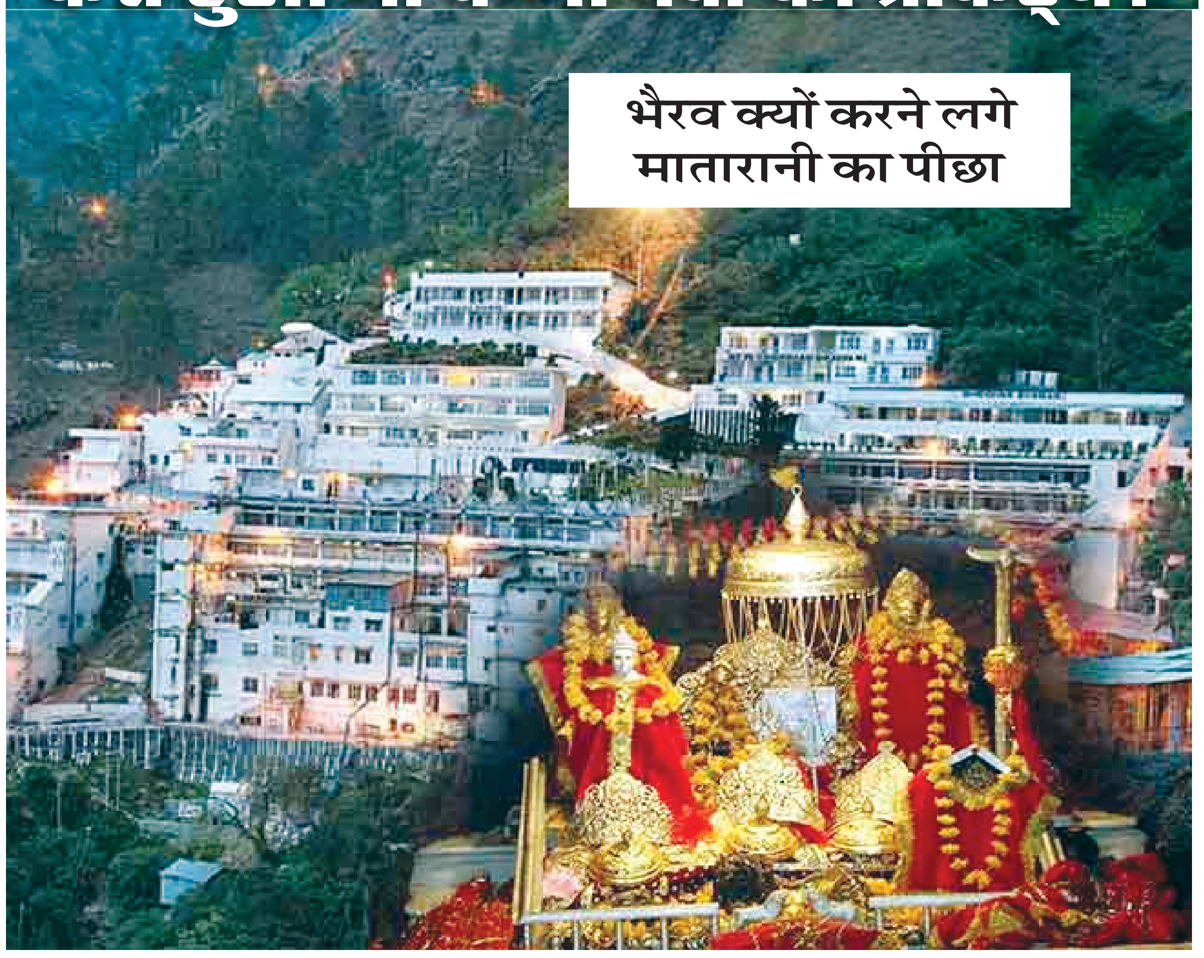

भैरव क्यों करने लगे मातारानी का पीछा

मां वैष्णो देवी के दरबार से कौन परिचित नहीं है, त्रिकुट पर्वत पर विराजमान पहाड़ों वाली माता कही जाने वाली माता वैष्णो सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। जितनी सुंदर मैय्या की लीला है, उतना ही सुंदर है दरबार का स्वरूप, जो हर भक्त का मन मोह ही लेता है। क्या आपको ज्ञात है कि कैसे हुआ मां वैष्णो का प्राकट्य और कैसे विराजी मां इतने ऊपर पहाड़ों पर जाकर? अगर नहीं! तो पंडित रामचंद्र जोशी से जानते हैं इसकी पौराणिक कथा।

मां वैष्णो देवी का प्राकट्य

पौराणिक कथाओं के अनुसार, हंसाली नामक एक गांव में श्रीधर नाम के एक भक्त हुए, जिनकी कोई संतान न थी। एक बार नवरात्रि का विधिपूर्वक व्रत आदि करके नवमी के दिन उन्होंने कुवांरी कन्याओं को पूजन हेतु बुलाया और भक्त पर कृपा करने मैय्या भी उन्हीं के बीच में एक कन्या का रूप लेकर आ बैठीं। उसके बाद सभी कन्याओं ने प्रस्थान किया परंतु देवी ने भक्त श्रीधर से कहा कि वे सभी गांववालों को विशाल भंडारे का निमंत्रण दे दें। श्रीधर ने ऐसा ही किया, भंडारे का आमंत्रण पाकर सभी लोग उस कन्या को देखने के लिए उत्सुक थे, जो इतना बड़ा भंडारा करने में सामर्थ्यवान थीं।

भैरवनाथ पड़ा माता के पीछे

भंडारे के दिन अच्छी खासी संख्या में लोग पधारे और मैय्या ने एक अनोखे पात्र से भोजन परोसा। उस भंडारे में बाबा गोरखनाथ तथा उनके शिष्य बाबा भैरवनाथ भी पधारे। जब माता भैरवनाथ को भोजन परोसने गईं, तब वह बोले कि वह तो मांस एवं मदिरा का सेवन करेंगे।

तब माता ने उन्हें समझाया कि ब्राह्मण के घर यह सब नहीं मिलेगा तो वह माता को पकड़ने लगा, जिससे बचने के लिए माता वायु रूप धारण करके त्रिकुट पर्वत की ओर उड़ चलीं, जिनका पीछा करते हुए भैरवनाथ भी वहां पहुंचे।

माता ने दी भैरव को चेतावनी

तब कन्या रूपी माता ने एक गुफा मे बैठकर नौ माह तपस्या की, भैरवनाथ भी वहां आ गए, जिसके कारण माता गुफा की दूसरी तरफ से राह बनाकर बाहर निकल गईं, यह गुफा अर्द्धकुमारी के नाम से जानी जाती है। गुफा से बाहर आकर कन्या ने अपना वास्तविक रूप धारण किया। माता ने भैरव को चेतावनी दी और वापस लौट जाने के लिए कहा, परंतु वह नहीं माना तथा माता वापस गुफा में चली गईं।

और हुआ भैरव का अंत

तब माता की रक्षा हेतु वहां आए हनुमान जी ने भैरव से युद्ध किया और जब हनुमान जी कमज़ोर पड़ने लगे तब माता ने क्रोध से भरकर काली रूप धारण किया और भैरव के सर को धड़ से अलग कर दिया। तब भैरव का सर 8 किलोमिटर दूर जाकर गिरा और वह स्थान भैरवनाथ ने मंदिर के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

विराजीं माता वैष्णो देवी

जिस स्थान पर माता ने भैरव का अंत किया, वह स्थान माता के भवन के नाम से जाना गया। इसी पवित्र स्थान पर माता महाकाली, माता महासरस्वती एवं माता महालक्ष्मी पिंडी स्वरूप में आज भी दर्शन देकर भक्तों को कृतार्थ कर रही हैं। इन्हें ही माता वैष्णो देवी के नाम से जाना जाता है।

जब दो मुट्ठी चावल के बदले कन्हैया ने सुदामा को दे दी दो लोकों की संपत्ति..

जीवन में सभी रिश्ते हमारे जन्म के पूर्व से ही निर्धारित होते हैं परंतु सिर्फ और सिर्फ मित्रता एक ऐसा अनमोल रिश्ता है, जिसका चयन हम स्वय करते हैं। एक सच्चा मित्र विपत्ति आने पर ढाल बनकर अपने मित्र की रक्षा करता है। उसमें भी बाल्यकाल की दोस्ती सबसे पवित्र एवं आकांक्षा रहित होती है, जो रूप, रंग, धन आदि नहीं देखती। जब-जब मित्रता की बात आती है भगवान कृष्ण और सुदामा का नाम खुद-ब-खुद मुख से निकलता है। आपने कृष्ण सुदामा की बाल्यकाल की तो बहुत लीलाएं सुनी होंगी परंतु क्या आप जानते है कि जब दो मुट्ठी चावल के बदले कन्हैया ने सुदामा को दे दी थी दो लोकों की संपत्ति...? अगर नहीं! तो आइए जानते है इस प्रसंग को। श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार, बाल्यकाल में एक बार कन्हैया और सुदामा को उनकी गुरुमाता ने वन में लकड़ी लाने भेजा और साथ में उनके खाने के लिए कुछ चने एक पोटली में बांध दिए। कहा कि दोनों मिल बांट कर खा लेना परंतु वन में सुदामा ने झूठ बोलकर कन्हैया के हिस्से के चने भी खा लिए, जिसके कारण उन्हें बड़े होकर दरिद्रता का सामना करना पड़ा।

सुशीला ने सुदामा को भेजा द्वारका

एक समय ऐसा आया जब श्री कृष्ण तो द्वारका के राजा बन गए परंतु उनके परम मित्र सुदामा नियति के खेल के कारण इतने गरीब हो गए कि उनके पास भोजन करने तक के पैसे नहीं थे। परिवार का लालन-पालन करना असंभव हो गया था। तब उनकी पत्नी सुशीला ने उन्हें द्वारका जाकर द्वारकाधीश श्री कृष्ण से कुछ मदद मांगने के लिए कहा। यह सुन पहले तो सुदामा बहुत हिच-किचाए परंतु और कोई रास्ता ना निकलता देख कन्हैया के पास जाने के लिए तैयार हो गए।

साथ में दिए तीन मुट्ठी तंदुल

वेदों में ऐसा वर्णन है कि व्यक्ति को कभी भी पांच जगह खाली हाथ नहीं जाना चाहिए, ये पांच जगह हैं- राजा का घर, गुरु का घर, मित्र का घर, बेटी का घर और भगवान का घर अर्थात मंदिर। यही बात ध्यान में रखते हुए सुशीला जी ने सुदामा को पड़ोसी से मांग कर तीन मुट्ठी तंदुल या चावल एक पोटली में बांधकर कन्हैया को भेट करने के लिए दे दिए।

कन्हैया ने किया स्वागत

एक लम्बा सफर तय करके सुदामा जी द्वारका नगरी में स्थित द्वारकाधीश श्री कृष्ण के महल पहुंचे। वहां पर खड़े द्वारपालों ने उन्हें बड़ी ही हीन भावना से देखा और पूछा कि वह यहा किस काम से आए हैं। तब उन्होंने अपना परिचय देते हुए स्वयं को कन्हैया का सखा बताते हुए, उनसे मिलने कि बात कही जिस पर द्वारपालों ने सारा वाक्या श्री कृष्ण को जाकर बताया। सुदामा के आने का संदेश मिलते ही कन्हैया महल के द्वार तक नंगे ही पैर दौड़े-दौड़े आए और सुदामा को गले लगाया।

स्वयं द्वारकाधीश ने धोए सुदामा के चरण

उसके बाद उन्हें अंदर ले जाकर अपने सिंघासन पर विराजमान कराया एवं भाव से रोते हुए अपने अश्रुओं से उनके चरण धोए। यह लीला देख कृष्ण की पटरानियों सहित वहां मौजूद सभी लोग आश्चर्यचकित रह गए और सोचने लगे की इस फटे हाल में यह कौन है, जिसके चरण स्वयं भगवान द्वारकाधीश धो रहे हैं...? तब कन्हैया ने सभी को सुदामा जी से परिचित कराया और ब्राह्मण होने के नाते सभी पटरानियों से उनके चरण भी स्पर्श कराए।

कल साल की अंतिम अमावस्या

अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने और दान करने का विधान है।

पौष अमावस्या तिथि 22 दिसंबर को शाम 07 बजकर 13 मिनट से प्रारंभ हो जाएगी।

अमावस्या पर मछलियों को आटे की गोलियां खिलाने से भी लाभ होता है।

साल 2022 की अंतिम अमावस्या पौष अमावस्या है, जो 23 दिसंबर को है। अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने और दान करने का विधान है। पंचांग के अनुसार, पौष अमावस्या तिथि 22 दिसंबर को शाम 07 बजकर 13 मिनट से प्रारंभ हो जाएगी और यह 23 दिसंबर को शाम 03 बजकर 46 मिनट पर खत्म होगी। ऐसे में सूर्योदय के समय में ही स्नान और उसके बाद दान किया जाएगा। अमावस्या के दिन कुछ आसान उपायों को करने से सुख और समृद्धि तो बढ़ती ही है, पितर भी प्रसन्न होकर अपने वंश को आशीर्वाद देते हैं।

जब हम अकेले होते हैं, तब विचारों पर ध्यान रखना चाहिए और जब हम लोगों के साथ हैं, तब बोलते समय शब्दों का ध्यान रखना चाहिए।

पौष अमावस्या को करने वाले उपाय

1. पौष अमावस्या के दिन गंगा या अन्य पवित्र नदी में स्नान करें या अपने घर पर ही पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान कर लें। उसके बाद आप जल से अपने पितरों को तर्पण दें। जल से पितरों की आत्माएं तृप्त होंगी तो वे खुश होकर आपके खुशहाल जीवन और तरक्की का आशीष देंगी।
2. पितरों को तर्पण देने के बाद आप सूर्य देव की पूजा कर सकते हैं। सूर्य देव को तांबे के लोटे में जल भरकर ओम सूर्याय नमः मंत्र का जाप करते हुए अर्घ्य दें। सूर्य देव को प्रणाम करके आशीर्वाद लें। सूर्य कृपा से आपके यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।
3. यदि आप पितृ दोष से पीड़ित हैं तो अमावस्या के अवसर पर अपने पितरों के लिए पिंडदान, श्राद्ध आदि करें। इससे आप दोष से मुक्त हो जाएंगे। आपके सुख, संतान, धन में वृद्धि होगी।
4. पीपल के पेड़ में देवों का वास होता है। अमावस्या के दिन पीपल की जड़ में जल अर्पित करने और दीप जलाने से देवों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। पितर भी प्रसन्न होते हैं और कष्टों से भी मुक्ति मिलती है।
5. यदि आपकी कुंडली में कालसर्प दोष है तो आप इस दिन नदी स्नान के बाद धातु के बने नाग और नागिन की पूजा करें। उसके बाद उनको बहते जल में प्रवाहित कर दें। इससे कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। हालांकि कई ज्योतिषाचार्य कालसर्प दोष के सिद्धांत को ही नहीं मनाते हैं।

विक्की कौशल ने हेमा मालिनी से किया कटरीना को कंपेयर

बोले- वो हेमा मालिनी की तरह इंटरनेशनल प्लैटफॉर्म पर हमारी इंडस्ट्री को रीप्रेजेंट करती हैं

बॉलीवुड के पॉपुलर कपल विक्की कौशल और कटरीना कैफ अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में विक्की ने एक इंटरव्यू के दौरान पत्नी कटरीना के बारे में बात की है। बातचीत में उन्होंने कहा कि कटरीना, अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी जैसे चेहरों में से एक बन गई हैं, जो इंटरनेशनल प्लैटफॉर्म पर बॉलीवुड इंडस्ट्री को रिप्रेजेंट करते हैं।

मैं कटरीना की बहुत रिस्पेक्ट करता हूं

विक्की ने कहा, 'कटरीना ने जो मुकाम हासिल किया है, वहां तक पहुंचना आसान नहीं है। मेरा मानना है कि उन्होंने जो कुछ भी अचीव किया है, वो सब अपने दम पर किया है। मैं उनकी बहुत रिस्पेक्ट करता हूं, और वहां तक पहुंचने के लिए मुझे अभी लंबा रास्ता तय करना है। मुझे लगता है कि ये अच्छा है कि हम एक-दूसरे की रिस्पेक्ट करते हैं।'

कटरीना इंटरनेशनल प्लैटफॉर्म पर हमारी इंडस्ट्री को रिप्रेजेंट करती हैं

विक्की ने आगे कहा, 'मैं हमेशा कहता हूं कि ये इंडस्ट्री कुछ चेहरों की वजह से जानी जाती है। अपने काम से कटरीना भी अमिताभ बच्चन जैसे चेहरों में एक बन गई हैं, जो इंटरनेशनल प्लैटफॉर्म पर हमारी इंडस्ट्री को रिप्रेजेंट करते हैं। एक समय पर हेमा मालिनी हुआ करती थीं।'

विक्की-कटरीना को अक्सर किया जाता है साथ में स्पॉट

विक्की कौशल और कटरीना कैफ को अक्सर एक-साथ स्पॉट किया जाता है। हाल ही में उन्हें फिल्म 'गोविंदा नाम मेरा' की स्पेशल स्क्रीनिंग में साथ देखा गया था। इस दौरान कटरीना पूरे समय पति विक्की का हाथ थामे हुए दिखाई दे रही थीं।

कपल ने ऊटी में सेलिब्रेट की थी पहली एनिवर्सरी

9 दिसंबर को विक्की और कटरीना ने अपनी पहली एनिवर्सरी सेलिब्रेट की थी। हाल ही में, एक सूत्र ने पिंकविला को बताया था कि दोनों ने ऊटी में एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताया था, क्योंकि विक्की वहां पर 'सैम बहादुर' की शूटिंग कर रहे थे। इस खास दिन पर कपल ने एक-दूसरे के लिए रोमांटिक पोस्ट लिखा था और अपने वेकेशन की झलक भी फैंस को दिखाई थी।

2021 में हुई थी दोनों की शादी

कटरीना और विक्की पिछले साल 9 दिसंबर 2021 को राजस्थान के सिक्स सेंसेस फोर्ट में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों 2019 से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो कटरीना जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म 'टाइगर 3' में भी दिखाई देने वाली हैं। वहीं विक्की 'सैम बहादुर', 'गोविंदा नाम मेरा' और 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' में नजर आने वाले हैं।

पत्नी नम्रता के एक्टिंग छोड़ने का कारण हैं महेश बाबू

बोलीं- वो हमेशा से एक नॉन-वर्किंग वाइफ चाहते थे

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की पत्नी और मिस इंडिया रह चुकी एक्ट्रेस नम्रता शिरोडकर ने हाल ही में अपने करियर के बारे में बात की। इस दौरान नम्रता ने खुलासा किया कि महेश हमेशा से एक नॉन वर्किंग वाइफ चाहते थे और वो इस फैसले को लेकर बिल्कुल क्लियर थे, जिसके चलते नम्रता ने अपने एक्टिंग करियर पर फुल स्टॉप लगा दिया।

तेलगू चैनल को दिए इंटरव्यू में नम्रता ने कहा- 'महेश हमेशा से क्लियर थे कि उन्हें एक नॉन वर्किंग वाइफ ही चाहिए। अगर मैं किसी ऑफिस में भी काम कर रही होती, तो भी वो काम छोड़ने के लिए कहते। कुछ चीजें हमने हमेशा एक-दूसरे के लिए अंडरस्टैंड की हैं।'

बातचीत में नम्रता ने आगे कहा- 'हमने फैसला लिया था कि हम शादी के बाद अपार्टमेंट में रहेंगे, क्योंकि मैं मुंबई से थी। मुझे नहीं पता था कि बड़े बंगलो में मैं कैसे रह पाऊंगी। मुझे यह सब सोचकर डर लगता था, जिस वजह से महेश मेरे साथ अपार्टमेंट में रहने लगे। मेरी यह शर्त थी कि हम शादी के बाद अगर हैदराबाद जाते हैं, तो हम अपार्टमेंट में ही रहेंगे, वैसे ही उनकी भी यह शर्त थी की वो नहीं चाहते हैं कि मैं काम करूं।'

नम्रता ने बताया- 'हमने शादी से पहले काफी टाइम लिया कि मैं अपनी फिल्मों की शूटिंग कंप्लीट कर सकूं। ताकि जब हम शादी करें तो मेरे पास कोई भी काम न हो। पहले मैंने अपनी सभी बाकी फिल्मों की शूटिंग पूरी की, ताकि हम शादी कर सकें। हम दोनों के बीच अपनी चीजों को लेकर हमेशा से ही काफी क्लियरटी थी।'

नम्रता मानती हैं कि महेश से शादी करना उनकी लाइफ का सबसे बेस्ट मूमेंट था। उन्होंने कहा- 'जब मैंने और महेश ने शादी का फैसला लिया, उस वक्त में मेरी पूरी दुनिया बदल गई। शादी करने का एक्सपीरिएंस मेरे बेहद खास रहा है।

कपल ने साल 2005 में की थी शादी

आखिरी बार नम्रता को 17 साल पहले बड़े पर्दे पर नजर आईं थीं। उन्हें आखिरी बार साल 2004 में इंसाफ़ःद जस्टिस और ब्राइड एंड प्रिज्युडिस जैसी फिल्मों में देखा गया था।

इसके बाद साल 2005 में उन्होंने महेश बाबू से शादी की और फिल्मों में काम करना बंद कर दिया। बता दें कि महेश और नम्रता के 2 बच्चे हैं, उनके बेटे का नाम गौतम घत्तामनेनी और बेटी का नाम सितारा घत्तामनेनी है। अक्सर नम्रता अपनी फैमिली के साथ फोटोज शेयर किया करती हैं।

यूरोपीयन मैगजीन एम्पायर की दुनिया के 50 महान एक्टर्स की लिस्ट में शामिल होने वाले इकलौते भारतीय बने शाहरुख खान

शाहरुख खान का नाम दुनिया के ऑल टाइम 50 महान एक्टर्स की लिस्ट में शामिल किया गया है। दरअसल मंगलवार को यूरोपियन मैगजीन एम्पायर ने दुनियाभर के महान एक्टर्स की लिस्ट जारी की थी, जिसमें किंग खान का नाम शामिल है। वो इस लिस्ट में शामिल होने वाले इकलौते भारतीय एक्टर हैं। शाहरुख की मैनेजर पूजा ददलानी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए इस सफलता की जानकारी दी है। इस लिस्ट में शाहरुख के साथ रॉबर्ट डी नीरो, टॉम क्रूज, नताली पोर्टमैन, बेटे डेविस और डेनजेल जैसे एक्टर्स का नाम शामिल है, जिन्हें दुनियाभर में जाना जाता है। एसआरके की मैनेजर पूजा ददलानी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- 'शाहरुख का नाम एम्पायर मैगजीन के 50 महान एक्टर्स की लिस्ट में शामिल किया गया है। शाहरुख इस सम्मान को हासिल करने वाले पहले भारतीय है। वो हमेशा हमें पाउड फील कराते हैं।' बता दें कि यह मैगजीन फरवरी महीने के एडिशन में छपेगी। लेकिन इसे अभी ही ऑनलाइन रिलीज कर दिया गया है। लिस्ट में शाहरुख के जिन किरदारों के शामिल किया गया है, उनमें देवदास मुखर्जी(देवदास), रिजवान खान(माई नेम इज खान), राहुल खन्ना(कुछ कुछ होता है) और मोहन भार्गव(स्वदेश) शामिल हैं। वहीं उनकी आइकॉनिक लाइन जब तक है जान से ली गई है, जिसमें वो बोलते हैं-'जिंदगी हमें रोज थोड़ा-थोड़ा मारती है, एक बम आपको केवल एक बार ही मारेगा।' करीब 4 साल बाद शाहरुख खान बतौर लीड फिल्म पठान में नजर आएंगे। इससे पहले आखिरी बार उन्हें बतौर लीड जीरो में देखा गया था। साल 2023 में किंग खान की तीन बड़ी फिल्में रिलीज होंगी, जिसमें 25 जनवरी को पठान, 2 जून को जवान और साल के आखिर में डंकी रिलीज होगी।

समय के साथ अब भारतीय फिल्मों को ग्लोबल स्पेस पर भी सम्मानित किया जाता है। हाल ही में एस एस राजामौली की फिल्म आरआरआर को दुनिया भर में पहचान मिली। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा दा राइज को रूस में ऑडियंस से खूब प्यार मिला है। आरआरआर और गंगूबाई काठियावाड़ी को द गार्जियन की बेस्ट फिल्म ऑफ द ईयर की लिस्ट में शामिल किया गया। इतना ही नहीं इंडियन ऑडियंस को ऑस्कर में भी आरआरआर से उम्मीदें हैं।

साल 2022 में इन कारणों से विवादों में रहा साउथ इंडस्ट्री

'राष्ट्रभाषा' से 'बायकॉट लाइगर' तक इन विवादों से जूझती रही

बॉलीवुड के बाद लोग साउथ इंडस्ट्री के लोग दीवाने हैं, लेकिन इस साल साउथ सिनेमा बॉलीवुड से आगे निकल गया। बॉलीवुड की फिल्में इस साल बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाईं। वहीं, साउथ सिनेमा ने एक से बढ़कर एक ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। यह साल साउथ इंडस्ट्री के लिए बहुत अच्छा गुजरा। एक तरफ साउथ इंडस्ट्री की फिल्मों की चर्चा रही। वहीं, दूसरी तरफ कुछ विवादों ने भी जमकर सुर्खियां बटोरीं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं साउथ के उन बड़े विवादों के बारे में, जिन्होंने इस साल खूब सुर्खियां बटोरीं...

नयनतारा

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम साउथ के क्यूट कपल अभिनेत्री नयनतारा और उनके पति विग्नेश शिवन का आता है। वे दोनों इस साल 9 जून 2022 को शादी के बंधन में बंधे थे। शादी के महज चार महीने बाद ही कपल ने माता पिता बनने की खुशखबरी फैंस को दी। इसके बाद बवाल मच गया। नयनतारा और विग्नेश पर सेरोगेसी के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगा। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एमए सुब्रमण्यम ने कार्रवाई का आदेश दिया। इसके बाद कपल ने खुलासा किया कि उनकी शादी छह साल पहले ही रजिस्टर हो गई थी। कपल को जांच में निर्दोष पाया गया।

कांतारा

पैन इंडिया फिल्म 'कांतारा' ने अपनी सफलता की नई कहानी लिखी है। अपनी दमदार कहानी, कलाकारों की शानदार अदाकारी और बॉक्स ऑफिस ताबड़तोड़ कमाई के चलते यह ब्लॉकबस्टर फिल्म सुर्खियों में रही, लेकिन इसके एक गाने 'वराह रूपम' को लेकर विवाद खड़ा हो गया। फिल्म के निर्माताओं पर गाना चोरी करने का आरोप लगा। कहा गया कि फिल्म का गाना 'वराम रूपम', 'नवरसम' गाने की कॉपी है। इसके बाद फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 'वराम रूपम' के नए वर्जन के साथ रिलीज किया गया।

लाइगर

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की फिल्म 'लाइगर' रिलीज से पहले सुर्खियों में थी। फिल्म को बायकॉट करने की मांग हुई और यह बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। फिल्म के रिलीज के बाद राजनेता बक्का जुडसन ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 'लाइगर' में कई राजनेताओं की काली कमाई का इस्तेमाल करके उसे सफेद किया गया, जिसके बाद ईडी ने जांच शुरू कर दी थी। वहीं, इस मामले में विजय देवरकोंडा समेत फिल्म के निर्देशक पुरी जगन्नाथ और निर्माता चार्मी कौर से पूछताछ की गई थी।

धनुष-ऐश्वर्या

साउथ सुपरस्टार धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत के तलाक की खबरों ने भी खूब सुर्खियां बटोरीं। दोनों ने शादी के 18 साल बाद इसी साल जनवरी में अलग होने के फैसला किया था। दोनों के तलाक के फैसले से सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया। इसके बाद सुपरस्टार रजनीकांत के घर बैठक हुई, जिसमें धनुष और ऐश्वर्या भी शामिल हुए। रजनीकांत के समझाने के बाद दोनों ने अक्तूबर को तलाक लेने का फैसला वापस ले लिया।

किच्चा सुदीप

फिल्म 'केजीएफ 2' की सफलता के बाद राष्ट्रभाषा पर विवाद खड़ा हो गया। अभिनेता किच्चा सुदीप ने बयान दिया कि हिंदी अब राष्ट्रभाषा नहीं रही, जिसके बाद बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने इस पर प्रतिक्रिया दी। अजय देवगन ने ट्वीट किया था कि अगर हिंदी राष्ट्रभाषा नहीं रही तो साउथ की फिल्मों को हिंदी में डब क्यों किया जाता है? इसके बाद किच्चा सुदीप ने भी ट्वीट किया, 'मैंने जिस वजह से यह बात कही है वह बिलकुल अलग थी। मुझे लगता है कि अब वह वजह आप तक पहुंच गई है।' इसके बाद यह विवाद साउथ इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक पहुंच गया।

'बार-बार याद आते हैं वो पुराने दिन', 'जो जीता वही सिकंदर' की आयशा जुल्का हुईं इमोशनल

बॉलीवुड अभिनेत्री आयशा जुल्का, जो अपनी फिल्म 'जो जीता वही सिकंदर' के लिए जानी जाती हैं, हाल ही में वह अभिनेत्री नीलम कोठारी के साथ एक सिंगिंग रियलिटी शो में दिखाई दीं जहां दोनों ने प्रतियोगियों के प्रदर्शन का आनंद लिया और अपने पुराने दिनों को याद किया रियलिटी शो के दौरान सोनाक्षी ने वादा रहा सनम गाना गया इस गाने को सुनकर अभिनेत्री काफी खुश हुई दरअसल रोमांटिक ट्रैक असल में अक्षय कुमार और आयशा पर फीचर किया गया था, इसे मूल रूप से अलका याग्निक और अभिजीत भट्टाचार्य ने गाया था। 1992 में आई फिल्म 'खिलाड़ी' के इस गाने की शूटिंग को याद करते हुए आयशा ने कहा, "मैं सोनाक्षी से यह सुनने के लिए आभारी हूं, जिसे बहुत खूबसूरती से गाया गया है यह गीत बहुत सारी यादों में वापस ले जाता है।"

आगे अभिनेत्री ने कहा, "मैं भावुक हो जाती हूं, अगर मैं उन सभी यादों को याद करती हूं क्योंकि इस गाने को 30 साल हो गए हैं, तो मुझे कहना होगा कि समय इतनी जल्दी निकल जाता है काश हम उन दिनों में वापस जा पाते।" आयशा, जिन्हें 'मेहरबान', 'दलाल', 'रंग', 'मासूम' जैसी हिट फिल्में देने के लिए भी जाना जाता है, ने उन दिनों में वापस जाने की इच्छा व्यक्त की।

गोविंदा आज देश के सबसे बड़े सुपरस्टार होते : रोहित शेट्टी

10 सालों तक बैक-टू-बैक हिट फिल्में दी, लेकिन जो हक मिलना चाहिए था, नहीं मिला

एक इंटरव्यू में रोहित शेट्टी ने कहा है कि अगर गोविंदा को उनका हक मिलता तो वो आज के देश के सबसे बड़े सुपरस्टार होते। रोहित ने कहा कि 90 के दशक में गोविंदा और डेविड धवन की जोड़ी ने साथ में शोला और शबनम, राजा बाबू, आंखें, जोड़ी नंबर 1, कुली नंबर 1 और हसीना मान जाएगी जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी लेकिन फिर भी गोविंदा जिस चीज के हकदार थे वो उन्हें नहीं मिला।

रोहित का कहना है कि आज सोशल मीडिया के समय पर किसी एक्टर की एक फिल्म भी चल जाती है तो सभी चिल्लाने लगते हैं वहीं गोविंदा ने 10 सालों तक बैक टू बैक हिट फिल्में दी थी। रोहित शेट्टी ने हाल ही में अपनी फिल्म सर्कस के प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू दिया। उस इंटरव्यू में उनसे 1993 की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म को गेस करने के लिए कहा गया। इसका उन्होंने तुरंत जवाब देते हुए गोविंदा और चंकी पांडे स्टारर फिल्म आंखें का नाम लिया। आगे इसी बात पर रोहित शेट्टी ने गोविंदा की फिल्मों और सालों तक लगातार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने पर बात की।

गोविंदा आज देश के सबसे बड़े सुपरस्टार होते

रोहित ने कहा, '10 साल तक, उस आदमी ने लगातार ब्लॉकबस्टर फिल्में दी। उन्होंने और डेविड धवन ने शोला और शबनम, आंखें, राजा बाबू, जोड़ी नंबर 1, कुली नंबर 1, और हसीना मान जाएगी, जैसी बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर फिल्में दी। मुझे लगता है जो स्टारडम उन्हें मिलना चाहिए था वो उन्हें नहीं मिला। वरना आज वो सबसे बड़े सुपरस्टार होते। आज सोशल मीडिया है, एक चलती है तो सब चिल्लाते हैं।'

90 के दशक में बॉक्स ऑफिस किंग थे गोविंदा

गोविंदा ने अपने करियर की शुरुआत 1986 में आई फिल्म इल्जाम से की थी। 80 के दशक तक उन्होंने फैमिली ड्रामा वाली फिल्में की थी लेकिन 1990 तक आते-आते उन्होंने अपने आप को एक कॉमेडी एक्टर के तौर पर स्थापित किया। उन्होंने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फिल्में की हैं जिसमें राजा बाबू, कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, दीवाना मस्ताना, दूल्हे राजा, बड़े मियां छोटे मियां, अनाड़ी नंबर 1 और जोड़ी नंबर 1 जैसी फिल्में शामिल हैं।

इसके बाद 2000 के दशक में उन्होंने भागम भाग, पार्टनर, लाइफ पार्टनर और सैंडविच जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई करती थीं। रोहित शेट्टी की बात करें तो वो फिलहाल अपनी फिल्म सर्कस के प्रमोशन में बिजी हैं। इस मल्टीस्टारर फिल्म में रणवीर सिंह, जैकलीन फर्नांडीज, पूजा हेगड़े, वरुण शर्मा, टीकू तलसानिया, जॉनी लीवर और संजय मिश्रा जैसे एक्टर शामिल हैं।

मलाइका अरोड़ा ने अटेंशन पाने की कोशिश से किया इंकार

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा के टॉक शो 'मूविंग इन विद मलाइका' के हालिया एपिसोड में उनके डिजाइनर दोस्त विक्रम फड़नीस शामिल हुए। मलाइका से बातचीत के दौरान विक्रम उनसे पूछते हैं कि क्या उनकी जिंदगी में ऐसा कुछ हुआ है, जिसका उन्हें सालों बाद पछतावा होगा। इसके साथ ही विक्रम ने कहा कि कुछ लोगों को लगता है कि मलाइका जो कुछ भी करती हैं, वो अटेंशन पाने के लिए करती हैं।

विक्रम ने कहा, 'आपके बारे में लोग काफी चर्चा करते हैं। जब आप बिल्डिंग से बाहर निकलती हो, जिस तरह से आप चलते हो, इस बारे में बाहर काफी गॉसिप होती है। जब आप किसी इवेंट में शामिल होती हैं, आपके आउटफिट के बारे में बाहर चर्चा होती है। लोगों को लगता है कि या तो आपको ये सब पसंद है, या तो आप इसे जान कर रही हैं, क्योंकि आप जानती हैं कि ये रिवलेंट है।'

मैं ऐसा जान कर नहीं कर रही हूं

मलाइका ने इसके जवाब में कहा, 'मैं ऐसा जान कर नहीं कर रही हूं। मैं एक ऐसी इंसान हूं, जो कभी किसी का अटेंशन पाने के लिए कुछ करे, और आप इस बारे में सबसे अच्छे से जानते हो। मैंने ऐसा कभी नहीं किया है।' इसके आगे मलाइका कहती हैं कि क्या मुझे अपने बारे में गॉसिप कम करने के लिए मेकअप नहीं करना चाहिए। हालांकि विक्रम कहते हैं कि उनके अंदर पहले से काफी बदलाव आया है। दरअसल लोग अक्सर मलाइका को उनके कपड़ों और उनके चलने के तरीके की वजह से ट्रोल करते रहते हैं। वहीं सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि वो अटेंशन पाने के लिए ऐसा करती हैं।

सामंथा रुथ प्रभु ने कई बॉलीवुड फिल्मों से किया बैकआउट

बीमारी के चलते लिया फैसला, ठीक होने के बाद ही साइन करेंगी नए प्रोजेक्ट्स

तेलुगु एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों लाइमलाइट से पूरी तरह गायब हैं। इसी बीच खबरें आ रही हैं कि उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स से बैकआउट कर लिया है। तब से लोग कयास लगा रहे हैं कि सामंथा कुछ समय के लिए काम से ब्रेक लेना चाहती हैं, ताकि वो अपनी सेहत पर फोकस कर सकें।

मेकर्स कर रहे हैं दूसरे ऑप्शन की तलाश

दरअसल हिंदी वेब डेब्यू द फैमिली सीजन 2 की भारी सफलता के बाद सामंथा ने कई बॉलीवुड फिल्में साइन की थीं, लेकिन अब तेलुगू 360 की लेटेस्ट रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने फिल्म मेकर्स को इन्फॉर्म कर दिया है कि उन्हें एक लंबे ब्रेक की जरूरत होगी, जिसके बाद से मेकर्स दूसरी ऑप्शन्स पर विचार कर रहे हैं।

कुछ समय पहले सामंथा ने खुलासा किया था कि वो मायोसाइटिस नाम की बीमारी से जूझ रही हैं। तब से ही वो सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहती हैं। इतना ही अपनी हेल्थ के चलते सामंथा पिछली फिल्म सामंथा का प्रमोशन भी नहीं कर सकी थीं।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें सामंथा जल्द से जल्द विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म कुशी की शूटिंग खत्म करने वाली हैं, इसके बाद वो फिल्म से दूर समय बिताएंगी। उनकी टीम ने भी मेकर्स को इन्फॉर्म कर दिया है कि वो कुछ दिनों तक कोई भी प्रोजेक्ट साइन नहीं करेंगी। कुशी एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका डायरेक्शन शिवा निरवाना ने किया है। पहले यह फिल्म दिसंबर में रिलीज होने वाली थी, लेकिन इंटरव्यू के दौरान विजय ने बताया कि फिल्म फरवरी 2023 में रिलीज की जाएगी।

सामंथा ने पिछले साल 2 अक्टूबर को अपने तलाक की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी थी। शादी से पहले सामंथा और नागा चैतन्य ने लगभग तीन साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। फिर 6 अक्टूबर 2017 में, दोनों शादी के बंधन में बंध गए थे। उन्होंने हिंदू और ईसाई दोनों रीति-रिवाजों से शादी की थी।

बच्चों के लिए बेस्ट योगासन, इम्यूनिटी स्ट्रांग हो बीमारियों से रहेगा बचाव

बच्चों की सेहत का ध्यान रखना माता- पिता का फर्ज होता है। ऐसे में उन्हें बच्चों को बचपन से ही अच्छी आदतें डालनी चाहिए। ताकि मानसिक व शारीरिक रूप से उनका बेहतर विकास हो सके। इसके लिए अच्छी डाइट के साथ योगा करना बेस्ट ऑप्शन है। इससे बच्चों की इम्यूनिटी स्ट्रांग हो बीमारियों से बचाव रहने में मदद मिलेगी। तो चलिए आज हम आपको कुछ आसान से योगासन बताते हैं, जिसे आप अपने बच्चों को करवाकर उनकी सेहत को बरकरार रख सकते हैं...

बालासन

इस आसन को करने के लिए सामान्य मुद्रा में बैठे। फिर घुटनों को पीछे की ओर मोड़ते हुए एड़ियों के बल बैठें। अब शरीर का सारा भार जांघों पर डालें। अब धीरे- धीरे सिर को जमीन से लगाकर बाजूओं को पैरों के पास लेकर जाकर सीधे रखें। अब गहरी सांस लेते हुए इसी अवस्था में थोड़ी देर रहे। बाद में सामान्य अवस्था में आ जाए। फिर इसे दोबारा दोहराएं।

सुखासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर मैट बिछाकर बैठ जाएं। कमर को बिल्कुल सीधी मुद्रा में रखें। फिर दोनों हाथों को घुटनों के पास ले जाकर रखें। पहली उंगली और अंगूठे को जोड़कर सीधे हो जाएं। फिर प्राणायाज करते हुए कुछ मिनटों तक इसी मुद्रा में रहे। उसके बाद सामान्य स्थिति में आ जाए। इस आसन को दोबारा दोहराएं।

भुजंगासन

इसे करने के लिए जमीन पर बैठ बिछाकर पेट के बल लेटें।

फिर हाथों को जमीन पर रख कर धीरे- धीरे शरीर को ऊपर की ओर उठाएं। गहरी सांस लेते हुए इसी अवस्था में कुछ देर रहे। बाद में सामान्य स्थिति में आ जाए। इसी तरह इस आसन को दोबारा दोहराएं।

ताड़ासन

इस आसन को करने से इम्यूनिटी के साथ हाइट बढ़ने में भी मदद मिलती है। इस आसन को करने के लिए बिल्कुल सीधे खड़े हो जाए। उसके बाद धीरे- धीरे हाथों को उठाकर नमस्ते की मुद्रा में करें। शरीर का सारा भार एड़ियों पर डालें। फिर अपनी क्षमता के अनुसार इसी अवस्था में रहे। बाद में सही मुद्रा में आ जाए।

इन योगासनों को करने के फायदे

- इन आसनों को रोजाना करने से बच्चों की इम्यूनिटी स्ट्रांग होगी।
- शरीर में चुस्ती व फुर्ती आएगी।
- शरीर में खिंचाव होने से हाइट बढ़ने के साथ बेहतर तरीके से विकास होगा।
- दिमाग शांत होने के बच्चे साथ गुस्सा व चिड़चिड़ापन कम होगा।
- पाचन तंत्र मजबूत होगा।
- वजन बढ़ने की परेशानी नहीं होगी।
- मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी।
- अक्सर ज्यादा खेलने से बच्चों के शरीर में दर्द होता है। ऐसे में इस परेशानी से छुटकारा मिलेगा।
- मन शांत होने से तनाव कम होने में मदद मिलेगी।
- कब्ज, पेट दर्द आदि समस्याओं से राहत मिलेगी।
- आलस, कमजोरी व थकान कम होगा।
- भूख बढ़ेगी।

रात को रोज लगाएं यह होममेड नाइट क्रीम, हीरे की तरह चमकता रहेगा चेहरा

सर्दियों का मौसम शुरू होने वाला है। इस मौसम में चलने वाली सर्द हवाओं का सबसे ज्यादा असर स्किन पर पड़ता है, जिससे त्वचा रूखी व बेजान हो जाती है। वहीं रूखी-बेजान त्वचा पर पिंपल्स की समस्या भी ज्यादा देखने को मिलती है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी होममेड क्रीम के बारे बताएंगे, जिससे आपकी त्वचा में नमी बनी रहेगी और वो ड्राई नहीं होगी। साथ ही इससे चेहरा ग्लो भी करेगा।

सामग्रीः

फ्रैश एलोवेरा जैल - 1 टेबलस्पून

एलोवेरा जैल ट्यूब - 1 टेबलस्पून (जिसमें केसर चंदन हो)

ग्लिसरीन - 5 बूंदे

बादाम का तेल - 5 बूंदे

बनाने का तरीका

सारी सामग्री को अच्छी तरह मिक्स करें क्योंकि जिनती अच्छी तरह से आप इसे मिक्स करेंगे, आपकी नाइट क्रीम उतनी ही अच्छी बनेंगी। अब आप इसे किसी कंटेनर या बोतल में स्टोर करके साफ जगह पर रखें। आप इसे महीनेभर आराम से यूज कर सकती हैं क्योंकि यह खराब नहीं होगी।

ऐसे करें इस्तेमाल

सबसे पहले चेहरे को अच्छी तरह धो लें, ताकि मेकअप, धूल-मिट्टी व एक्स्ट्रा ऑयल निकल जाएं। अब इस क्रीम से तब तक मसाज करें जब तक यह स्किन में अब्जॉर्ब न हो जाए। करीब 5-6 मिनट तक मसाज करें। फिर इसे ओवरनाइट छोड़ दें।

क्यों फायदेमंद है यह क्रीम?

यह क्रीम त्वचा को अंदर से नमी प्रदान करती हैं और डैमेज सेल्स में नई जान डालती है, जिससे स्किन ड्राई नहीं होती। साथ ही इससे त्वचा में ब्लड फ्लो भी बढ़ता है, जिससे स्किन पर ग्लो आता है।

टिपः अगर आपकी स्किन पर यह सारी सामग्री सूट करती है तभी इस क्रीम को लगाएं। अगर कोई एक चीज आपकी स्किन पर सूट नहीं करती तो आप इसे स्किप कर सकती हैं।

अपने घर में ही उगाए ऑर्गेनिक अदरक

आजकल भले ही लोग स्वस्थ रहने के लिए ग्रीन, ब्लैक या रैड टी का सेवन करते हो लेकिन भारतीय अदरक की चाय का कोई जवाब नहीं। अदरक की चाय स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए भी रामबाण औषधी है। लेकिन अगर चाय बनाने के लिए अदरक घर पर ही उगा ली जाए तो कितना अच्छा हो। इससे ना सिर्फ आपके पैसे बचेंगे बल्कि ऑर्गेनिक अदरक की चाय आपकी सेहत का भी ख्याल रखेगी।

घर में अदरक कैसे उगाई जाए वो भी घर में पड़ी पुरानी अदरक का इस्तेमाल करके।

स्वाति शादी के बाद 11 साल पहले बेंगलुरु में में आकर बस गई थी। एक्सेंचर और आईबीएम जैसी बड़ी कंपनियों में एचआर की नौकरी कर चुकी स्वाति ने बेटे के जन्म के बाद अपनी जॉब छोड़ दी। उन्होंने बेटे की परवरिश और फिर उसकी पढ़ाई पर फोकस किया। मगर, कुछ समय बाद उन्हें लगा कि अब उन्हें कुछ करना चाहिए। इसके बाद उन्होंने गार्डनिंग में हाथ अजमाने की सोची, जिसका उन्हें बचपन से शौक था। आज वह अपने घर के आंगन व छत पर 200 से भी अधिक साग-सब्जियां उगा रही हैं इसलिए उनके दोस्त भी उन्हें 'माली काका' के नाम से बुलाते हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि पुरानी पड़ी अदरक से कैसे आप घर पर ही नया पौधा लगा सकते हैं।

कौन-सा मौसम है सही

अदरक उगाने के लिए मार्च-अप्रैल का मौसम बिल्कुल सही रहता है क्योंकि इस दौरान गर्मी होती है, जिससे अदरक अच्छी तरह उग जाती है। वहीं इसके लिए कभी भी बहुत ताजी अदरक का इस्तेमाल ना करें। इसकी बजाए पुरानी अदरक जिसकी हल्की-हल्की जड़े हो उन्हें गार्डनिंग के लिए इस्तेमाल करें।

कैसे तैयार करें मिट्टी

अदरक उगाने के लिए हल्दी मिट्टी चाहिए होती है। इसके लिए आप 50% मिट्टी, 25% कोकोपीट और 25% खाद मिलाएं और फिर उसके गमले या ग्रो बैग में डाल दें। अगर को उगने के लिए ज्यादा जगह चाहिए होती है क्योंकि यह हॉरिजॉन्टली बढ़ता है इसलिए आप चौड़ा गमला लें।

कैसे लगाएं?

1. सबसे पहले आंख/बड निकली हुई अदरक लें। फिर गमले में हल्का-सा गड्ढा बनाकर उसमें अदरक लगाएं। ध्यान रखें कि गांठ की आंखें या बड ऊपर की तरफ हो।

2. अब अदरक के ऊपर हल्की-हल्की मिट्टी डालकर स्प्रे बोतल से पानी दें। ध्यान रखें कि इसमें अधिक पानी ना डालें क्योंकि उससे प्लांट मर जाएगा। साथ ही इसमें नियमित पानी देते रहे, ताकि मिट्टी में नमी बनी रहे।

3. गमले को ऐसी जगह पर रखें, जहां बहुत अधिक धूप ना हो। बता दें कि अदरक को सिर्फ करीब 3 घंटे ही धूप चाहिए होती है।

4. गमले में लगभग 1 महीने तक खाद डालते रहें और मिट्टी को भी चेक करते रहें।

कैसे जानें कि तैयार है अदरक ?

अदरक को अंकुरित होने में 2 से 4 हफ्तों का समय लग सकता है इसलिए परेशान ना हो। वहीं, 6 से 8 महीने में अदरक उगनी शुरू हो जाती है इसलिए इसमें धैर्य और संयम की जरूरत होगी। हार्वेस्टिंग का सीजन आने पर अदरक की पत्तियां पीली और सूखने लगती है। ऐसे में आप समझ लें कि अदरक तैयार है और आप इसे निकाल सकते हैं।

पौधे को बीमारी से कैसे बचाएं?

वैसे तो अदरक के पौधे में कोई बीमारी नहीं लगती है लेकिन कभी ऐसा हो तो 1 लीटर पानी में 5 मि.ली. नीम का तेल या डिशवॉश लिक्विड मिलाएं। फिर स्प्रे बोतल में डालकर उसका छिड़काव करें। इससे पौधे को पेस्ट नहीं लगेंगे।

तो देर किस बात कि... आप भी बाहर से 10रु की अदरक खरीदने की बजाए घर पर ही इसे अगाना शुरू करें। केमिकल्स, रसायनों से मुक्त ऑर्गेनिक अदरक आपके परिवार का ख्याल रखने में मदद करेगी।

गर्म पानी में मिलाकर पीएं हींग डायबिटीज से लेकर कैंसर तक करेगा बचाव

भारतीय रसोई में हींग खासतौर पर इस्तेमाल की जाती है। यह खाने की खुशबू दोगुनी करने के साथ उसके स्वाद को भी बढ़ाने का काम करती है। विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, एंटी- ऑक्सीडेंट, एंटी- वायरल, एंटी- बैक्टीरियल गुणों से भरपूर हींग को सब्जी के अलावा पानी में मिलाकर सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होने के साथ वजन नियंत्रण में रहता है। डायबिटीज व ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहने के साथ सेहत को और भी कई लाजबाव फायदे मिलते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके सेवन से कौन- से फायदे मिलते हैं। मगर

उससे पहले जानते हैं इसका पानी तैयार करने की रेसिपी...

हींग का पानी तैयार करने का तरीका...

पानी- 1 गिलास

हींग- 1/2 छोटा चम्मच

विधि

- एक पैन में दोनों चीजों को डालकर 1-2 उबाल आने दें।
- तैयार पानी का सुबह खाली पेट सेवन करें।

तो चलिए अब जानते हैं इस पानी को पीने से मिलने वाले बेमिसाल फायदों के बारे में...

कैसर से रहेगा बचाव

हींग के पानी का सेवन करने से यह शरीर में कैंसर की कोशिकाओं को पनपने से रोकता है। ऐसे में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के होने का खतरा कम रहता है।

डायबिटीज रहेगी कंट्रोल

डायबिटीज के मरीजों को रोजाना हींग के पानी का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर में इंसुलिग का स्त्राव सही तरीके से होता है। ऐसे में ब्लड शुगर कंट्रोल में रहती है।

दिल के लिए फायदेमंद

एंटी- ऑक्सीडेंट, एंटी- वायरल गुणों से भरपूर हींग का पानी पीने से कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। ऐसे में दिल स्वस्थ रहने के साथ इससे जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा कई गुणा कम होती है।

अस्थमा में फायदेमंद

अस्थमा के मरीजों को अपनी डाइट में हींग के पानी का जरूर सेवन करना चाहिए। इसके सेवन से सूखी खांसी, कफ. छाती में जकड़न आदि की परेशानी दूर हो फेफड़े बेहतर तरीके से कम करते हैं।

बेहतर पाचन तंत्र

इसमें एंटी- बैक्टीरियल, एंटी- वायरल आदि गुण होने से पाचन क्रिया बेहतर तरीके से काम करती है। शरीर में मौजूद हानिकारक पदार्थ बाहर निकलने में मदद मिलती है। यह खाने को पचाने में मदद करने के साथ पेट दर्द, एसिडिटी आदि की समस्यों से राहत दिलाता है।

सही वजन दिलाए

इस पानी का रोजाना सेवन करने से वजन बढ़ने की परेशानी से छुटकारा मिलता है। इसे सेवन से पेट व कमर के आसपास जमा एक्सट्रा चर्बी तेजी से कम होती है। साथ हीशरीर का मेटाबोलिज्म रेट बढ़ाकर अंदर से चुस्ती व फुर्ति का संचार करता है।

पीरियड पेन को करे दूर

जिन महिलाओं को पीरियड के दिनों में पेट में असहनीय दर्द होता है। उन्हें इससे छुटकारा पाने के लिए हींग वाले पानी का सेवन करना चाहिए। इसके सेवन से पीरियड पेन से राहत मिलने के साथ शरीर में होने वाले दर्द से भी छुटकारा मिलता है।

सिरदर्द व मौसमी बीमारियों से दिलाए राहत

हींग के पानी का सेवन करने से सिरदर्द की परेशानी से छुटकारा मिलता है। इसके साथ ही मौसमी सर्दी, जुकाम, ठंड लगने आदि की समस्याओं से भी राहत मिलती है।

जानलेवा बीमारियों को न्योता देता है विटामिन बी का ज्यादा सेवन

अक्सर देखा जाता है कि महिलाओं की हड्डियां 40 की उम्र के बाद ही कमजोर हो जाती हैं, जिसका कारण विटामिन बी भी हो सकता है। हाल ही में हुए शोध के मुताबिक, शरीर में विटामिन बी की मात्रा का ज्यादा होना से हड्डियां जल्दी कमजोर हो जाती हैं, जिसमें कूल्हे की हड्डी के कमजोर होने के मामले सबसे ज्यादा देखे गए हैं।

कितनी मात्रा में लेना चाहिए विटामिन बी

स्वस्थ रहने के लिए विटामिन बी6 व बी12 बहुत जरूरी है लेकिन सेवन सही मात्रा में करना भी उतना ही जरूरी है। एक महिला को दिनभर में विटामिन बी12 की 2.4 माइक्रोग्राम और विटामिन बी6 की 1.5 मि.ली. लेनी चाहिए, जोकि टुना फिश की थोड़ी सी मात्रा से पूरी की जा सकती है।

हानिकारक है विटामिन बी की अधिक मात्रा

शोध के अनुसार, जरूरत से ज्यादा विटामिन बी6 और बी12 लेना महिलाओं की हड्डियों के लिए खतरनाक हो सकता है। इतना ही नहीं, B6 और B12 की हाई सप्लीमेंट्स डोज लंबे समय तक लेने से लंग कैंसर का खतरा भी काफी हद तक बढ़ जाता है।

2,304 महिलाएं है इसकी शिकार

इस रिसर्च में 30 वर्ष की 75 हजार 864 महिलाओं को शामिल किया गया, जिसमें 2,304 महिलाओं में कूल्हे की हड्डी में फ्रैक्चर की समस्या पाई गई। साथ ही उनके रोजाना के आहार में पाया गया कि वे सामान्य से अधिक पूरक पदार्थों का सेवन करती हैं, जिसके कारण उनके शरीर में विटामिन बी अधिक मात्रा मिली।

हिप फ्रैक्चर का भी हो सकता है खतरा

जो महिलाएं अपने रोजाना आहार में विटामिन बी6 का 2 मि.ली. और बी12 का 10 माइक्रोग्राम से अधिक सेवन करती है, उनमें हिप यानि कमर में फ्रैक्चर का खतरा कम होता है। जबकि 35 मि.ली. विटामिन बी6 व 20 माइक्रोग्राम बी12 की मात्रा लेने वाली 47% महिलाओं में यह खतरा अधिक होता है। इसके अलावा ज्यादा मात्रा में विटामिन बी की गोलियां लेने से हिस्टामिन नामक केमिकल रिलीज होता है, जिससे खुजली, पीलिया और अस्थमा के मरीजों में अटैक की आशंका बढ़ जाती है।

गर्भवती महिलाओं के लिए भी हानिकारक

अधिक मात्रा में विटामिन बी12 लेना गर्भवती महिलाओं के लिए सबसे हानिकारक है। इससे ना सिर्फ भ्रूण पर बुरा असर पड़ता है बल्कि यह त्वचा, खुजली, चक्कर आना और सिरदर्द जैसी समस्याओं का कारण भी बन सकता है।

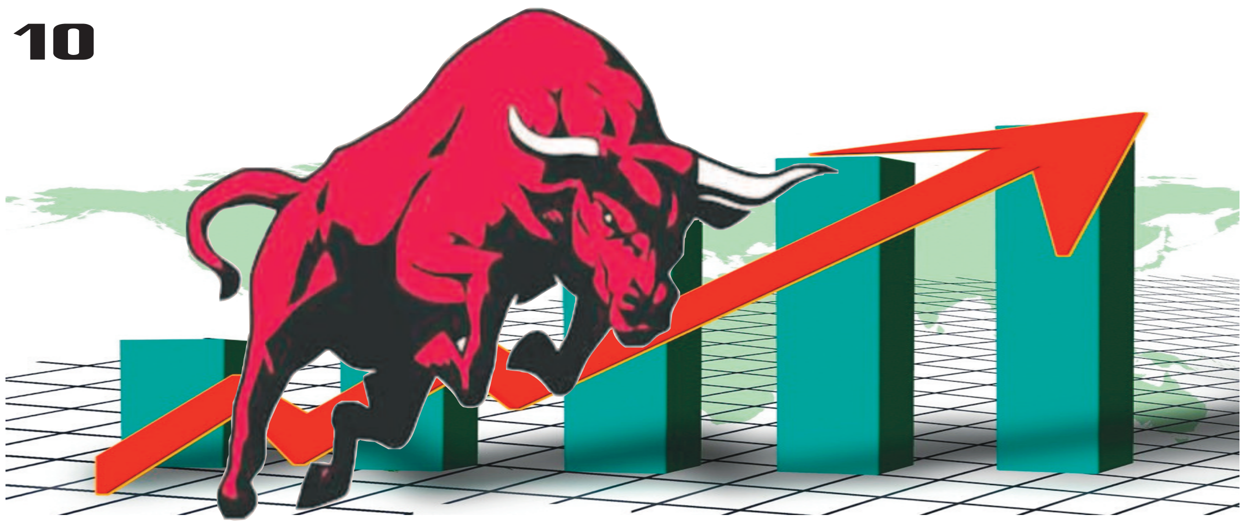

एक महीने के निचले स्तर पर फिसला बाजार,सेंसेक्स 635 अंक टूटा, निफ्टी 18200 के नीचे

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को हरे निशान पर खुलने के बावजूद बाजार में बिकवाली दिखी और दिन का कारोबार खत्म होते-होते यह एक महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। बुधवार को सेंसेक्स सेंसेक्स 635 अंकों की गिरावट के साथ 61067 पर और निफ्टी 186 अंकों की गिरावट के साथ 18199 पर बंद हुआ। बैंक निफ्टी में 741 अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह 42617 पर बंद हुआ। सबसे अधिक गिरावट मिडकैप शेयरों में दिखी

और ये शेयर 1.58 फीसदी तक टूटे। हालांकि बाजार में फार्मा, हेल्थकेयर और आईटी इंडेक्स में मजबूती दिखी। फार्मा इंडेक्स में 2.39 फीसदी, हेल्थकेयर इंडेक्स में 2.67 फीसदी और आईटी इंडेक्स में 0.53 प्रतिशत की तेजी रही। बुधवार के कारोबारी सेशन में बाजार में सनफार्मा, एचसीएल, टीसीएस, टेक महिंद्रा और नेस्ले इंडिया टॉप गेनर्स रहे, जबकि इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी और अल्ट्राटेक सीमेंट में सबसे ज्यादा गिरावट दिखी।

क्रिप्टोकरेंसी से आ सकता है अगला वित्तीय संकट

भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर दास बोले 'इसकी कोई ठोस वैल्यू नहीं, इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए'

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने बिटकॉइन जैसी क्रिप्टोकरेंसीज को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बनाया है। बिजनेस स्टैंडर्ड द्वारा आयोजित बीएफएसआई इनसाइट समिट में बोलते हुए शक्तिकांत दास ने कहा कि अगला वित्तीय संकट इन्हीं के चलते आ सकता है।

क्रिप्टोकरेंसीज हों प्रतिबंधित

भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर का कहना है कि इसकी कोई अंडरलाइंग (आधारभूत) वैल्यू नहीं है। इसके अलावा प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसीज मैक्रोइकोनॉमिक और वित्तीय स्थिरता के लिए बड़ा खतरा हैं। प्राइवेट क्रिप्टो का मतलब है कि इन पर किसी केंद्रीय नियामक का नियंत्रण नहीं है। उन्होंने कहां कि इन्हें प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। इस साल क्रिप्टोकरेंसी की कीमत 40 अरब डॉलर घटी शक्तिकांत दास ने डेटा बताते हुए कहा कि क्रिप्टोकरेंसी का मूल्य अब 140 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। इस साल इसके वैल्यूवेशन में लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर की गिरावट आई है।

ई-रुपया भविष्य की मुद्रा

दास ने खुदरा ई-रुपी पर बात करते हुए कहां कि ये भविष्य की मुद्रा है। उन्होंने आगे कहा कि सीबीडीसी के लिए लॉजिस्टिक्स बहुत सरल होगा और यह भारत को इस सदी में डिजिटल मुद्रा के मामले में सबसे आगे ले जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 1 दिसंबर को रिटेल डिजिटल रुपी के पायलट प्रोजेक्ट को लॉन्च लिया था। पायलट प्रोजेक्ट में डिजिटल रुपी क्रिएशन, डिस्ट्रीब्यूशन और रिटेल यूज की पूरी प्रोसेस को बारीकी से परखा जाएगा। महंगाई पर दास ने कहा महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार और केंद्रीय बैंक के बीच 'बेहद समन्वित प्रयास' रहा है। उन्होंने आगे कहा कि महंगाई और विकास को लकर हमारे पिछले कुछ अनुमान लगभग सटीक रहे हैं। आपको बता दें कि नवंबर महीने में रिटेल महंगाई घटकर 5.88% पर आ गई है। ये 11 महीनों का निचला स्तर है। दिसंबर 2021 में महंगाई 5.59% पर थी। इसके बाद से ये लगातार 6% के ऊपर बनी हुई थी।

हिमाचल की सड़कों पर दौड़ेंगी इलेक्ट्रिक बसें

शिमला, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल सरकार जल्द ही लोगों के सफर को आसान करने के लिए इलेक्ट्रिक बसें लेकर आएगी। हिमाचल पथ परिवहन निगम की डीजल बसों को इलेक्ट्रिक बसों में बदला जाएगा। शुरू में 300 के करीब बसों को रिप्लेस करके उनकी जगह पर इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। डिप्टी सेमी मुकेश अग्निहोत्री का कहना है कि अब एचआरटीसी में इनोवेशन की जरूरत हैं, क्योंकि एचआरटीसी लगातार घाटे में जा रहा है। डिप्टी सेमी मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों की खरीद के लिए एक पॉलिसी बनाई जाएगी। सेमी से डिस्कस करने के बाद इसे कैबिनेट की बैठक में रखा जाएगा। चार्जिंग स्टेशन कहां-कहां बनने हैं, इस पर भी चर्चा होगी। भारी भरकम घाटे को कम करने के लिए हमारी सरकार इस दिशा में जल्द काम करेगी। हिमाचल पथ परिवहन निगम लगातार घाटे में जा रहा है। महिलाओं के लिए 50 फीसदी किराए में छूट, ग्रीन कार्ड, सम्मान कार्ड और भैयादूज पर फ्री सर्विस।

स्थान	22 कैरेट गोल्ड (10ग्र)	24 कैरेट गोल्ड (10ग्र)	सील्वर (1केजी)
हैदराबाद	49,600 रुपये	54,110 रुपये	72,500 रुपये
बैंगलोर	49,600 रुपये	54,110 रुपये	72,500 रुपये
केरल	49,600 रुपये	54,110 रुपये	72,500 रुपये
विशाखापत्तनम	49,600 रुपये	54,110 रुपये	72,500 रुपये

स्थान	पेट्रोल पर लीटर	डीजल पर लीटर
हैदराबाद	109.67 रुपये	97.82 रुपये
दिल्ली	96.72 रुपये	89.62 रुपये
चेन्नई	102.63 रुपये	94.24 रुपये
मुंबई	106.31 रुपये	97.28 रुपये
बेंगलुरू	101.94 रुपये	87.89 रुपये

अब तक 5.62 लाख टन चीनी का निर्यात

फॉक्सकॉन के लिए 357 करोड़ मंजूर

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने चालू विपणन वर्ष 2022-23 में अब तक 5.62 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। सरकार ने नवंबर में चालू विपणन वर्ष (अक्तूबर-सितंबर) के लिए 60 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी थी। ऑल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन के मुताबिक, यूएई को सर्वाधिक निर्यात किया गया। बांग्लादेश दूसरे स्थान पर रहा।

पीएलआई : फॉक्सकॉन के लिए 357 करोड़ मंजूर

सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत एपल की आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन इंडिया के लिए 357.17 करोड़ की मंजूरी दी है। पैजेट इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए भी 58.29 करोड़ की राशि मंजूर की है। यह पहला मौका है, जब सरकार ने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण से जुड़ी किसी वैश्विक कंपनी के लिए योजना को मंजूरी दी है।

ईपीएफओ से 12.94 लाख अंशधारक जुड़े

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अक्तूबर में शुद्ध रूप से 12.94 लाख अंशधारक जोड़े हैं। इनमें 7.28 लाख नए सदस्य पहली बार ईपीएफओ के सामाजिक सुरक्षा दायरे में आए हैं। पेरोल आंकड़ों की सालाना आधार पर तुलना से पता चलता है कि अक्तूबर, 2022 में अंशधारकों की संख्या 21,026 बढ़ी है। देश के छह प्रमुख शहरों में बेहतर मांग के कारण इस साल कार्यालय स्थल की कुल मांग 52 फीसदी बढ़कर 5.01 करोड़ वर्ग फुट पर पहुंचने की उम्मीद है। कोलियर्स इंडिया के अनुसार, अगले साल कार्यालय स्थलों की मांग घटकर 3.5 से 3.8 करोड़ वर्ग फुट रह रहने का अनुमान है।

सेबी ने चंदामामा पत्रिका के पूर्व मालिकों पर एक साल के लिए शेयर बाजार में शामिल होने पर प्रतिबंध लगाया है। विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉन्ड के जरिये जुटाए गए 12.5 करोड़ डॉलर की हेराफेरी मामले में कार्रवाई की गई है। सेबी ने सिक्योरक्लाउड व उसके निदेशकों पर 10 करोड़ का जुर्माना लगाया है। इसे 45 दिन में चुकाना है। शेयर बाजार में कारोबार पर तीन साल तक की पाबंदी लगाई गई है।

वर्क फोर्स बढ़ रहा, लेकिन नौकरियां नहीं

दिसंबर में बेरोजगारी दर बढ़कर 8% से अधिक, लॉकडाउन के बाद बदतर हुए हालात

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में वर्क फोर्स यानी काम करने वाले लोगों की गिनती बढ़ती जा रही है, लेकिन नौकरी के अवसर घटते जा रहे हैं। दिसंबर महीने में देश में बेरोजगारी दर अब तक सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। दिसंबर के पहले तीन हफ्तों में वर्क फोर्स के मुकाबले बेरोजगारी दर 8% से भी ज्यादा रही है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के डेटा के मुताबिक, 18 दिसंबर को खत्म हुए हफ्ते में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर रिकॉर्ड 10.9% तक पहुंच गई। इसी अवधि में ग्रामीण बेरोजगारी दर 8.4% रही, जबकि नवंबर में यह दर 7.6% ही थी। सीएमआईई के प्रमुख महेश व्यास के मुताबिक, 2020 में पहले लॉकडाउन के बाद से यह दर 6%-8% के आगे नहीं बढ़ी थी। एक हफ्ते का डेटा बताता है कि काम तलाशने वाले लोग तो बढ़े हैं, लेकिन नौकरियां नहीं बढ़ी हैं। व्यास के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में बढ़ती बेरोजगारी थोड़ी चिंताजनक है। इसे इस बात से सही नहीं ठहराया जा सकता है कि खेती में काम करने वाले मजदूर बदलते रहते हैं। पिछले तीन साल की तुलना में भारत में रबी की फसल की कटाई का मौसम अब तक बेहतर रहा है। इस साल रबी की करीब 91% फसल की कटाई हुई है, जबकि पिछले दो साल से यह आंकड़ा 88% के आसपास ही था। टीमलीज की ताजा रिपोर्ट में संकेत है कि जनवरी से मार्च की चौथी तिमाही में भारत में नौकरियां के अवसर पैदा होते रहेंगे। खासकर सर्विस सेक्टर की 77% कंपनियां हायरिंग की योजना बना रही हैं। एक्सपर्ट मदन सबनवीस (चीफ इकोनॉमिस्ट, बैंक ऑफ बड़ौदा) और धर्मकीर्ति जोशी (क्रिसिल) के मुताबिक, आने वाले दिनों में अर्थव्यवस्था की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ सकती है। हालांकि रोजगार में बढ़ोतरी वाले सेक्टर पर ध्यान देकर स्थिति संभाली जा सकती है। मार्च तक आर्थिक गतिविधियां बढ़ने से कई सेक्टर में नौकरियां बढ़ सकती है। आने वाले दिनों में कंस्ट्रक्शन, स्टील, केमिकल, हॉस्पिटैलिटी, टूरिज्म और ऑटो सेक्टर में बढ़ोतरी की संभावना है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु---	06-19 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	मकर-	08-22 बजे
मंगल	वृष	में	कुंभ -	10-23 बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	11-51 बजे
गुरु-	मीन	में	मेष--	13-26 बजे
शुक्र-	धनु	में	वृष--	15-12 बजे
शनि-	मकर	में	मिथुन..	17-13 बजे
राहु-	मेष	में	कर्क...	19-24 बजे
केतु-	तुला	में	सिंह...	21-37 बजे
			कन्या..	22-47 बजे
			तुला	01-53 बजे
			वृश्चिक	04-04 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1443
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- दक्षिण -जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - 19 -13 राततक उपरान्त अमावस
मास - पौष कृष्ण पक्ष , गुरूवार Dec 22
नक्षत्र - ज्येष्ठा-04 -02 रात्रितक
योग - शूल - 15 - 43 - तक उप गण्ड
करण- विष्टि -08 - 49 - तक उप- शकुनि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - जयप्रभविजय पुण्य

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:38 से 15:00 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:45 - 08:06	शुभ	अमृत	17:43 - 19:23	शुभ
रोग.	08:06 - 09:29	अशुभ	चंचल	19:23 - 21:01	शुभ
उत्पात	09:29 - 10:52	अशुभ	रोग	21:01 - 22:38	अशुभ
चंचल	10:52 - 12:15	शुभ	काल	22:38 - 00:15	अशुभ
लाभ	12:15 - 13:38	शुभ	लाभ	00:15 - 01:52	शुभ
अमृत	13:38 - 15:00	शुभ	उत्पात	01:52 - 03:29	अशुभ
काल	15:00 - 16:23	अशुभ	शुभ.	03:29 - 05:06	शुभ
शुभ	16:23 - 17:43	शुभ	अमृत	05:06 - 06:45	शुभ

45.4% घटी मस्क की नेटवर्थ:12.24 लाख करोड़ पर आई, अडाणी की 4.1 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। एक समय दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी रहे एलन मस्क की नेटवर्थ लगातार घट रही है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार मंगलवार को उनकी नेटवर्थ 7.75 बिलियन डॉलर (करीब 64 हजार करोड़ रु.) कम होकर 148 बिलियन (करीब 12.24 लाख करोड़ रु.) पर आ गई है जो 2 साल में सबसे कम है। टेस्ला के शेयरों में लगातार गिरावट के कारण मस्क की नेटवर्थ घटी है। ट्विटर टेकओवर के लिए मस्क ने टेस्ला के शेयर बेचे हैं। ये भी नेटवर्थ गिरावट का कारण है। एक हफ्ते पहले मस्क को पछाड़कर फ्रांसीसी अरबपति और लुई विटॉ मोएट हेनेसी के सीईओ बर्नार्ड अरनॉल्ट पहले नंबर पर पहुंचे थे। उनकी नेटवर्थ 161 बिलियन डॉलर (करीब 13.32 लाख करोड़) है। वहीं तीसरे नंबर पर भारत के कारोबारी गौतम अडाणी है। अब मस्क और अडाणी की नेटवर्थ के बीच केवल 21 बिलियन डॉलर (1.73 लाख करोड़) का अंतर बचा है। 89.7 बिलियन डॉलर (7.42 लाख करोड़) के साथ भारत के एक और कारोबारी मुकेश अंबानी 8वें नंबर पर है। एलन मस्क की नेटवर्थ इस साल की शुरुआत में यानी 1 जनवरी को 271 बिलियन डॉलर (22.42 लाख करोड़ रुपए) थी जो घटकर 148 बिलियन डॉलर पर आ गई है। यानी इस साल अकेली ही मस्क की नेटवर्थ में 123 बिलियन डॉलर (45.4%) की कमी आई है।

गौतम अडाणी का बड़ा बयान

बोले- ट्रक यूनियनों के अड़ियल रवैये के कारण यह स्थिति बनी

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल में बिलासपुर के बरमाणा में एसीसी और सोलन जिला के दाड़लाघाट के अंबुजा सीमेंट प्लांट बंद हुए आज 7 दिन हो गए हैं। विवाद को सुलझाने के लिए आज सोलन में जिला प्रशासन, कंपनी प्रबंधकों और ट्रक ऑपरेटर्स की अहम बैठक हुई है, जिसमें कोई नतीजा नहीं निकला। यह पिछले 7 दिन में हुई तीसरी बैठक थी। ऐसे में हिमाचल में सीमेंट विवाद फिलहाल सुलझता नजर नहीं आ रहा है। बुधवार को सोलन डीसी ऑफिस में सीमेंट विवाद को सुलझाने के लिए हुई तीसरी बैठक में भी फैक्ट्री खोलने को लेकर कोई नतीजा नहीं निकल पाया है। बैठक में इतना जरूर तय हुआ कि अब ट्रक ऑपरेटर और कंपनी प्रबंधन के अधिकारियों की एक कमेटी बनेगी। दोनों पक्ष अपने सदस्यों की लिस्ट

वीरवार को अर्की के एसडीएम केशव राम को देंगें। कमेटी के सदस्य अब इस विवाद को सुलझाने के लिए फिर से मीटिंग करेंगे। दोनों पक्षों के बीच हुई बैठक में निकले निर्णय की रिपोर्ट प्रदेश सरकार को भेजी जाएगी। सोलन में डीसी सोलन कृतिका कुलहरी अध्यक्षता कर रही हैं। बैठक में प्रशासन के अधिकारियों के अलावा ट्रक ऑपरेटर्स और दोनों कंपनियों के अधिकारी मौजूद हैं। अंबुजा कंपनी में कार्यरत ट्रक ऑपरेटर सोसाइटी की कोर कमेटी के सदस्य बैठक में अपना पक्ष रख रहे हैं। जिला प्रशासन की ओर से डीसी के अलावा एडीसी जफर इकबाल, जिला उद्योग महाप्रबंधक एलआर वर्मा और एसडीएम केशवराम भी मौजूद हैं। मालभाड़े को लेकर उठे विवाद के बाद अडानी ग्रुप ने एसीसी और अंबुजा सीमेंट प्लांट्स बंद कर दिए। प्रदेश सरकार ने जिला प्रशासन को इस विवाद को हल करने का जिम्मा दिया है।वहीं इस मामले में अडाणी ग्रुप के चेयरपर्सन गौतम अडाणी का कहना है कि हमें बहुत खेद है कि हिमाचल प्रदेश की ट्रक यूनियनों के अड़ियल रवैये के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर प्रदेश है और बेहतर विकास का हकदार है।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी ।लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें ।हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं ।आपने निरंतर प्रयास किये हैं,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा ।समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा ।आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे ।बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें ।आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्बितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है। आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो। आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
उधार दिए हुए पैसे आपको वापस मिल सकते है ।आज के दिन आप एक ऐसे व्यक्ति से भी मिल सकते है जिसे आप पहले से जानते हो और वो आपकी काफी हद तक आपकी भविष्य में आय को बढाने में मदद कर सकता है और यहाँ तक की ये व्यक्ति आपको अच्छी आय वाली नौकरी दिलाने में भी मदद कर सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है ।आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं ।अगर आप थोड़ी सी नरमी दिखाए तो कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ आप शांत माहौल का मजा ले सकते है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है। आपके निवेश पर अच्छा लाभ मिलेगा। किसी भी तरह के विवाद से बचें .आपका स्पष्टीकरण मुद्दों को जटिल ही करेगा ।आप कुछ नया सीखना चाहते हैं,इससे आपको औरों के मुकाबले तरजीह मिलेगी,चाहे आप केवल साधारण रूप से गिटार ही सीखें।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे ।यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे ।इसके बारे में अच्छे से सोच लें।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं। आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं। जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे। आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आज आपका मूड हल्का फुल्का और नाटकीय बना रहेगा और आज आप हर खुबसूरत चीज से प्रभावित होंगें ।इससे आपका कुछ अनावश्यक खर्च भी हो सकता हैं ।आज आप जो भी करेंगे,उसमें सौन्दर्यबोध का काफी असर रहेगा ।आज सुन्दरता से सम्बंधित कोई उपचार ले सकते हैं,पूरे दिन हंसी मजाक वाले मूड में रहेंगे।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं ।लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें। आपके पास अच्छी संचार कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें ।तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें ।आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

अपने बेटे से ज्यादा सब्जी वाले के लड़के का नंबर देख मायूस हो गए थे नितिन गडकरी

बाद में उसी के इलाज में खर्च कर दिया था पुरस्कार में मिला सारा पैसा

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लोगों की मदद करने के लिए भी जाने जाते हैं। ऐसा ही एक किस्सा जब उन्होंने कुछ महीने पहले एक कार्यक्रम में सुनाया तो लोगों की आंखें भर आई थीं। नितिन गडकरी ने बताया कि नागपुर के मेडिकल चौक पर एक सब्जी बेचने वाला बैठता था। उसका लड़का और मेरा बेटा एक साथ बछराज व्यास विद्यालय में पढ़ा करते थे। 12वीं का रिजल्ट आया तो सब्जी वाले के लड़के के 84 प्रतिशत नंबर आए और मेरे बेटे के 51 प्रतिशत।मेरे बेटे ने जब मुझे इस बारे में बताया तो मैंने उस लड़के से पूछा कि तुम्हारे घरवाले क्या करते हैं। उसने बताया कि मां बर्तन साफ करने का काम करती हैं और पिताजी सब्जी बेचते हैं। मुझे अच्छा लगा और थोड़ा दुख भी हुआ कि अपने घर में सब कुछ सुविधा होने के बाद भी अपने बेटे को कम नंबर मिला। करीब 8 दिन बाद एक दिन मेरे बेटे ने मुझे बताया कि उस लड़के की तबीयत अचानक बहुत बिगड़ गई है और मेडिकल कॉलेज में भर्ती है। आप डीन को फोन करो।

मेरे एक परिचित की पत्नी वहां डीन थीं। मैंने उनको फोन किया और कहा कि थोड़ा इस लड़के की चिंता करो। 3 दिन बाद उनका फोन आया और कहा कि सर, ये केस बहुत डिफिकल्ट है। इसको बहुत सीरियस कैंसर लग रहा है और मुंबई ले जाना होगा।बकौल नितिन गडकरी , जब उसके परिवार को इस बात का पता चला तो परिवार टूट गया। मुंबई जाने की तो सोच भी नहीं सकते थे। इसी बीच मुझे नागपुर में 'नाग-भूषण' नाम का एक अवार्ड मिला। उस अवार्ड की 1.5 लाख रुपये की राशि मैंने उसे दे दी। साथ में एक लाख रुपये और दिए और कहा कि तुरंत हवाई जहाज से मुंबई पहुंचे। मुंबई में डॉ. आडवाणी कैंसर के बड़े डॉक्टर हैं। मैंने उनको फोन किया और बताया कि ऐसा -ऐसा है। लड़के का 3 महीने वहां ट्रीटमेंट हुआ। नितिन गडकरी ने आगे बताया, 'मैं उस वक्त मालाबार हिल में रहा करता था। एक दिन सुबह उठा तो देखा कि उस लड़के के माता-पिता और तमाम लोग मेरी गाड़ी के पास खड़े हैं और जोर-जोर से रो रहे हैं। मुझे लगा कि शायद डॉक्टर ने जवाब दे दिया है और कह दिया है कि वक्त नहीं बचा है। मैंने पूछा कि क्या हुआ? तबीयत ठीक नहीं है क्या बेटे की? तो उन्होंने कहा, नहीं साहब लड़का पूरी तरह ठीक हो गया है। यह खुशी के आंसू हैं'।

इंजीनियरिंग में एडमिशन कराया, अब वहीं लेक्चरर

नितिन गडकरी ने कहा कि बाद में मैंने उस लड़के से पूछा कि अब तुम आगे क्या करोगे, तो उसने कहा कि मुझे फार्मेसी में एडमिशन दिला दो। मैंने कहा कि 12वीं में इतने अच्छे नंबर हैं, इंजीनियरिंग क्यों नहीं करते? उसने कहा कि मेरे पास पैसे कहां है। मैंने फौरन दत्ता मेघे कॉलेज को फोन किया और कहा कि ऐसा-ऐसा लड़का है, आप इसको एडमिशन दे दो, पूरी फीस मैं दूंगा। उन्होंने कहा कि आप फीस क्यों दोगे, बस उसे भेज दो। उस लड़के ने वहीं से बीटेक और एमटेक किया। आज उसी कॉलेज में लेक्चरर है।

20 हजार से ज्यादा लोगों का करा चुके हैं हार्ट का ऑपरेशन

एक कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने बताया था कि वे अब तक 20 हजार से ज्यादा लोगों के हार्ट का निशुल्क ऑपरेशन करा चुके हैं। उन्होंने बताया था कि जब वे विधायक थे, तब नागपुर से तमाम लोग इलाज के लिए मुंबई आते थे और उनके यहां ठहरते थे। नितिन गडकरी कहते हैं कि मेरा हमेशा से एक मंत्र रहा है कि आप जितने लोगों की सेवा करते हो भगवान उससे 10 गुना ज्यादा आपको देता है।

परिवार को दी है एक सीख

नितिन गडकरी कहते हैं कि एक वक्त मैं बहुत कर्ज में था। उद्योग-व्यापार में कर्ज लेना पड़ता था। लेकिन मैंने अपने बच्चों को बताया है कि अपनी आमदनी का इतना पैसा गरीबों की मदद में देना है, चाहे कुछ हो जाए। इसका फल जरूर मिलता है।

बदरपुर बॉर्डर से दिल्ली में 24 दिसंबर को दाखिल होगी भारत जोड़ो यात्रा

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 24 दिसंबर को बदरपुर बॉर्डर से दिल्ली में दाखिल होगी। सुबह 6 बजे बॉर्डर से यात्रा शुरू होगी और करीब 12 किलोमीटर का रास्ता तय करने के बाद जयराम आश्रम चौक पर विश्राम के लिए रुकेगी। दोपहर 1.30 बजे के बाद यात्रा निजामुद्दीन, आईटीओ चौक, राजघाट होती हुई शाम 4.30 बजे लाल किला पहुचेगी। यात्रा में पहुंचने के लिए प्रत्येक वार्ड से पार्टी के कार्यकर्ताओं और दिल्लीवासी बसों में रवाना होंगे। भारत जोड़ो यात्रा में दिल्ली के नागरिकों, आरडब्लूए. सामाजिक संगठन, स्कूल, सरकारी व गैर सरकारी कर्मचारी भी शामिल होंगे। प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में ''मिले कदम, जुड़े वतन-हम चलेंगे, यात्रा से जुड़ने के लिए वेबसाइट पर 23 दिसंबर को 12 बजे तक कोई भी पंजीकरण करवा सकता हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जय प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि जिसके

दिल में दर्द होगा वही देश की ज्वलंत समस्याओं, नफरत व सांप्रदायिकता के खिलाफ लड़ रहे राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो यात्रा के साथ जुड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के तानाशाही रवैये के कारण देश बिखर रहा है।

25000 पंजीकरण

प्रदेश कार्यालय में भारत जोड़ो यात्रा के पंजीकरण के लिए बने कंट्रोल में अब तक 25000 से अधिक कार्यकर्ता और नागरिक पंजीकरण करवा चुके हैं। यात्रा के प्रचार के लिए पोस्टर, होर्डिंग, पेंटिंग सहित एफएम पर भी राहुल गांधी का संदेश प्रसारित किया जाएगा। भारत जोड़ो यात्रा के प्रचार प्रसार के लिए हर घर पंफलेट बंटवाए जा रहे हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय माकन, जेपी अग्रवाल, सुभाष चोपड़ा, अरविंदर सिंह लवली ने संबोधित किया।

108 दिन बाद दिल्ली में प्रवेश करेगी

अनिल कुमार ने कहा कि देश में ज्वलंत मुद्दों महंगाई, बेरोजगारी, नफरत की भावना, सांप्रदायिकता व तानाशाही सरकार के देश विरोधी निर्णयों के खिलाफ राहुल गांधी ने जनता के लिए जनता के दरबार में जाना सही समझा। देशवासियों के हितों की रक्षा के लिए सात सितंबर को कन्याकुमारी से 3,570 किलोमीटर की 150 से अधिक दिन की यात्रा। 108 दिन बाद यात्रा 24 दिसम्बर को हरियाणा से होकर दिल्ली में बदरपुर बॉर्डर से प्रवेश करेगी।

लोगों में उत्साह: माकन

अजय माकन ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, नफरत की भावना, गरीब अमीर के बीच बढ़ती खाई और चुनिंदा लोगों को सरकार की ओर से फायदा पहुंचाने के खिलाफ हमारे नेता राहुल गांधी ने देश की आवाज बनकर भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की है।

संपर्क साध रहे

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नागरिकों में भारत जोड़ो यात्रा को लेकर काफी उत्साह है। इसमें शामिल होने के लिए डॉक्टर, वकील, प्रोफेसर, टीचर, व्यापारी सहित पेशेवर भी कांग्रेस के साथ संपर्क साध रहे हैं।

भूकंप के जोरदार झटकों से दहला अमेरिका का कैलिफोर्निया 6.4 मापी गई तीव्रता

2 लोगों की मौत और 11 घायल

कैलिफोर्निया, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया के इयूरेका इलाके में भूकंप आने से दो लोगों की मौत हो गई है। जबकि 11 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इस बात की जानकारी यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने दी है। इस भूकंप के कारण सड़कों और घरों को नुकसान पहुंचा है। भूकंप इतना जोरदार था कि लोग नींद से जाग गए। अब हजारों लोग बिना बिजली के रहने को भी मजबूर हैं। सैन फ्रांसिस्को के उत्तर-पश्चिम में लगभग 343 किलोमीटर दूर स्थित फर्नडेल के पास देर रात दो बजकर 34 मिनट पर 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। इस भूकंप का केंद्र तट के पास 10 मील की गहराई में था। इसके बाद भूकंप बाद के कई झटके महसूस किए गए। देश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर नजर रखने वाली 'पावरआउटेज डॉट कॉम' ने बताया कि भूकंप के बाद 55,000 से अधिक उपभोक्ताओं ने बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायत की।

आखिरी सांसें गिन रहा नासा का मंगल इनसाइट लैंडर, भेजा भावुक संदेश

फ्लोरिडा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का मंगल इनसाइट लैंडर अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। लैंडर ने धरती पर एक भावुक संदेश भेजकर कहा है कि उसी ताकत कम हो रही है। नासा इनसाइट लैंडर के ट्विटर हैंडल से किए गए ट्वीट में एक मंगल की एक तस्वीर साझा करते हुए कहा गया है, 'मेरी ताकत वास्तव में कम हो रही है इसलिए यह शायद मेरी ओर से भेजी गई आखिरी तस्वीर हो। हालांकि मेरी चिंता मत करना, यहां मेरा समय उत्पादक और सुंदर रहा है। मेरे साथ बने रहने के लिए धन्यवाद।' इस ट्वीट के साथ ही माना जा रहा है कि नासा का चार साल का यह मिशन अब खत्म हो सकता है। नासा ने नवंबर में जानकारी दी थी कि धूल लैंडर की सतह पर जम गई है। इसने लैंडर की सारी ऊर्जा सोख ली है। मंगल पर कदम रखने के बाद से इनसाइट लैंडर ने इस लाल ग्रह की कई बेहतरीन तस्वीरें भेजीं हैं। इसने जो जानकारियां भेजी हैं उसने मंगल के अंदरूनी हिस्सों को लेकर वैज्ञानिकों की समझ बदल दी है। इसके कारण भविष्य के मंगल मिशन अब नई समझ के साथ होंगे। इनसाइट ने बखूबी पूरा किया अपना काम...2018 में मंगल पर कदम रखने वाले इनसाइट लैंडर ने अपना काम बखूबी पूरा किया। नासा ने मंगल की संरचना को समझने और ग्रह टेक्टोनिकली कितना सक्रिय है यह पता करने का काम इनसाइट लैंडर को सौंपा था।

पंजाब में बिछी कोहरे की चादर, कई जिलों में 16 घंटे तक बिजली गुल

चंडीगढ़, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। घने कोहरे की वजह से अब दिन के पारे में भी गिरावट शुरू हो गई है। चंडीगढ़ समेत पंजाब के सभी जिलों में दिन के तापमान में एक से सात डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। उधर, धुंध की वजह से पंजाब के कई जिलों में 16 घंटे बिजली गुल रही। अधिकतर जिलों में सोमवार रात गई बिजली मंगलवार शाम को चालू हो पाई। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग का कहना है कि हवा की गति धीमी पड़ने और नमी से धुंध की चादर बिछ गई है। हालांकि 11 बजे के बाद कुछ जगहों से धुंध छटी, लेकिन ठंड से राहत नहीं मिली। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए पंजाब के 17 जिलों में रेड अलर्ट घोषित किया है। मौसम विभाग के निदेशक मनमोहन सिंह के मुताबिक अगले सात दिनों तक पंजाब में मौसम शुष्क ही रहेगा और बारिश की संभावना नहीं है। लुधियाना में सुबह साढ़े 8 बजे तक, अमृतसर में सुबह साढ़े 11 बजे तक जीरो दृश्यता दर्ज की गई। फरीदकोट में सुबह के समय केवल 50 मीटर, पटियाला में मात्र 10 मीटर की दृश्यता रिकॉर्ड हुई। मंगलवार को पंजाब में सबसे कम 3.4 डिग्री के न्यूनतम तापमान के साथ बठिंडा सबसे ठंडा रहा। अमृतसर का न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री, लुधियाना का 8.1 डिग्री, पटियाला का 10.4 डिग्री, पठानकोट का 5.8 डिग्री, जालंधर का 9.0 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए होशियारपुर, नवांशहर, कपूरथला, जालंधर, पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, तरनतारन, लुधियाना, बरनाला, मानसा, संगरूर, मालेरकोटला, फतेहगढ़ साहिब, रूपनगर, पटियाला व मोहाली जिले में रेड अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में सुबह व रात को घनी धुंध पड़ेगी व शीत लहर चलेगी। गुरुवार सुबह भी पंजाब के इन जिलों में घनी धुंध रहेगी।

किम की बहन यो-जोंग ने खुफिया उपग्रह पर संदेह वाले आकलन को 'कुत्तों के भौंकने' जैसा बताया

सियोल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने उस आकलन को 'दुर्भावनापूर्ण अपमान' और 'कुत्तों के भौंकने' के बराबर बताते हुए खारिज कर दिया, जिसमें देश के जासूसी उपग्रह व अन्य सैन्य क्षमताओं पर संदेह जताया गया है। उत्तर कोरिया ने कहा था कि उसने अपने पहले खुफिया उपग्रह के निर्माण के लिए अंतिम चरण के परीक्षण किए हैं। उत्तर कोरियाई समाचार एजेंसी केसीएनए ने इस बाबत दो तस्वीरें भी जारी की थीं। वर्कर्स पार्टी की वरिष्ठ अधिकारी किम यो-जोंग ने कहा, क्या उन्हें नहीं लगता कि उनका आकलन लापरवाही भरा है। उन्होंने उपग्रह की तस्वीरों पर दक्षिण कोरिया के विशेषज्ञों की टिप्पणी को बकवास, दुर्भावना से किया जाने वाले अपमान और कुत्तों के भौंकने जैसा बताया। यो-जोंग ने कहा, उपग्रह परीक्षण के दौरान एक आम कैमरे का

इस्तेमाल इसलिए किया गया, क्योंकि एक बार के परीक्षण के लिए महंगे, उच्च-रेजॉल्यूशन वाले कैमरे का इस्तेमाल करने का कोई मतलब नहीं बनता। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया ने अंतरिक्ष प्रक्षेपण वाहनों के रूप में दो पुरानी मिसाइलों का इस्तेमाल किया है। उन्होंने दक्षिण कोरिया के उस आकलन को भी खारिज कर दिया कि उत्तर कोरिया के पास अमेरिका को निशाना बनाने में सक्षम पर्याप्त प्रौद्योगिकी नहीं है।

अमेरिका ने उड़ाए बमवर्षक, स्टील्थ जेट

अमेरिका ने मंगलवार किम जोंग-उन की बहन की धमकी के बाद कोरियाई प्रायद्वीप के पास दक्षिण कोरिया के साथ साझा युद्धाभ्यास के दौरान जंगी विमानों के साथ परमाणु सक्षम बमवर्षक और उन्नत स्टील्थ जेट उड़ाए। इससे क्षेत्र में तनाव फैला हुआ है। दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी बी-52 बमवर्षकों और एफ-22 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की तैनाती दक्षिण कोरिया की रक्षा के लिए एक समझौते का हिस्सा थी। यह साझा युद्धाभ्यास जेजू द्वीप के दक्षिण-पश्चिम समुद्र में हुआ। अमेरिकी एफ-22 जेट चार साल में पहली बार दक्षिण कोरिया में तैनात किए गए थे और साझा प्रशिक्षण के लिए इस पूरे सप्ताह रुकेंगे।

हाईकोर्ट के फैसले से अंकिता के परिजनों का झटका

सीबीआई जांच को लेकर दायर याचिका खारिज

नैनीताल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के ऋषिकेश के वनंतरा रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी की हत्या के चर्चित मामले की सीबीआई जांच को लेकर दायर याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा की पीठ ने मामले में सुनवाई पूरी कर निर्णय सुरक्षित रख लिया था, जो आज बुधवार को दिया गया। अपने निर्णय में कोर्ट ने कहा कि एसआइटी सही जांच कर रही है। इससे पहले कोर्ट ने मृतका के माता पिता को याचिका में पक्षकार बनाते हुए उनसे अपना विस्तृत जवाब पेश करने को कहा था। उनसे भी कोर्ट ने पूछा था कि एसआइटी की जांच पर क्यों संदेह है। जबकि एसआईटी ने कहा था कि रिसॉर्ट के कमरे को बुलडोजर से ध्वस्त करने से पहले फोटोग्राफी कर ली गई थी। मृतका के कमरे से भी एक बैग के अलावा कुछ नहीं मिला था। बता दें अंकिता की माता सोनी देवी व पिता बीरेंद्र सिंह भंडारी ने अपनी बेटी को न्याय दिलाने व दोषियों को फांसी की सजा दिए जाने को लेकर याचिका में प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें आरोप लगाया था कि एसआईटी इस मामले की जांच में लापरवाही कर रही है।

तालिबान का नया फरमान

अब अफगानिस्तान में यूनिवर्सिटी की पढ़ाई नहीं कर सकेंगी महिलाएं

काबुल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। तालिबान ने अफगानिस्तान में लड़कियों की यूनिवर्सिटी की पढ़ाई पर पूरी तरह बैन लगा दिया है। तालिबान के हायर एजुकेशन मिनिस्टर नेदा मोहम्मद नदीम ने सभी सरकारी और प्राइवेट यूनिवर्सिटीज को एक लेटर लिखा है। इसमें कहा गया है कि अगला नोटिस जारी किए जाने तक यह नियम लागू रहेगा। इस फैसले को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। सेक्रेटरी जनरल एंटोनियो गुटेरेश ने बुधवार को कहा कि ये लड़कियों और महिलाओं के मानव अधिकारों का हनन है। वहीं, अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि तालिबान को इंटरनेशनल कम्यूनिटी का मेंबर नहीं माना जा सकता।

पढ़ाई कर रही छात्राओं में आक्रो

बीबीसी से बातचीत में अफगानिस्तान की यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने वाली एक छात्रा ने कहा- तालिबान ने उस एकमात्र पुल को नष्ट कर दिया, जो मुझे मेरे भविष्य से जोड़ता था। मुझे भरोसा है कि मैं पढ़ाई कर अपनी जिंदगी बदल सकती हूं, लेकिन तालिबान ने मेरी उम्मीदें तोड़ दीं।

तालिबान ने पहले भी लड़कियों की पढ़ाई छुड़वाई

बता दें कि तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद लड़कियों की शिक्षा पर एक बयान जारी किया था। इसमें कहा गया था कि लड़कों के स्कूल में लड़कियां नहीं पढ़ सकेंगी। उन्हें केवल महिला टीचर या बूढ़े पुरुष ही पढ़ा सकते हैं। तालिबान ने स्कूल में लड़के और लड़कियों के एकसाथ बैठने पर भी पाबंदी लगा दी थी। उनकी सेकेंडरी स्कूल की पढ़ाई पर भी बैन लगा दिया गया था।

3 महीने पहले ही महिलाओं ने दिए थे एग्जाम

तालिबान ने 3 महीने पहले ही महिलाओं को यूनिवर्सिटी के एंट्रेंस एग्जाम में बैठने की इजाजत दी थी। हजारों युवतियों और महिलाओं ने अफगानिस्तान के कई राज्यों में एग्जाम दिए थे। हालांकि यूनिवर्सिटी में विषयों के चयन को लेकर तालिबान ने प्रतिबंध लगाए थे। महिलाएं इंजीनियरिंग, इकोनॉमिक्स, साइंस और एग्रीकल्चर जैसे विषय नहीं पढ़ सकती थीं।

तालिबान को आतंकी संगठन माना जाता है

इंटरनेशनल कम्यूनिटी में तालिबान को आतंकी संगठन माना जाता है। दुनिया के कई देश इसे सरकार का दर्जा नहीं देते हैं। तालिबान ने देश में इस्लामी कानून लागू किया हुआ है। महिलाओं पर हिजाब पहनने; पार्क, जिम और स्विमिंग पूल जैसी जगहों पर न जाने जैसे प्रतिबंध लगाए हुए हैं। अब वह लड़कियों की शिक्षा को बैन करना चाहता है।

यमुनानगर के जंगल में मिला गला सड़ा शव:लाश तक मुश्किल से पहुंची पुलिस; कई दिन से देख रहे थे लोग, नहीं दी सूचना

यमुनानगर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के यमुनानगर में इशोपुर-पताशा गढ के बीच पश्चिमी यमुना नहर के किनारों के साथ लगते जंगल में बुधवार सुबह एक व्यक्ति का शव फंदे पर लटका मिला। शव करीब 15 दिनों से पेड़ पर लटका हुआ है। उसका मुंह भी कंकाल में बदल चुका था। मृतक की पहचान नहीं हुई है। शव पेड़ के बीच में बुरी तरह से फंसा हुआ मिला है। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर छानबीन की और शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भेजा। पुलिस जांच जारी है। यमुनानगर थाना सदर प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव इशोपुर और पताशगढ़ में पश्चिमी यमुना नहर के किनारों के साथ लगते जंगल में एक गला सड़ा शव लटका हुआ है। पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची तो यहां पर पेड़ों के बीच बुरी तरह से फंसा हुआ एक व्यक्ति का शव लटका मिला। लाश को देख कर लग रहा है कि यह काफी पुरानी है।

एटीएम में कम कैश डाल कर की 54.50 लाख से अधिक की हेराफेरी

धर्मपुर (मंडी), 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जिला मंडी के एटीएम में पैसा डालने वाली निजी कंपनी के दो कर्मचारियों ने 54 लाख 78 हजार 500 रुपये की हेराफेरी को अंजाम दिया है। आरोपी हमीरपुर निवासी हैं। शातिर एटीएम में कम पैसा डालते रहे और झूठी कैश रिपोर्ट कंपनी को देते रहे। 16 और 17 दिसंबर को कंपनी के ऑडिटर ने यह मामला पकड़ा और सूचना कांगड़ा स्थित कंपनी प्रबंधन को दी। ब्रांच मैनेजर की शिकायत पर धर्मपुर थाना में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आरोपियों के बैंक अकाउंट और संपत्तियों को खंगाला जा रहा है। इस मामले की शिकायत भूपेंद्र सिंह (34) निवासी गांव मावा ज्वाली जिला कांगड़ा ने धर्मपुर पुलिस थाने में दी है। शिकायत में उन्होंने बताया कि वह सिक्योरिट्रन प्राइवेट लिमिटेड में ब्रांच मैनेजर के पद पर तैनात हैं। कंपनी का कार्यालय कांगड़ा में है और मुख्य कार्यालय नारायण बिहार दिल्ली में है। यह कंपनी बैंक इंडस्ट्री के साथ जुड़ी हुई है और एटीएम में कैश मैनेजमेंट (कैश लाने और डालने) का कार्य देखती है। शिकायत में बताया गया कि आरोपी भोरंज हमीरपुर निवासी नरेंद्र सिंह, और गरौड़ सुजानपुर हमीरपुर निवासी बाउनिश राणा मंडी और सरकाघाट के हब में कंपनी के एटीएम कस्टोडियन के पद पर तैनात हैं। कस्टोडियन की ड्यूटी है कि वह एटीएम तक कैश लेकर जाएं और उसे एटीएम मशीन में डालें।

इन कस्टोडियन को मैनुअल लॉगइन, पासवर्ड और ओटीपी के लिए कंपनी की ओर से अधिकृत किया गया होता है। जिससे वह एटीएम का संचालन करके पैसे डालें और बाद में कैश बैलेंस रिपोर्ट कंपनी प्रबंधन को सौंपे। बताया गया कि 16 और 17 दिसंबर को ऑडिटर राजीव चंद ने इस हब का ऑडिट किया गया। ऑडिट में एटीएम में डाले गए कैश में से 54 लाख 78 हजार 500 रुपये का अंतर निकला । आरोप है कि इन दोनों कर्मचारियों ने कैश में बड़ी हेराफेरी की है। आरोप लगाया कि आरोपी कर्मचारी एटीएम में पैसा कम डालते रहे और फर्जी रिपोर्ट कंपनी प्रबंधन को भेजते रहे। उधर, ब्रांच मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता 406, 409, 420, 465, 467, 469 व 120-बी,34 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसपी शालिनी अग्निहोत्री ने कहा कि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

काटजू में ओटी लाइट हुई खराब:मोबाइल टॉर्च की रोशनी में करना पड़ी सर्जरी

भोपाल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। नवनिर्मित काटजू अस्पताल में सोमवार रात में एक गर्भवती महिला का ऑपरेशन मोबाइल टार्च की रोशनी में करना पड़ा। कारण, ऑपरेशन थिएटर में सर्जरी के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली ओटी लाइट अचानक खराब हो गई। मामला सोमवार रात करीब 8:30 बजे से रात 11:30 बजे का है। इस दौरान भोपाल निवासी पूनम पति अविनाश को प्रसव के लिए ओटी के भीतर ले जाया गया। जैसे उन्हें भीतर ले गए तो हॉस्पिटल की बिजली गुल हो गई। बैकअप के लिए लगाए गए जनरेटर को स्टार्ट किया तो बाकी लाइट तो चालू हो गई, लेकिन ओटी लाइट ऑन नहीं हुई जबकि इसी ओटी की बाकी लाइट जल रही थी। टीम ने काफी देर तक ओटी लाइट चालू होने का इंतजार किया। इस दौरान काटजू प्रबंधन ने हेल्थ डिपार्टमेंट के इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट को भी सूचित कर दिया। इधर, प्रसूता की हालत देखकर स्त्री सर्जरी टीम में शामिल स्त्री रोग विशेषज्ञ और बाकी टीम ने सर्जरी का फैसला किया। मौजूद स्टाफ में से तीन लोगों ने अपने मोबाइल की टार्च जलाकर फोकस बनाया और डॉ. जरीना खान ने सर्जरी की। अच्छी बात यह रही कि सर्जरी सफल रही। जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

इतिहास की सबसे 'खूंखार' घटना में कोर्ट ने सुनाया फैसला

97 साल की बुजुर्ग महिला 10505 लोगों की हत्या की दोषी करार

बर्लिन, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जर्मनी में एक 97 साल की बुजुर्ग महिला को 10505 लोगों की हत्या का दोषी पाया गया है। इस महिला का नाम इर्मगार्ड फर्चनर है। जो नाजी कैंप में एक टाइपिस्ट के तौर पर काम करती थी। इर्मगार्ड नाजी जर्मनी के समय में एक सेक्रेटरी के तौर पर काम करती थी और हिरासत में लिए जाने के समय टीनेजर थी। इसके साथ ही नाजियों द्वारा किए गए अपराधों के मामले में दोषी साबित होने वाली पहली महिला भी है। उसे स्टेफॉथ से गिरफ्तार किया गया था। वह यहां 1943 से 1945 तक काम करती थी। इर्मगार्ड को अदालत ने दो साल की निलंबित जेल की सजा सुनाई थी। वह घटना के वक्त एक सिविल वर्कर थीं लेकिन कोर्ट का कहना है कि कैंप में क्या चल रहा था, उससे वह पूरी तरह वाकिफ थी। ऐसा कहा जाता है कि स्टेथॉफ के शिविरों में स्थितियां काफी भयावह थीं। स्टेथॉफ में 65,000 लोग मारे गए थे। इर्मगार्ड स्टेथॉफ शिविर में मरने वालों के मृत्यु प्रमाण पत्र पर मुहर लगाने का काम करती थी। इनमें से कुछ गैर-यहूदी कैदी थे और कुछ सोवियत सैनिक थे। इर्मगार्ड 18 या 19 साल की थी, जब उसे गिरफ्तार किया गया था। उसका ट्रायल विशेष किशोर न्यायालय में चला था। स्टेथॉफ पोलैंड के ग्दान्स्क शहर के करीब है। अमेरिका स्थित होलोकॉस्ट म्यूजियम के मुताबिक, स्टैथॉफ में कैदियों को मारने के लिए कई तरह के क्रूर तरीके अपनाए जाते थे। यहां तक कि उन्हें गैस चैंबर में भी रखा जाता था। इर्मगार्ड ने अपने खिलाफ जांच शुरू होने के 40 दिन बाद कहा था, 'जो हुआ उसके लिए मैं माफी मांगती हूं। आज तक मुझे खेद है कि मैं उस समय स्टेथॉफ में थी। मैं यही कह सकती हूं। जून 1944 से इन कैदियों के ट्रायल का सिलसिला शुरू हो गया था। जिस अदालत में इर्मगार्ड की सुनवाई की गई थी, वह उत्तरी जर्मनी के इत्जेहो में है। जो कैदी बच गए थे, उनमें से कुछ की मृत्यु हो गई थी, लेकिन अदालत ने उनसे पूरी कहानी सुनी थी। ट्रायल सितंबर 2021 में शुरू हुआ था। इर्मगार्ड उस वक्त अपने रिटायरमेंट होम से भाग गई थी। इसके बाद पुलिस ने उसे हैम्बर्ग की एक गली में पकड़ लिया। इर्मगार्ड की सजा पर अभी कुछ नहीं कहा गया है। लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस उम्र में सजा देना गलत है। लेकिन इर्मगार्ड को जो भी सजा दी जानी चाहिए, वह अपराध की गंभीरता को दर्शाए। स्टेथॉफ के कमांडेंट पॉल वर्नर हॉपी को साल 1955 में जेल भेज दिया गया था। उन्हें कई हत्याओं में मदद करने वाला माना जाता है। हालांकि, उन्हें पांच साल बाद रिहा कर दिया गया था।

हिसार में 5 ताले तोड़ जेवर-42 हजार रुपए चुराए:मां को दवा दिलाने गया था परिवार; पड़ोसियों ने सुनी आवाज, नहीं निकले बाहर

हिसार सिटी, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार में बीते 2 दिनों से रात में घना कोहरा देखने को मिल रहा है। चोर भी कोहरे का फायदा उठाकर आसानी से चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला उकलाना मंडी के प्रेम नगर का है। चोरों ने रात को घर में लगे 5 तालों को तोड़ कर सोने चांदी के गहनों के साथ 42 हजार रुपए चुरा लिए। मकान मालिक भीम सोनी की शिकायत पर उकलाना थाना पुलिस ने चोरों के खिलाफ धारा 457 व 380 के तहत केस दर्ज किया है।

नारंगी रंग बढ़ाता है एनर्जी, शादी-ब्याह में क्यों भाता है लाल

कलर थेरेपी कैसे दूर करती है तनाव

एक्सक्लूसिव डेस्क, 21 दिसंबर। दीपिका पादुकोण की भगवा बिकिनी हिंदू संगठनों को नहीं सुहा रही। वहीं मुस्लिम एक्टिविस्ट इसे चिश्ती रंग बताकर इस रंग पर आपत्ति जता रहे हैं। एक रंग के लिए इतना बवाल मचा हुआ है। कभी आपने सोचा है कि ऐसा क्यों हैं कि जो रंग आपको भाता है वो दूसरे को पसंद क्यों नहीं आता। क्यों तय किया गया था कि लाल-पीला रंग हिंदुओं के शुभ कामों में यूज होगा। शादी में तो कपड़ों का रंग बदल जाता है, लेकिन ऐसा क्यों कि किसी भी धर्म में शोक जताने के लिए काला और सफेद ही पहना जाता है।

एक स्टडी के अनुसार, रंग इंसान के मूड और बिहेवियर पर असर डालते हैं। असर भी इतना गहरा कि इमोशन ही बदल जाते हैं। सवाल है कि आखिर कलर साइकोलॉजी क्या है? तो बता दें कि कलर साइकोलॉजी का मतलब है- किसी भी रंग को देखकर मन में कोई भावना यानी इमोशन महसूस होना। रंगों और इमोशन का आपस में कनेक्शन ही कलर साइकोलॉजी है। बहुत से रंग यूनिवर्सल होते हैं क्योंकि इनका इफेक्ट ब्रेन पर पड़ता है। बता दें कि कलर स्पेक्ट्रम का रेड एरिया गर्म रंगों के तौर पर जाना जाता है। इसमें शामिल होता है- लाल, नारंगी और पीला रंग। ये आराम, गर्मजोशी, गुस्सा और दुश्मनी तक की भावनाओं को जगाते हैं। कलर स्पेक्ट्रम का ब्लू एरिया ठंडे रंगों के तौर पर जाना जाता है। इसमें शामिल होता है- नीला, बैंगनी और हरा रंग। ये शांत और दुःख भरे इमोशन को जगाते हैं।

कहते हैं रंगों से जिंदगी हसीन होती है, लोग पॉजिटिव फील करते हैं, तो कौन से हैं वो रंग जो जिंदगी को खुशहाल बनाने में मदद कर सकते हैं? तो बता दें कि पीले रंग से याददाश्त बढ़ सकती है और ये ओवरईटिंग से बचाएगा। नारंगी यानी ऑरेंज रंग भावना जताने में मददगार होता है। लाल रंग किसी भी परफॉर्मेंस को सुधारने में हेल्प करता है। नीले रंग से आप बन सकते हैं क्रिएटिव। गुलाबी रंग से बन सकते हैं पति-पत्नी के रिश्ते अच्छे।

सवाल है कि जब रंग आपके जीवन में सकारात्मक प्रभाव देता है तो फिर क्यों लोग किसी भी रंग से नफरत करने लगते हैं? तो इसका जवाब है कि किसी भी रंग के सिग्नल आपके हाइपोथैलेमस को ट्रिगर कर सकते हैं। इससे आपको खुशी, दुःख, गुस्सा या भूख महसूस हो सकती है। जैसे- बहुत से लोगों ने दीपिका को बेशर्म रंग गाने में सैफरॉन बिकनी में देखा। कई लोगों ने इसका विरोध किया, कई ने नहीं किया। इसका मतलब है कुछ को इस रंग को देखकर गुस्सा आया और कुछ को नहीं आया। यही किसी रंग से नफरत के पीछे की साइकोलॉजी है।

क्रोमोफोबिया की वजह से रंगों से डरते हैं लोग। क्रोमोफोबिया एक तरह का डिसऑर्डर है। जिससे पीड़ित लोग पर्टिकुलर एक या दो रंग से बहुत नफरत करते हैं या सिर्फ ब्राइट कलर से डर सकते हैं।

क्रोमोफोबिया वाले लोग जब ऐसे किसी रंग को देख लेते हैं, जिससे उन्हें नफरत हो या डर लगे, तो उन्हें चिंता या पैनिक अटैक आ सकता है। हालांकि डॉक्टर्स की ट्रीटमेंट, दवाएं और थेरेपी की मदद से उनको कंट्रोल किया जा सकता है। कुछ साइकोलॉजिस्ट का मानना है कि रंग और मेमोरी के बीच एक कनेक्शन होता है। लोगों को काले और सफेद रंगों की मेमोरी याद रखने में परेशानी होती है। कलरफुल पेन से लिखे लेक्चर नोट्स, ब्लैक पेन से लिखे नोट्स की तुलना में ज्यादा याद होते हैं। बचपन में लाल, हरे या पीले रंग के पेन से जब कोई चीज लिखी जाती थी, तो ज्यादा याद रहती थी। ब्लैक में उतनी नहीं रहती थी। ब्लैक एंड वाइट फिल्म की तुलना में कलरफुल फिल्म देखना ज्यादा पसंद और याद रहता है।

कई स्टडीज से पता चला है कि यलो यानी पीला रंग चक्कर और मितली का कारण बन सकता है। इसलिए इसका इस्तेमाल कभी भी एयरप्लेन्स के कलर के तौर पर नहीं किया जाता है। रिसर्चर्स ने 52 हजार से ज्यादा प्रोफेशनल हॉकी गेम को देखा और पाया कि जब रेफरी काली जर्सी पहनते हैं, तो वो ज्यादा अग्रेसिव होते हैं और टीम मेंबर्स के सामने खुद को ज्यादा पावरफुल प्रेजेंट किया।

इसके अलावा आप खुद ही देख लीजिए वकील हमेशा काले कपड़े पहनते हैं। जस्टिस यानी जज भी काले कपड़े ही पहनते हैं। ब्लू यानी नीले रंग को दुनियाभर में सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है- दुनियाभर में कई स्टडीज ब्लू रंग पर की गई, जिसमें पता लगा कि 40% लोग नीले रंग को अपना फेवरेट कलर मानते हैं। दूसरा बैंगनी है और उसके बाद काला। कलर थेरेपी में शारीरिक और इमोशनल प्रॉब्लम्स को ठीक करने के लिए अलग-अलग रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। कलर थेरेपी को क्रोमोपैथी या क्रोमोथेरेपी भी कहते हैं। यह थेरेपी प्राचीन मिस्र के समय से इस्तेमाल की जाती है।

मिस्र के लोगों ने रोशनी की पावर पर भरोसा किया और रोशनी के अलग-अलग रंगों का इस्तेमाल इस थेरेपी में किया। इसके जरिए शारीरिक और मनोवैज्ञानिक असंतुलन को ठीक किया जाता है। रंगों की मदद से बीमारियों को ठीक किया जा सकता है। इन रंगों की मदद से विभिन्न बीमारियों को ठीक कर सकते हैं।

लाल रंग - लाल रंग रेड ब्लड सेल्स को बनाने में मदद करता है। लाल रंग आपको एक्टिव रखता है। **नारंगी रंग** - यह व्यक्ति की सेक्शुअल एनर्जी को बढ़ावा देता है। साथ ही यह स्किन पर चमक बनाए रखने के काम करता है। **पीला रंग** - पीला रंग आपकी समझ और बुद्धि को बढ़ाने का काम करता है। **हरा रंग**- हरा रंग हॉर्ट हेल्थ को बेहतर करता है। साथ ही ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। हरा रंग शरीर का टेम्प्रेचर मेंटेन करता है और सिरदर्द जैसी समस्याओं में भी राहत दिला सकता है। **नीला रंग**- ब्लू कलर थेरेपी का इस्तेमाल बुखार से निपटने के लिए किया जाता है। यह रंग तन-मन को शांत करता है। **बैंगनी रंग** - बैंगनी या वायलेट रंग आपके ज्ञान को बढ़ावा देता है। कलर थेरेपी के जरिए हम अपनी पर्सनैलिटी में पॉजिटिव बदलाव ला सकते हैं। यह हमारे मन को शांत करती है। इससे डिप्रेशन वाले हार्मोन की जगह हैप्पी है हार्मोन्स रिलीज होते हैं। इसके अलावा मेडिटेशन और कंसन्ट्रेशन के लिए भी कलर थेरेपी कारगर है। जिन लोगों को पैनिक अटैक आते हैं, उनके लिए कलर थेरेपी काफी हेल्पफुल हो सकती है।

एक्सीडेंट- ऑस्ट्रेलिया के मोनाश यूनिवर्सिटी ने एक स्टडी की और पाया कि कार एक्सीडेंट और कार के कलर के बीच रिलेशन होता है। रिजल्ट में पाया कि- ब्लैक, ब्लू, ग्रे, ग्रीन, रेड और सिल्वर कलर की कार में दूसरे कलर्स के मुकाबले ज्यादा एक्सीडेंट होता है। सफेद कलर की कार सबसे ज्यादा सुरक्षित होती है। इसके एक्सीडेंट होने की संभावना 10% कम होती है। रिसेल- साल 2012 के ड्यूपॉन्ट ऑटोमोटिव कलर पॉपुलैरिटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, सफेद कलर की कार नॉर्थ अमेरिका में काफी पॉपुलर है। जिसकी वजह से इस कलर की कार की रिसेल वैल्यू बाकी कलर के मुकाबले ज्यादा होती है।

रंगों का मनोविज्ञान-

42% भारतीय सफेद रंग की कार को पसंद करते हैं। उसके बाद ग्रे और सिल्वर पसंद करते हैं। 60% लोगों का पसंदीदा रंग नीला होता है। 40% रीडिंग स्किल बेहतर होती है रंगों से। 65% तक सीखने की क्षमता का विस्तार होता है रंगों से। 73% तक समझ बढ़ जाती है विषय की, रंगों के इस्तेमाल से। 42% तक ज्यादा ध्यान जाता है रंगबिरंगे विज्ञापनों पर, बजाय ब्लैक एंड वाइट विज्ञापनों के।

रंगों की पहचान कैसे हुई?

रंग यानी कलर एक ओल्ड फ्रेंच शब्द है। फिलॉस्फर एरिस्टोटल यानी अरस्तु ने रंगों की खोज की। एरिस्टोटल ने नीले और पीले रंग को मुख्य माना। उन्होंने इसे आग, पानी, वायु और पृथ्वी से जोड़ा। 1666 में न्यूटन ने कलर व्हील की खोज की। न्यूटन ने सफेद रोशनी प्रिज्म पर डालकर 7 रंग खोजे। इंद्रधनुष में पहले पांच रंग माने जाते थे, न्यूटन ने बताया कि इसमें सात रंग हैं। रिसर्च के बाद इंद्रधनुष में नीला और नारंगी रंग जोड़ा गया।

लकड़ी ड्रिल करने वाले औजार से छेद दिया गला

दरवाजे पर युवक की खून से लथपथ मिली लाश, टेंट हाउस में करता था काम

जशपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जशपुर जिले में एक व्यक्ति की लकड़ी ड्रिल करने वाले औजार से गला छेदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई है। घटना की जानकारी मंगलवार को उस वक्त हुई, जब मृतक की मां ने बेटे के शव को लहूलुहान हालत में घर के बाहर पड़े हुए देखा। उसने तुरंत परिजनों को बुलाया। इसके बाद पुलिस को हत्या की सूचना दी गई। मामला सिटी कोतवाली जशपुर के बरटोली मुहल्ले का है।

एसपी डी रविशंकर ने बताया कि मृत युवक का नाम आशीष भगत (34 वर्ष) था। वो टेंट हाउस में मजदूरी करता था। उन्होंने कहा कि शव के गले पर छेद करने के निशान हैं। पास में ही लकड़ी ड्रिल करने का औजार मिला है, जिससे वारदात को अंजाम दिया गया। शव खून से लथपथ हालत में मिला। एसपी ने बताया कि घटनास्थल पर मिले सबूत के आधार पर ऐसा लग रहा है कि आरोपी ने युवक पर घर के अंदर हमला किया है। दरवाजे के बिल्कुल पास में ढेर सारा खून मिला है। हैरानी की बात यह है कि मृतक का शव घर से बाहर एक कंबल में रखा हुआ बरामद हुआ है।

वहीं मृतक आशीष की मां ने बताया कि उसने अपने बेटे को सोमवार की रात लगभग 8 बजे देखा था। उस वक्त वो शराब के नशे में धुत्त था और उससे झगड़ा कर रहा था। जिसके बाद वो बेटे को उसी हालत में छोड़कर दूसरे घर में सोने चली गई थी। दूसरे दिन जब वह लौटी तो, आशीष को दरवाजे के बाहर गिरे हुए देखा। पास जाने पर पता चला कि उसकी हत्या हो गई है और वो पूरी तरह से लहूलुहान है। इसकी सूचना उसने परिजनों और पड़ोसियों को दी। फिलहाल पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं जांच में पुलिस डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की मदद ले रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का अपराध पंजीबद्ध किया है। परिवारवालों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाने के लिए मुखबिरों को भी एक्टिव कर दिया है। पुलिस का कहना है कि हत्या किसी जान-पहचान के व्यक्ति द्वारा अंजाम दिए जाने की ही आशंका है। मृतक आशीष भगत दो बहनों का इकलौता भाई था। उसकी हत्या हो जाने से वृद्ध माता-पिता का सहारा छिन गया है। मृतक की मां मुन्नी

देवी ने बताया कि आशीष उन लोगों से अलग सब्जी की बाड़ी में बने दो कमरे के कच्चे मकान में रहा करता था। आसपास दूसरा घर नहीं होने की वजह से किसी को हत्या की जानकारी नहीं हो पाई। आशीष की शादी अभी तक नहीं हुई थी।

17 दिसंबर को कोरबा जिले के रजगामार चौकी क्षेत्र में बालको के रिटायर्ड कर्मचारी की हत्या झोरखी फार्म हाउस पर कर दी गई थी। इस मामले में भी आरोपी का सुराग अब तक नहीं चल सका है। पुलिस अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच कर रही है। भलसीडीह गांव के अंदर जंगल किनारे झोरखी फार्म हाउस है। टांगी से वार कर बुजुर्ग की हत्या की गई थी। जानकारी के मुताबिक, बालेश्वर चौबे (73 वर्ष) बालको का रिटायर्ड कर्मचारी था। वो फर्नेश सेक्शन में काम करता था और 2005 में रिटायर हुआ था। उसके 3 बेटे और एक बेटी है। बेटी की शादी हो चुकी है। बड़ा बेटा केदारनाथ चौबे निजी कंपनी में काम करता है। दूसरा बेटा राजेश चौबे का खुद का टेंट हाउस है। तीसरा बेटा पुष्पेंद्र चौबे है। दो बड़े बेटे कोरबा के ढोढ़ीपारा बस्ती में रहते हैं, वहीं छोटा बेटा बिहार के अररिया जिले में ही रहकर खेती करता है। मृतक बालेश्वर का परिवार बिहार के अररिया जिला चौबेटोला थाना भोरे का रहने वाला है। ये फार्म हाउस बालेश्वर चौबे का ही है। पत्नी के गुजर जाने के बाद वो यहां अकेले ही रहता था। उससे मिलने के लिए बेटे-बेटी आते-जाते रहते थे। शनिवार को भी उसका बेटा राजेश चौबे अपने पिता से मिलने के लिए फार्म हाउस पहुंचा था, जहां उसकी लहूलुहान लाश मिली थी। उसकी लाश फार्म हाउस के किचन के पास पड़ी हुई थी।

17 दिसंबर को ही जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण थाना क्षेत्र में युवक विकास पटेल (30 वर्ष) का शव उसके घर की सीढ़ी के पास संदिग्ध हालत में मिला था। पुलिस ने शुरुआती जांच में हत्या की आशंका जताई थी। ग्राम धरदेई में युवक विकास पटेल का शव सीढ़ी के नीचे औंधा पड़ा हुआ मिला था। घटना की सूचना मृतक के चाचा ने पुलिस को दी थी। घर के अन्य हिस्सों में भी खून के निशान मिले थे, जिनके सैंपल जांच के लिए भिजवाए गए थे।

जानकारी के अनुसार, विकास पटेल धरदेई स्थित अपने घर में अकेले रहता था। पड़ोस में उसके चाचा विनोद पटेल अपने परिवार के साथ रहते हैं। वहीं मृतक के पिता पुरुषोत्तम पटेल शहडोल में एसईसीएल कर्मचारी हैं, इसलिए विकास के माता-पिता दोनों शहडोल में ही रहते हैं।

हेमंत सरकार पर हमलावर हुए लोबिन हेंब्रम

बोरिया विधायक ने कहा स्थानीय नीति पर सरकार ने मुझे भी ठग लिया, ढोल पीटने वालों में नहीं रहूंगा शामिल

साहिबगंज, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में नियोजन नीति को लेकर राजनीतिक तेज है। झामुमो के बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम ने अपनी ही सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, सरकार ने मुझे भी ठग दिया। लोबिन ने कहा, सरकार ने 1932 की खतियानी नीति लागू करने के नाम पर उनसे भी ढोल पिटवा दिया। मैं खुश था कि सरकार ने नीति लागू कर दी लेकिन मैं बाद में समझा नीति तो लागू ही नहीं हुई है। उनको भी सरकार ने ठग लिया। अब मैं ढोल पीटने वालों में शामिल नहीं रहूंगा। सिर्फ साहिबगंज में ही नहीं पूरे संताल के इलाके में आदिवासियों का हक और अधिकार मारा जा रहा है। साहिबगंज की घटना पर लोबिन ने कहा, इस हत्याकांड में शामिल दोषी को कड़ी से कड़ी सजा

मिलनी चाहिए। समाज के पतन पर उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हमें ध्यान रखना होगा कि हमारे बीच क्या चल रहा है। समाज के लोगों से भी गुजारिश है कि वह इस तरह की चीजों पर पहले से ध्यान दें ताकि ऐसी घटना ना हो। जल, जंगल, जमीन की लूट मची हुई है। शादी कर दूसरे समुदाय के लोग जिला परिषद और मुखिया बन रहे हैं, जमीन पर भी कब्जा किया जा रहा है। लोबिन ने कहा कि जो भी दूसरे समाज में शादी करे, उसे आदिवासी की सूची से बाहर किया जाना ही चाहिए। अगर ऐसे ही चलता रहा तो हमारा अस्तित्व खत्म हो जायेगा। लोबिन समय-समय पर अपनी ही सरकार पर निशाना साधते रहे हैं। लोबिन ने विधानसभा में बोलने का अवसर ना मिलने पर नाराजगी जतायी थी और पार्टी के ही कई नेताओं पर निशाना साधा था।

हेमंत सरकार को चुनौती देते हुए लोबिन ने पहले भी छात्रावस की समस्या उठाते हुए कहा था कि अगर निर्धारित समय सीमा के अंदर छात्रावास की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हम सरकार की नींद हराम कर देंगे।

दुष्कर्म के आरोपी ने कोर्ट में पुलिस को दिया चकमा

अंधेरे का फायदा उठा भागने में हुआ कामयाब

जशपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जशपुर जिले में कुनकुरी न्यायालय में पेशी के लिए लाया गया दुष्कर्म का आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। मंगलवार को जिला जेल जशपुर से सात विचाराधीन बंदियों को कुनकुरी अपर सत्र न्यायालय व व्यवहार न्यायालय लाया गया था।

शाम को पेशी कराने के बाद न्यायालय बन्दीगृह से सभी मुल्जिमों को शाम 6:30 बजे हथकड़ी लगाकर वापस जशपुर जेल ले जाने के लिए कोर्ट परिसर में खड़ी शासकीय जेल वाहन में बैठाने ले जा रहे थे। इसी दौरान आरोपी खेलसाय ने हाथ में लगे हथकड़ी को छुड़ा कर कोर्ट के पिछले हिस्से की ओर दौड़ लगा दी।

इससे पहले कि पुलिस उसतक पहुंच पाती खेलसाय अंधेरे का फायदा उठाते हुए पीछे की दीवाल फांदकर फरार हो गया।

बिहार के सभी एसपी-थानेदारों को डीजीपी की दो टूक

क्रिमिनल को नहीं दौड़ाओगे तो वो आपको दौड़ाएगा, चुन लो क्या करना है

पटना, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। अपनी पहली मीटिंग में बिहार के डीजीपी राजविंदर सिंह भट्टी ने सीधे शब्दों में सभी जिलों के एसपी और थानेदारों को चेता दिया है। उन्होंने कहा कि क्रिमिनल को नहीं दौड़ाओगे तो वो आपको दौड़ाएगा। चुन लो दोनों में से क्या करना है और मैं देखूंगा कि आप क्रिमिनल को दौड़ा रहे हो या नहीं। अपने काम के तरीकों को बदलना होगा। चाहे बात पब्लिक की हो या फिर अपने डिपार्टमेंट के ही अफसरों व जवानों की। हर किसी की सुननी होगी। काम में लापरवाही नहीं चलेगी। पुलिस मुख्यालय के ऑडिटोरियम से ही डीजीपी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सभी रेंज के आईजी, डीआईजी, सभी जिलों के एसएसपी/एसपी, एसडीपीओ और सभी थानेदारों से जुड़े हुए थे। डीजीपी ने इस मीटिंग में अपनी बातों को रखते हुए बता दिया है कि क्राइम को रोकने के

लिए बिहार पुलिस को क्या करना है? उन्होंने कहा कि फर्स्ट आस्पेक्ट है प्रिवेंशन ऑफ क्राइम। आपको अपनी एक स्ट्रैटजी बनानी चाहिए कि हम कैसे क्राइम को रोकेंगे। अपराधियों के एक्टिव गैंग की प्रोफाइल बनाइए। उनके मूवमेंट्स का पता रखिए। सभी एसपी और थानेदारों को कहा कि अगर क्रिमिनल को दौड़ाओगे तो वो कम से कम क्राइम करेगा। अगर क्रिमिनल बैठा हुआ है तो खुराफात सोचेगा ही। अगर आप क्रिमिनल को नहीं दौड़ाएंगे तो वो आपको दौड़ाएगा। चुन लो दोनों में से क्या करना है और मैं देखूंगा कि आप क्रिमिनल को दौड़ा रहे हो या नहीं। उन्होंने कहा कि मैं आऊंगा आपके जिलों में। प्रोग्राम बना रहा हूं और उन्हीं थानों में जाऊंगा जहां क्राइम सबसे अधिक है। पुलिस सभा भी करेंगे। पुलिस लाइन भी जाएंगे। थानेदारों से भी बात करेंगे। आपकी कठिनाइयां भी सझेंगे। उस समय भी में इन्हीं सवालों को पूछूंगा। कोई नए सवाल नहीं पूछे जाएंगे। तो क्रिमिनल को दौड़ाओ क्राइम कम होगा। मैं ये मानने को तैयार नहीं हूं कि आप क्रिमिनल को दौड़ा नहीं सकते। इसलिए उन्हें दौड़ाओ। यही है प्रिवेंशन ऑफ क्राइम। डीजीपी ने कहा कि इसी के तहत पेट्रोलिंग को अपडेट करना होगा।

कॉन्वेंट स्कूल के दो छात्र क्लासरूम में पिस्टल के साथ मिले, मामले की जांच की जाएगी

रांची, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के रामगढ़ जिले में एक अंग्रेजी माध्यम के कान्वेंट स्कूल के दो छात्रों को क्लासरूम में देसी पिस्तौल ले जाते हुए पाया गया। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को भुरकुंडा थाना क्षेत्र में सीबीएसई से संबद्ध स्कूल के नौवीं कक्षा के एक छात्र के बैग में एक शिक्षक को पिस्तौल मिली।

पतरातू के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी वीरेंद्र कुमार चौधरी ने कहा कि स्कूल के अधिकारियों ने तब पुलिस को सूचित किया, जिसने स्कूल में जाकर आग्नेयास्त्र को जब्त कर लिया। उन्होंने कहा कि कक्षा में एक छात्र के संदिग्ध व्यवहार ने शिक्षक का ध्यान आकर्षित किया, जिसके बाद पिस्तौल बरामद हुई। छात्र ने पुलिस को बताया कि वह पिस्तौल स्कूल में आठवीं कक्षा के एक छात्र को देने के लिए लाया था। पुलिस ने कहा कि दोनों छात्रों को हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की सभी तरह से जांच की जा रही है।

सोने-चांदी के गहने चमकाने के नाम पर महिला से ठगी

रायपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पूरे प्रदेश में इन दिनों सोने चांदी चमकाने के नाम से ठगी करने के मामले सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में राजनांदगांव में भी ऐसी वारदात सामने आई हैं।

कोतवाली थाना अंतर्गत ममता नगर में ठगों ने सोने चांदी के जेवरात चमकाने के नाम से सोने के हार और टॉप्स लेकर फरार हो गए। वहीं मामले को देखते हुए पुलिस ने अलर्ट जारी किया है और लोगों से अपील की है ऐसे संदिग्ध लोगों की सूचना तत्काल संबंधित थाने को दें और पुलिस को इसकी जानकारी दें। जानकारी के मुताबिक, शहर के ममता नगर में रहने वाली महिला के घर दो अनजान युवक पहुंचते हैं और उनसे कहते हैं कि हम बर्तन साफ करने वाले हैं और पुराने बर्तनों को और दाग धब्बे को हटाकर चमका देते हैं।

फिर पुराने रास्ते पर झारखंड सरकार

शराब का थोक कारोबार भी अब झारखंड सरकार चलायेगी, छत्तीसगढ़ लॉबी होगी बाहर

रांची, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड सरकार अब शराब का थोक व्यापार भी अपने हाथ में लेने की तैयारी में है। झारखंड स्टेट बिवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड ही अब थोक व्यापार करेगा। सरकार का पक्ष है कि पहले लिए गये फैसले की वजह से राज्य को राजस्व का घाटा हो रहा है । यही वजह है कि एक बार फिर रणनीति बदलने की तैयारी है। बाजार में सभी तरह के ब्रांड की शराब की कमी राजस्व प्राप्त करने में बड़ी चुनौती के रूप में सामने है।

उत्पाद विभाग ने जेएसबीसीएल को शराब के थोक कारोबार में उतारने के लिए टेंडर निकाल दिया है। साफ है कि सरकार अब शराब के कारोबार से छत्तीसगढ़ की लॉबी और वहां की रणनीति को दूर कर रही है। 31 दिसंबर तक शराब से 1825 करोड़ रुपये राजस्व वसूली का लक्ष्य रखा गया है जबकि अब तक करीब 1250 करोड़ रुपये ही राजस्व अर्जित हुआ है। 31 मार्च तक 2500 करोड़ रुपये राजस्व वसूली का लक्ष्य तय किया गया है। राज्य में शराब की होलसेल

मार्केट फिलहाल छत्तीसगढ़ की दो कंपनियों के हाथ में है। इन दोनों कंपनियों का नाम ओम साईं बिवरेजेज प्रालि और दिशिता वेंचर्स प्रालि है। कंपनियां क्यों अपना प्रॉफिट मार्जिन छोड़ रही है यह बड़ा सवाल है। अब सरकार इस पर फैसला ले रही है।

दोनों कंपनियां शराब उत्पादक से खरीदी गयी कीमत पर ही खुदरा बिक्री के लिए जेएसबीसीएल को शराब उपलब्ध करा रही है। कीमत कम है लेकिन सभी ब्रांड की शराब दुकानों तक नहीं पहुंच रही। इसे राजस्व की कमी में एक बड़ा कारण माना जा रहा है। अब पहले की तरह ही फिर से जेएसबीसीएल को शराब की होलसेलिंग का जिम्मा सौंपा जा रहा है. मालूम हो कि मई 2022 के पूर्व जेएसबीसीएल ही राज्य में शराब का थोक कारोबार करती थी. शराब के होलसेल का काम कर रही कंपनी सरकार की शर्तों को पूरा नहीं कर रही है। शराब उत्पादक से खरीदी गयी कीमत पर ही खुदरा बिक्री के लिए जेएसबीसीएल को शराब उपलब्ध कराने के पीछे एक बड़ी वजह यह भी सामने आ रही है कि होलसेल कंपनियों को राज्य सरकार ने प्राफिट मार्जिन रखने की अनुमति नहीं दी है. ऐसे में कंपनियां शराब उत्पादकों के साथ तालमेल कर मुनाफा कमाने में लगी है।

कंपनियां अपने मनपसंद ब्रांड की शराब की मार्केटिंग भी प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से सुनिश्चित कराती है। दुकानों में चुनिंदा ब्रांड की शराब और बीयर नही मिलती।

'राहुल की यात्रा से घबराई मोदी सरकार'

गहलोत बोले-पहले पीएम मोदी को चिट्ठी लिखें स्वास्थ्य मंत्री

जयपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए भारत सरकार भी इसे लेकर कई तरह की तैयारियां कर रही है। इसी बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एक चिट्ठी लिखी, जिसमें उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा में कोरोना नियमों के पालन की बात कही है।

बता दें कि अब इस चिट्ठी को लेकर जमकर घमासान मचा है। कांग्रेस नेता सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि वो भारत जोड़ो यात्रा से परेशान हो गए हैं। इसीलिए अब कोरोना का बहाना बनाकर इसे खत्म करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेता और राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने भी इस चिट्ठी पर सवाल उठाए और कहा, स्वास्थ्य मंत्री को सबसे पहले पीएम मोदी को चिट्ठी लिखनी चाहिए।

'भारत जोड़ो यात्रा से घबरा गई मोदी सरकार'

कांग्रेस के कद्दावर नेता गहलोत ने अपने ट्विटर हैंडल से किए गए ट्वीट में लिखा, राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा 21 दिसंबर की सुबह पूरी हो गई, यहां उमड़ी भारी भीड़ से बीजेपी और मोदी सरकार इतनी घबरा गई है कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री 20 दिसंबर को राहुल गांधी को राजस्थान में कोविड प्रोटोकॉल की पालना करने के लिए पत्र लिख रहे हैं। यह स्पष्ट दिखाता है कि बीजेपी का उद्देश्य बढ़ते जनसमर्थन से घबराकर भारत जोड़ो यात्रा को डिस्टर्ब करने का है।

पीएम मोदी की रैली का किया जिक्र...

अशोक गहलोत ने पीएम मोदी की रैली का जिक्र करते हुए लिखा, दो दिन पहले प्रधानमंत्री ने त्रिपुरा में रैली की थी। जहां किसी भी कोविड प्रोटोकॉल की पालना नहीं हुई। कोविड की दूसरी लहर में पीएम ने बंगाल में बड़ी रैलियां की थीं। अगर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का उद्देश्य राजनीतिक न होकर उनकी चिंता जायज है तो उन्हें सबसे पहला पत्र प्रधानमंत्री को लिखना चाहिए था।

कांग्रेस हमलावर, बीजेपी ने दिया जवाब...

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राहुल गांधी को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने को लेकर चिट्ठी लिखी। इस चिट्ठी के बाद कांग्रेस ने सरकार पर जमकर पलटवार किया और कहा कि सरकार राजनीति कर रही है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा से बीजेपी बौखला गई है। लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ये सब किया जा रहा है। वहीं सरकार का बचाव करने उतरे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, सवाल ये खड़ा होता है कि क्या एक परिवार सभी प्रोटोकॉल से ऊपर है। ये मैं मान सकता हूं कि कांग्रेस में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष से ज्यादा एक परिवार को मान्यता मिलती है। लेकिन कोविड प्रोटोकॉल का तो उनको पालन करना होगा।

राहुल का गुस्सा देख हैरान रह गए कांग्रेसी

कांग्रेस नेता ने सेल्फी लेने की कोशिश की, राहुल ने जोर से हाथ झटक दिया

अलवर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा बुधवार सुबह राजस्थान से हरियाणा में दाखिल हुई। इस दौरान फ्लैग एक्सचेंज समारोह में राहुल का गुस्सा देखकर साथी नेता हैरान रह गए। दरअसल, कार्यक्रम के दौरान मंच पर एक नेता सेल्फी लेने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन राहुल गांधी ने बहुत गुस्से में उनका हाथ झटक दिया। नेता अपना मोबाइल भी मुश्किल से छुड़ा पाए।

अलवर से सटे हरियाणा बॉर्डर पर हुए कार्यक्रम में राहुल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से कहा- राजस्थान में मंत्री महीने में एक बार 15 किलोमीटर पैदल चलते हैं। यह मॉडल हर कांग्रेस शासित राज्य में लागू किया जाए। राहुल बोले, 'मुझे खुशी हुई कि राजस्थान के मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष ने फैसला किया है कि राजस्थान के सब मंत्री, नेता महीने मे एक बार 15 किलोमीटर पैदल चलेंगे। जनता के बीच जाकर सुनकर काम करेंगे। मैं खड़गे जी से कहूंगा, मेरा सुझाव है कि जहां भी कांग्रेस की सरकार बने हमारी कैबिनेट, मंत्री, विधायकों और नेताओं को महीने में कम से कम एक दिन इन सड़कों पर चलना चाहिए। धक्के खाने चाहिए, गिरना चाहिए, घुटने छिलने चाहिए।'

राहुल गांधी से लिपटकर रोने लगी बच्ची

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान लड़की ने दिया फ्लाइंग किस, सीएम गहलोत ने पोंछे आंसू

अलवर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में राहुल गांधी की यात्रा 17 दिन रही। अलवर से होते हुए भारत जोड़ो यात्रा ने हरियाणा में एंट्री ली। इधर, जब यात्रा अलवर शहर रूपबास के जगन्नाथ से गुजर रही थी तो यहां यात्रा का भावुक पल देखने को मिला। यहां 11 साल की बच्ची को देख राहुल गांधी ने अपने पास बुलाया तो वह लिपट कर रोने लगी। इस दौरान पास खड़ सीएम अशोक गहलोत ने उनके आंसू पोंछे। दरअसल, 11 साल की सृष्टि यात्रा देखने पहुंची थी। भीड़ में बच्ची ने राहुल गांधी फ्लाइंग किस दिया।

इस पर उनकी नजर बच्ची पर पड़ी तो इशारा करते हुए अपने पास बुलाया। जैसे ही बच्ची राहुल गांधी के पास पहुंची वह उनसे लिपट गई और रोने लगी। बच्ची के आंसू देख राहुल गांधी ने उसे चुप कराया। बच्ची ने बताया कि 4 साल पहले वह मालाखेड़ा की जनसभा में भी मिलना चाहती थी। लेकिन, जब वह मिल नहीं सकी। इस बार जब उसे पता चला तो अपने परिवार के साथ यात्रा को देखने पहुंची। जब राहुल गांधी को पता चला की परिवार भी आया है तो उन्होंने सभी को अपने पास बुलाया और गले लगाया। जब सृष्टि राहुल गांधी के नजदीक पहुंची तो उनके गले लग गई और उसकी आंखों से आंसू आने लगे। यात्रा में राहुल गांधी के साथ चल रहे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बेटी के आंसू पोंछे। फिर पूरे परिवार के बारे में बात भी की।

राहुल की सुरक्षा करने आए 60 पुलिसकर्मियों पर हमला, 1 की हालत गंभीर

अलवर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के लिए अलवर ड्यूटी पर आए बीकानेर जिले के पुलिसकर्मियों पर बदमाशों ने हमला कर दिया. ये पुलिसकर्मी अंबेडकर नगर स्थित सामुदायिक भवन में ठहरे हुए थे. हमले में 4 पुलिसकर्मियों को चोटें आईं हैं. इनमें हेड कांस्टेबल मोहम्मद यूनुस गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे जयपुर रेफर किया गया है. तीन अन्य पुलिसकर्मियों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है. बदमाशों के डर की वजह से बाद में रात को ही आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सभी पुलिसकर्मियों को सामुदायिक भवन से दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया. इस संबंध में अलवर के एनईबी पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है. जानकारी के अनुसार यह वारदात सोमवार देर रात को हुई थी.

राजू ठेहट हत्याकांड के आठ आरोपियों को लाया गया अजमेर जेल

हाई सिक्योरिटी जेल में 3 पहले से बंद

सीकर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के बहुचर्चित कुख्यात बदमाश राजू ठेहट हत्याकांड के आठ आरोपियों को अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में शिफ्ट कर दिया गया। पहले यह सभी सीकर जेल में बंद थे। बदमाशों को हथियारबंद जवानों के सुरक्षा घेरे में मंगलवार को सीकर से लाया गया है। इसी हत्याकांड के तीन अन्य आरोपी पहले से अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में बन्द हैं। अजमेर जेल में अब राजू ठेहट हत्याकांड के 11 आरोपी बंद हो चुके हैं। जिन्हें पूर्ण रूप से सुरक्षित बैरिकों में रखा गया है। इस दौरान पुलिस के हथियारबन्द जवानों का जाप्ता मौजूद रहा।

बदमाशों के नाम जिन्हें शिफ्ट किया गया

सीकर जिले से लाए गए बदमाशों में सतीश कुमार उर्फ पहलवान, जतिन वर्मा उर्फ जॉनी, मनीष उर्फ बच्चियां, विक्रम गुर्जर, मुकेश उर्फ बुल्लू, सरजीत सिंह, उमेश गहलोत व गुलझारी शामिल हैं। इस दौरान पुलिस के हथियारबन्द जवानों का जाप्ता मौजूद रहा। साथ ही पुलिस की अन्य गाड़ियां भी आगे पीछे रहीं। जिससे किसी भी प्रकार का हमला ना हो सके।

राजू ठेहत की दिन दहाड़े हत्या कर दी गयी थी। सीकर जिले में उन्हें सोची समझी साजिश के तहत मारा गया था। कुछ हथियारबंद बदमाश उनके घर के बाहर इस वारदात को अंजाम देते है। तभी से पुलिस सक्रीय हो गयी थी आरोपियों की धडपकड़ के लिए। उस समय गिरफ्तार हुए हत्याकांड के ही तीन अन्य आरोपियों गणेश ओझा, राकेश ओझा व शकील खान को पूर्व में ही सीकर से अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। वह अभी जेल में ही बन्द हैं।

राजस्थान में सर्दी के साथ बढ़ा कोहरा

जयपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आज भले ही कई शहरों में तापमान 1 से 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ा हो, लेकिन उत्तर भारत से चली सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी। गंगानगर, चूरू, बीकानेर, हनुमानगढ़ में आज सीजन का घना कोहरा देखने को मिला। ये कोहरा दोपहर 11 बजे तक छाया रहा, जो मौसम विभाग के सेटेलाइट इमेज में भी कैद हुआ। मौसम केन्द्र जयपुर से जारी डेटा देखें तो आज सबसे कम तापमान 5.2 चूरू में दर्ज हुआ।

प्रदेश में आज मौसम की स्थिति देखे तो गंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ में आज सुबह से घना कोहरा छाया रहा। यहां विजिबिलिटी भी बहुत कम रही। इससे हाईवे पर सुबह 10 बजे तक हेडलाइट ऑन करके गाड़ियां चलानी पड़ी। कोहरे और तेज ठंड के कारण आज लोगों की दिनचर्या में भी बदलाव देखने को मिला। लोग सुबह देरी से अपने घरों से निकले तो वहीं जगह-जगह लोग अलाव जलाकर सर्दी से बचने का जतन करते दिखे।

प्रोफेसर ने पास करने के बदले फिजिकल रिलेशन की डिमांड की

छात्रा को फेल भी किया; बिचौलिए स्टूडेंट के जरिए फंसाता है, ऑडियो वायरल

कोटा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी कोटा के एसोसिएट प्रोफेसर के खिलाफ उसी की स्टूडेंट ने फिजिकल रिलेशन के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। बात नहीं मानने पर प्रोफेसर ने स्टूडेंट को फेल भी कर दिया। इसके बाद भी आरोपी लगातार बिचौलिए स्टूडेंट के जरिए छात्रा पर दबाव बनाता रहा।

इस पूरे मामले में एक ऑडियो भी सामने आया है। इसमें प्रोफेसर बिचौलिए स्टूडेंट से छात्रा को लेकर अश्लील कमेंट करते सुनाई दे रहा है। हालांकि भास्कर इस ऑडियो की सच्चाई को लेकर कोई दावा नहीं करता है।

मामला कोटा के दादाबाड़ी थाना क्षेत्र का है। पुलिस उपाधीक्षक अमर सिंह ने बताया कि मंगलवार को यूनिवर्सिटी के

इलेक्ट्रॉनिक्स डिपार्टमेंट की फाइनल ईयर की स्टूडेंट ने ऐसोसिएट प्रोफेसर गिरीश परमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। स्टूडेंट का कहना है कि प्रोफेसर ने अच्छे नंबरों के बदले शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया है। आरोपी उसी की क्लास के स्टूडेंट के जरिए प्रेशर बना रहा है। पीड़िता ने शिकायत में लिखा कि वह हॉस्टल में रहती है। प्रोफेसर ने उसके साथी स्टूडेंट अर्पित के जरिए उसे परीक्षा में पास करने का ऑफर दिया। अर्पित बिचौलियों की तरह छात्राओं को पास कराने का झांसा देता है। फिर प्रोफेसर गिरीश परमार से शारीरिक संबंध बनाने को कहता है।पीड़िता ने बताया कि प्रोफेसर ने उसे फाइनल ईयर की परीक्षा में षड्यंत्रपूर्वक फेल कर दिया। फिर अर्पित द्वारा पास कराने का झांसा दिया गया।

परेशान होकर सुसाइड करने की सोची

छात्रा ने रिपोर्ट में बताया कि परेशान होकर वह सुसाइड करने की सोचने लगी थी। दोस्त को पूरी बात बताई तो उसने हिम्मत दिलाई। इसके बाद परिवार को पूरी बात बता दी। इसके बाद वह पुलिस के पास पहुंची है। इधर, लेक्चरर और अर्पित के बीच बातचीत का एक ऑडियो भी सामने आया है। इसमें प्रोफेसर छात्रा के लिए अभद्र भाषा बोलता हुआ सुना जा सकता है। एक स्टूडेंट से वह कह रहा है कि कहां जाएगी, उसको देख लूंगा। ऑडियो में आरोपी पीड़िता व अन्य छात्राओं को भी टारगेट कर रहा है।

'भारत जोड़ो यात्रा को रोकने के लिए बीजेपी हर हथकंडे अपनाएगी'

जयपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा को लेकर केंद्रीय मंत्री की ओर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राहुल गांधी को कोरोना का हवाला देते हुए यात्रा को स्थगित करने या यात्रा में कोरोना गाइडलाइन का पालना सुनिश्चित करने का पत्र देने के बाद राजस्थान में भी बयानों का सिलसिला शुरू हो गया है।

राजस्थान सरकार के खेल मंत्री अशोक चांदना ने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कहा, हमारे नेता राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि यात्रा किसी भी सूरत में रुकेगी नहीं। बीजेपी वाले राहुल गांधी की छवि खराब करने के लिए पिछले कई साल से निरंतर प्रयास कर रहे हैं। मंत्री चांदना ने कहा, आज बीजेपी वालों के चेहरे से मुखौटा हट गया है। भारत जोड़ो यात्रा से बीजेपी सहम गई है और जिस प्रकार करोड़ों लोगों का समर्थन कन्याकुमारी से राजस्थान तक भारत जोड़ो यात्रा को मिला है, उससे बीजेपी में टेंशन का माहौल बना है। इस यात्रा ने सभी के मुंह बंद कर दिए हैं। इस यात्रा से एक बात तो तय हो चुकी है कि देश में नफरत का माहौल खत्म होना चाहिए। देश में प्यार मोहब्बत का माहौल बनाना चाहिए, क्योंकि नफरत अगर बढ़ गई तो इसका नुकसान देश के संविधान को होगा, जिसका प्रभाव हर व्यक्ति और पड़ेगा।

अशोक चांदना बोले, देश की जनता को समझ में आ गया है कि राहुल गांधी प्रेम की बात कर रहे हैं, जिसके कारण बीजेपी बौखलाई हुई है। कोई भी हथकंडा, कोई भी नुस्खा और कोई भी तरीका अपनाकर इनका प्रयास यात्रा को रोकना है। राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि यात्रा कुछ भी हो जाए रुकेगी नहीं। उन्होंने कहा, न तो कोई चुनाव है और न ही आदमी वोट मांग रहे। फिर भी आदमी चल क्यों रहा है। यह चल रहा है, क्योंकि देश में संविधान को स्थापित रखना है और संविधान को बनाए रखना है। राहुल गांधी के परिवार ने इस देश को बचाने के लिए एक रखने के लिए शहादत दी है, जो इस देश को याद है, देश भुला नहीं। देश और लोकतंत्र को बचाने के लिए गांधी परिवार ने शहादत दी है। इसलिए यह यात्रा कन्याकुमारी से शुरू होकर अब श्रीनगर जाकर ही रुकेगी।

राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेल को लेकर वार्ता...

सीएम अशोक गहलोत की घोषणा के अनुसार, राजीव गांधी ग्रामीण खेल ओलंपिक की सफलता के बाद अब राजीव गांधी शहरी ओलंपिक खेल की शुरुआत की। इन खेलों का आयोजन 26 जनवरी 2023 से किया जाएगा। खेलों के आयोजन के लिए निकायवार क्लस्टर का निर्माण किया गया है। राज्य की 240 नगरीय निकाय, जिसमें 10 नगर निगम, 36 नगर परिषद और 194 नगर पालिकाएं शामिल हैं। उन सभी निकायों में 628 निकायवार क्लस्टर निर्मित किए गए हैं। खेलों का आयोजन खेल विभाग, स्वायत्त शासन विभाग शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन के समन्वय से करवाए जाएंगे।

2 बोरों में मिले पुजारी के शव के टुकड़े

धौलपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। 3 दिन से लापता पुजारी का शव मिला है। शव के 2 टुकड़े करके दो अलग-अलग बोरो में रखा गया था। जिस मंदिर में वह पूजा-पाठ करता था, उसके पास पहाड़ी पर एक कटर मिला है। उसके चारों तरफ पत्थर रखे हुए हैं। पुलिस का मानना है कि शव को पहाड़ी पर काटा गया है, फिर बोरे में बांधकर नदी में फेंका होगा। बाद में शव भरे बोरे नदी किनारे आ गए। मामला धौलपुर जिले के कंचनपुर थाना क्षेत्र का है। कंचनपुर थाना प्रभारी हेमराज शर्मा ने बताया कि भीमगढ़ गांव में बामनी नदी के किनारे शव मिलने की सूचना मिली थी। नदी किनारे 2 बोरे रखे मिले।

विदेशी युवती से टीटी ने सीट के बहाने की छेड़छाड़

जनरल में बैठी जर्मन युवती को एसी कोच में ले गया था

जयपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर से पुष्कर घूमने जा रही जर्मनी की 25 साल की युवती के साथ टीटी ने एसी कोच में बिठाने के नाम पर छेड़छाड़ कर दी। मामले की शिकायत करने पीड़िता पहले अजमेर के एक थाने पहुंची। लेकिन पुलिस ने जीआरपी का मामला बताते हुए जीआरपी थाने भेज दिया। जीआरपी अजमेर थाने ने युवती को क्राइम सीन जयपुर होने के कारण जयपुर जाने के लिए कह दिया। साथ ही ऑनलाइन शिकायत करने की सलाह दे दी। इसके बाद युवती ने टीटी विशाल सिंह शेखावत के खिलाफ ऑनलाइन शिकायत दी। जीआरपी थाने के सीआई संपत राज ने बताया- जर्मनी से भारत घूमने आई युवती के साथ जयपुर से अजमेर जाते समय टीटी ने छेड़छाड़ की। इस संबंध में ऑनलाइन शिकायत मिली है। जिसे दर्ज कर लिया गया है। आरोपी टीटी को पूछताछ के लिए बुलाया गया हैं। युवती ने जीआरपी थाने पहुंच कर भी घटना की जानकारी पुलिस को दी है।

राजस्थान की युवती का नवी मुंबई में मर्डर!

बूंदी, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में रहने वाली 27 साल की युवती का नवी मुंबई में शव मिला है। भाइयों का आरोप है कि उसकी रियाज नाम के लड़के से दोस्ती थी। दोनों लिव इन में रहते थे और उसी ने हत्या कर शव को ब्रिज से लटका दिया है। मामला 17 दिसंबर को नवी मुंबई के पनवेल का है, जहां धामनी गांव के ब्रिज पर लटका हुआ शव मिला। मृतका उरवी उर्फ उमा वैष्णव बूंदी के बीबनवा रोड स्थित दयानंद कॉलोनी में रहती थी। मृतका के भाई आरुष ने बताया कि उनकी बहन उमा कोपरखेरण स्थित एक होटल में वेटर का काम करती थी। 14 दिसंबर को नेरूल पुलिस स्टेशन में गुमशदगी दर्ज करवाई थी। इस दौरान उसे ढूंढने की कोशिश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। 17 दिसंबर को पनवेल थाना पुलिस को एक ब्रिज पर शव लटका हुआ मिला तो परिवार को बुलाया गया।

विनय मिश्रा बोले-राजस्थान बड़ा स्टेट, इसलिए कैम्पेनिंग की चुनौती

जयपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात में अपने कदम रखने के बाद अब आम आदमी पार्टी राजस्थान की ओर रुख करने जा रही है। आम आदमी पार्टी ने यह तय कर लिया है कि अब उनका अगला लक्ष्य राजस्थान और हरियाणा होंगे। इनमें राजस्थान पर वह सबसे पहले अपना पूरा जोर लगाएगी। इसके लिए अगले साल के पहले महीने से ही तैयारियां शुरू हो जाएंगी। जनवरी में आम आदमी पार्टी की टीमें राजस्थान आ जाएंगी।

दरसअल, गुजरात में 5 सीटें जीतने और राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनने के बाद आम आदमी पार्टी के हौसले बुलंद हैं। ऐसे में अब आम आदमी पार्टी राजस्थान में अपने पैर जमाना चाहती है। तय किया गया है कि गुजरात की तर्ज पर ही पूरे जोर-शोर के साथ आप पार्टी राजस्थान में भी चुनाव लड़ेगी। वहीं साथ ही साथ दिल्ली से करीब होने के चलते हरियाणा में भी आप पार्टी अपना जोर दिखाएगी।

गुजरात वाले संदीप पाठक की ही होगी जिम्मेदारी

गुजरात की तर्ज पर राजस्थान में भी जिम्मेदारी राष्ट्रीय संगठन प्रभारी और आप के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक को ही दी गई है। वे ही राजस्थान में चुनाव की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा पहले से ही राजस्थान में सक्रिय हैं।

जनवरी से शुरू होगा टीमों का राजस्थान में काम

आप सूत्रों का कहना है कि जनवरी से पार्टी राजस्थान में सक्रियता के साथ अपना काम शुरू कर देगी। प्राइमरी तौर पर सर्वे हो चुके हैं। उसके अलावा जनवरी से आगे के सर्वे भी शुरू हो जाएंगे। इसके अलावा सदस्यता भी तेजी से बढ़ाई जाएगी। राजस्थान में भी दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर ही आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ेगी। दिल्ली और पंजाब की ही तरह विकास के मॉडल को आगे रखेगी। राजस्थान में आम आदमी पार्टी चेहरों की तलाश में है। ऐसे में जनवरी से पार्टी की वर्किंग इस ओर भी शुरू होगी। आप सूत्रों का कहना है कि राजस्थान में दोनों ही पार्टियों से जुड़े कुछ युवा नेताओं से वह संपर्क में है। साथ ही नए चेहरों को भी जोड़ने की तैयारी है।

आप के राजस्थान की उम्मीदों को लेकर जब राजस्थान के प्रभारी और दिल्ली में विधायक विनय मिश्रा से जब हमने विशेष बातचीत की तो उन्होंने कहा कि राजस्थान को लेकर हमारे सर्वे काफी अच्छे आए हैं। मिश्रा ने बताया कि राजस्थान में कैम्पेनिंग हमारे लिए सबसे बड़ा चैलेंज हैं।

हम पुलिस प्रशासन में हस्तक्षेप नहीं करते : येर्राबेल्ली

वारंगल, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस से लोगों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए कहते हुए पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री एर्राबेल्ली दयाकर राव ने वादा किया कि जनप्रतिनिधि पुलिस प्रशासन में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। वह बुधवार को यहां वारंगल पुलिस आयुक्तालयके तहत एनुमामुला कृषि बाजार यार्ड में एक नए पुलिस स्टेशन का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के गतिशील नेतृत्व में राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से कायम है, जिन्होंने पुलिस थानों में सुविधाओं में सुधार किया है और आधुनिक वाहन प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि आप (पुलिस) को लोगों के लिए काम करना चाहिए और उन्हें न्याय दिलाने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने पुलिस से जमीन कब्जाने वालों और अपराधियों से सख्ती से निपटने को कहा। प्रत्येक पुलिस स्टेशन को एक कार और ईंधन और अन्य खर्चों के लिए राशि दी गई थी। प्रत्येक पीएस के रखरखाव के लिए 20,000 रुपये से 50,000 रुपये दिए जाते हैं। इसका श्रेय मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को जाता है।

वारंगल के पुलिस आयुक्त एवी रंगनाथ ने कहा कि हाल ही में पुलिस आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालने के बाद यह पहला पुलिस थाना है, जिसका उद्घाटन किया गया है। यह एक प्रमुख पुलिस स्टेशन है। कई किसान इस जगह का दौरा करते हैं। इसे देखते हुए पुलिस को चाहिए कि वह पुलिस के हितों की रक्षा के लिए कार्य करे। मैं स्टेशन के पहले एसएचओ के रूप में कार्यभार संभालने के लिए इंस्पेक्टर चेरालू को बधाई देता हूं। इस अवसर पर स्थानीय विधायक ए रमेश, कलेक्टर बी गोपी, डीसीपी वेंकटालक्ष्मी, एसीपी ए नरेश कुमार और अन्य उपस्थित थे।

सरदार रविंदर सिंह ने टीएससीएससीएल अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरदार रविंदर सिंह ने बुधवार को यहां तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड (टीएससीएससीएल) के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने शहर में नागरिक आपूर्ति भवन में नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर, समाज कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर और राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बोइनपल्ली विनोद कुमार की उपस्थिति में कार्यभार संभाला। इस अवसर पर बोलते हुए, रविंदर सिंह ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने के लिए धन्यवाद दिया और वादा किया कि वह मुख्यमंत्री की आकांक्षाओं के अनुसार काम करेंगे।

ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक आयोजित

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार (परमाणु ऊर्जा विभाग) का उद्यम, हैदराबाद में समीर मुखर्जी, निदेशक (कार्मिक) तथा प्रभारी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता में तथा अनुराग मालवीया, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के निर्देशन में डॉ. राजनारायण अवस्थी, वरिष्ठ अधिकारी (राजभाषा) एवं सदस्य-सचिव ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 161वीं बैठक का संचालन किया। सदस्य-सचिव ने समिति के समक्ष राजभाषा कार्यान्वयन की पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों तथा अनुवर्ती कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में राजभाषा प्रशिक्षण, राजभाषा कार्यशाला आयोजन, आंचलिक कार्यालयों का राजभाषा निरीक्षण तथा विभिन्न राजभाषा आयोजन सहित अन्य महत्त्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। अध्यक्ष महोदय ने निदेश दिया कि ईसीआईएल द्वारा सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स की तकनीकी शब्दावली का प्रकाशन किया जाए। सदस्यों ने राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के संबंध में अपने-अपने विचार रखे। सदस्यों ने कहा कि राजभाषा कार्यशाला में भाषा संबंधी सूचनाप्रौद्योगिकीपरक टूल्स पर विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जाए। समिति को यह सूचित किया गया कि राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों द्वारा ईसीआईएल के समस्त आंचलिक कार्यालयों का निरीक्षण किया जाना है।

बैठक में समीक्षा के दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने ईसीआईएल के मुख्यालय तथा आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन के प्रगामी प्रयोग की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। अध्यक्ष ने निदेश दिया कि ईसीआईएल के राजभाषा कार्यान्वयन को अखिल भारतीय स्तर पर एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाए। समीक्षा के अनुसरण में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने भी सभी सदस्यों से अपील की कि वे अपना अधिक से अधिक सरकारी काम हिन्दी में करें। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में श्रीधर शेट्टी, प्रमुख, उपकरण प्रणाली प्रभाग; एम.एस.आर.एस. प्रसाद, कंपनी सचिव; श्वेता मोहंती, तकनीकी प्रबंधक, रिएक्टर परियोजना प्रभाग; गोपी राम, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, विशेष उत्पाद प्रभाग तथा सौरभ भागबती, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, प्रणाली गुणता एवं आश्वासन प्रभाग ने राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में अपने-अपने विचार रखे। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने ईसीआईएल में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए सभी सदस्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में वी. कनकाश्री महालक्ष्मी, कनि. अनुवादक (राजभाषा), सीएच. अंबेडकर, कनि. अनुवादक (राजभाषा) तथा अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक (राजभाषा) द्वारा ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन की अद्यतन स्थिति का प्रस्तुतीकरण किया गया।

पूर्वछात्रों की बैठक आगामी 24 को

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय में 24 दिसंबर को पूर्व छात्रों की बैठक का आयोजन दोपहर 3 बजे किया जा रहा है। बैठक में पूर्व छात्र संगठन के सभी पदाधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। बैठक में चर्चा के मुख्य बिंदु है।

वर्ष 2022-23 के नववर्ष में पूर्व छात्रों द्वारा आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रम। आगामी नैक के चतुर्थ चरण के बारे में पूर्व छात्रों से सहयोग। वर्ष 2023-24 के वार्षिक कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाना। सभी पूर्व छात्रों से अपेक्षा है कि वे बैठक में सम्मिलित होकर आगामी कार्यक्रमों में अपना सहयोग दें।

बोइनपल्ली स्थित दत्तात्रेय मंदिर में आयोजित कल्याणोत्सव व अन्नदान कार्यक्रम में भाग लेते हुए केंटोनमेंट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष जे. प्रताप व अन्य भक्तगण।

एनआर लक्ष्मण राव नियुक्त

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। समाजसेवी व विहिप नेता एनआर लक्ष्मण राव को राष्ट्रीय मानवाधिकार महिला और बाल संरक्षण परिषद के संयुक्त सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मानवाधिकार महिला और बाल संरक्षण परिषद, भारत सरकार के कानून के तहत अनंतुला श्रीनिवास द्वारा लक्ष्मण राव की नियुक्ति की गई है। इस पर श्री राव ने प्रसन्नता जताते हुए उन्हें दिये गये दायित्व को पूरी निष्ठ के साथ निभाने की बता कही।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य ने किया एसबीआई का दौरा

अल्पसंख्यक वर्ग को दिए गए वित्तीय सहायता की समीक्षा की।

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की सदस्य सुश्री सैयद शहजादी ने आज भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, हैदराबाद का दौरा किया और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा राज्य में विभिन्न अल्पसंख्यक वर्ग को दिए गए वित्तीय सहायता की समीक्षा की। उन्होंने बैंक अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के लक्ष्यों को बैंक द्वारा प्राप्त किया जाए। देवाशीष मित्रा, महाप्रबंधक नेटवर्क 2, भारतीय स्टेट बैंक, पीके मोहनदास, उप महाप्रबंधक (एफआई) और स्थानीय प्रधान कार्यालय के अन्य अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

मुफ्त कृत्रिम पैर फिटिंग शिविर के लिए असाधारण प्रतिक्रिया : जिला एसपी

आसिफाबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला केंद्र में पुलिस मी कोसम कार्यक्रम के तहत चेतना फाउंडेशन, रोटरी क्लब (खम्मम) और जिला पुलिस द्वारा आयोजित किया गया।पुलिस मी कोसम कार्यक्रम के तहत चेतना फाउंडेशन व रोटरी क्लब (खम्मम) के सहयोग से कुमरम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस ने बुधवार को जिला पुलिस मुख्यालय में कृत्रिम टांगें निशुल्क लगाईं। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस ने फीता काटकर किया।शासन के मुख्य सचेतक बालका सुमन ने कहा कि कुमरम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस की सेवाएं स्मरणीय हैं। कहा कि जिले में स्वयंसेवी संस्थाओं व पुलिस की देखरेख में कृत्रिम हाथ-पैर, मुफ्त सिलाई, कंबल वितरण व अन्य सेवा कार्यक्रम आयोजित करना बड़ी बात है।जिला एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस ने कहा कि यह कार्यक्रम दुर्घटना या मधुमेह के कारण पैर गंवा चुके दिव्यांगजनों को जयपुर के ज्ञान से बने कृत्रिम पैर उपलब्ध कराने के लिए आयोजित किया गया जा रहा है। इस चयन शिविर में कुमरम भीम आसिफाबाद जिले व अन्य जिलों से कुल 108 विकलांगों ने भाग लिया, जिसमें 94 लोगों के पैर और 12 लोगों के हाथ जोड़े गए। इन सभी के पैरों की जांच पिछले महीने की 6 तारीख को हुई थी और उनकी माप के आधार पर कृत्रिम पैर बनाए गए थे।कई गरीब लोगों के लिए चेतना फाउंडेशन (अध्यक्ष वेनिगल्ला रविकुमार), अध्यक्ष डोड्डापनेनी सीतारमैया और रोटरी क्लब संबासिवराव खम्मम जो इस महान कार्यक्रम को अंजाम दे रहे हैं, उन्हें एसपी गारू ने शॉल से सम्मानित किया।इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष कोवालक्ष्मी, आसिफाबाद के विधायक आत्राम सक्कू, सिरपुर कागज नगर के विधायक कोनेरू कोनप्पा, जिला अतिरिक्त एसपी (प्रशासन) अचेश्वर राव, अतिरिक्त एसपी (एआर) भीम राव, चेतना फाउंडेशन के अध्यक्ष सीतारमैया, रोटरी क्लब के अध्यक्ष दोड्डापानेनी संबाशिव राव, डीएसपी श्रीनिवास, करुणाकर चिकित्सा कर्मियों, जिला पुलिस अधिकारियों, पुलिस कर्मियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

कादम्बिनी क्लब हैदराबाद की मासिक गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में अवधेश कुमार सिन्हा (दिल्ली) की अध्यक्षता में क्लब की 365वीं गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट पर किया गया। कार्यक्रम का तकनीकि संचालन करते हुए श्रीमती शिल्पी भटनागर ने क्लब अध्यक्षा डॉ. अहिल्या मिश्र को स्वागत भाषण हेतु आमंत्रित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि यह संस्था साहित्य की सेवा में सतत् कार्यरत है। युवा वर्ग को जोड़ते हुए उन्हें पठन - पाठन और लेखन की ओर मोड़ रही है। धीरे धीरे कारवाँ बढ़ रही है। अवधेश कुमार सिन्हा संगोष्ठी संयोजक ने फ्रांस की पहली नोबेल पुरस्कार ग्रहीता एनी आर्णे के संबंध में साहित्यिक गतिविधियों में उनकी प्रतिभा और व्यक्तित्व पर विशेष प्रकाश डाला। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए डॉ. अहिल्या मिश्र ने कहा कि हमारे यहाँ भी कई महिला लेखिकाओं ने अपने विचार साहस के साथ रखे हैं, परंतु धृष्टतापूर्ण टिप्पणियाँ भी आती रहीं। दूसरे सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें रचनाकारों ने कविता, गीत, ग़ज़ल, भक्ति गीत, शृंगार गीत, हायकु आदि काव्य के सभी विधाओं को समाहित करते हुए काव्य पाठ का आनंद लिया। आर्या झा, किरण सिंह, विभा भारती, शोभा देशपांडे, संतोष रजा गाजीपुरी, दर्शन सिंह, विनोद गिरि अनोखा, मोहिनी गुप्ता, सीताराम माने, मीना मुथा, डॉ आशा मिश्रा "मुक्ता', शिल्पी भटनागर, डॉ अहिल्या मिश्र ने काव्य पाठ किया।

पद्मश्री डॉ. नोरी दत्तात्रेय प्रतिष्ठित शिवानंद एमिनेंट सिटिजन अवार्ड से सम्मानित

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रसिद्ध अन्कालजिष्ट पद्मश्री डॉ. नोरी दत्तात्रेय को सनातन धर्म चैरिटबल ट्रस्ट द्वारा प्रतिष्ठित शिवानंद एमिनेंट सिटिजन अवार्ड 2021 प्रदान किया। नोरी दत्तात्रेय पिछले पांच दशकों से कैंसर पीड़ितों आम लोगों से लेकर राजनीति के नेताओं, सिनेमा के लोग, क्रीड़ा कार, ऐसे हजारों लोगों को चिकित्सा कर रहे हैं। अपने अथक प्रयासों के लिए दुनिया भर में ख्याति प्राप्त की है। सनातन धर्म चैरिटेबल ट्रस्ट ने आज सिकंदराबाद के टिवोली गार्डन में आयोजित एक समारोह में अपने 28वें वार्षिक "शिवानंद एमिनेंट सिटिजन अवार्ड 2021" से सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस एल. नागेश्वर राव ने शिरकत की और डॉ. नोरी दत्तात्रेय को पुरस्कार प्रदान किया। पुरस्कार के साथ-साथ सनातन धर्म चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एक शाल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। संस्था के प्रबंध न्यासी राज कंदुकुरी ने कहा कि पूज्य सद्गुरु श्री शिवानंद मूर्ति के आदेश से स्थापित सनातन धर्म चैरिटेबल ट्रस्ट विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट सेवाओं से विख्यात एवं मार्गदर्शक रहे गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित कर रहा है। शिवानंद प्रख्यात नागरिक पुरस्कार के साथ कई लोगों को अब तक शिक्षा, चिकित्सा, कानून, रक्षा, लोक सेवा, लेखन, साहित्य और कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों के 125 मेधावी व्यक्तियों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। बाद में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति नागेश्वर राव ने कहा कि सद्गुरु शिवानंद मूर्ति ने न केवल आध्यात्मिक उपदेश दिए, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी भी सिखाई, भले ही वे शारीरिक रूप से उपस्थित न हों, लेकिन उनके आदर्शों को सनातन धर्म चारिटबुल ट्रस्ट सदस्य आगे ले जा रहे हैं। महोत्सव में पिछले कई प्राप्तकर्ताओं के साथ, सद्गुरु शिवानंदमूर्ति के परिवार के सदस्य श्रीमती कंडुकुरी राजेश्वरी बसवराजू, आनंद कंदुकुरी, नवोदित फिल्म नायक शिव कंदुकुरी, शिष्य गण, ट्रस्ट के सदस्य एल.वी. सुब्रह्मण्यम, गोपाल रेड्डी, भास्कर राव, मुरली कृष्ण, डॉ. प्रभाकर, सुपथा फाउंडेशन सदस्यों राधा कुमारी, विट्ठल और अन्य लोगों ने भाग लिया।

एकता और विश्व शांति के लिए खेलों को बढ़ावा देना जरूरी : श्रीमती स्वर्णश्री

सारथी स्कूल में तीन दिवसीय खेल उत्सव का आगाज

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तीन दिवसीय खेल-उत्सव का एक भव्य उद्घाटन समारोह हब्सीगुड़ा के सारथी स्कूल मैदान में आयोजित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि स्कूल की कारेस्पांडेंट श्रीमती स्वर्णश्री ने विद्यार्थी परिषद की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया। अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने एकता और विश्व शांति के माध्यम के रूप में खेलों को बढ़ावा देने की आवश्यकता को दोहराया। श्रीमती स्वर्णश्री ने कोविड महामारी के कारण लंबे अंतराल के बाद इस मंच की व्यवस्था करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बढ़ते बच्चों के मानसिक निर्माण में शारीरिक गतिविधि के महत्व पर बल दिया। प्रिंसिपल लक्ष्मी प्रसन्ना, खेल सचिव खड्ग जगनमोहन और सुश्री अक्षरा रेंदला ने अपने भाषणों से छात्रों का उत्साहवर्धन किया। मास ड्रिल और झाँकी ने भव्य कार्यक्रम में और अधिक मज़ा और स्वाद जोड़ा। विभिन्न इवेंट्स के फाइनलिस्ट्स का खास दिन था और इस अवसर पर मेरिट के छात्रों को सम्मानित किया गया।

क्षत्रिय युवक संघ का स्थापना दिवस 25 को

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी राजपूत संघ हैदराबाद सिकंदराबाद तेलंगाना प्रदेश समाज बन्धुओं के तत्वावधान मे क्षत्रिय युवक संघ का 76वां स्थापना दिवस 25 दिसंबर को प्रात: 7.30 बजे संजीवय्या पार्क सिकंदराबाद में आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति में राजस्थानी राजपूत संघ के महेन्द्रसिंह नोसर व गोपालसिंह चारणीम ने संयुक्तरुप से बताया कि समाज बन्धुओं के सानिध्य मे प्रात: 7 बजे पुजा-अर्चना व पूज्य तनसिंहजी की तस्वीर पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलितकर 76 वां स्थापना दिवस भव्यरुप से आयोजित किया जाएगा एवं आगामी 13 जनवरी 2023 से 15 जनवरी 2023 को प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन अमृतधाम आश्रम, परम् पूज्य श्री सुधांशुजी महाराज मसूरेवेल्यु मे किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे राजस्थानी राजपूत संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

माथुर वैश्य महिला मंडल भाग्यनगर की मीटिंग का आयोजन किया गया। इसमें कई खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रथम स्थान रिया, द्वितीय स्थान रचना का रहा। नींबू दौड़ में प्रथम स्थान संध्या, द्वितीय स्थान सोनू का रहा। अध्यक्षा सपना गुप्ता ने सभी को घन्यवाद दिया।

गोशाला चलाना सरकार का काम : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के तत्वावधान में वारंगल, जनगांव, महबूबाबाद एवं हनमकोंडा जिलों में विभिन्न गोशालाओ की मदद से 140 गोवंश का वितरण किया गया। इस अवसर पर किसानों को सम्बोधित करते हुए तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के मानद अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने कहा कि गोशाला चलाना सरकार का काम है। गोशालाओं में अधिकतर गोवंश पुलिस विभाग द्वारा पकड़ कर न्यायलय के आदेशानुसार गोशालाओं के सुपर्द किया गया है, जहाँ कि गोशाला प्रबंधक को बचाये गए गोवंश का भरण पोषण करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बचाये गए गोवंश के लिए सरकार फूटी कौड़ी भी नहीं देती है, नही सरकारी पशु चिकित्सक गोशालाओं में अपनी सेवाएं देते है, सरकार कि तरफ से गोशालाओं के लिए निशुल्क औषधियों का प्रावधान है, बावजूद इसके सरकार गोमाता के लिए निशुल्क औषधियों देने में असमर्थ है।

इस अवसर पर जरूरतमंद एवं निर्धन ग्रामीणों को कम्बल का वितरण किया गया। गोवंश वितरण कार्यक्रम में गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष श्री गाडीपल्ली राजेश्वर राव, बनोथ गणेश, कमलेकर अरविंद एवं विभिन्न ग्राम पंचायत के सरपंच एवं किसान नेता उपस्थित थे।

समग्र जाति संघ के प्रतिनिधियों ने की मंत्री गंगुला से मुलाकात

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा सभी जाति समुदायों के लिए बनाये जा रहे स्वाभिमान भवन के तहत समग्र जाति संघ के प्रतिनिधियों ने भी अपने लिए भवन निर्माण के लिए भूमि आवंटित करने के लिए संबंधित मंत्री गंगुला कमलाकर से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि मंत्री तलसानी श्रीनिवास ने गौड़ संघ के लिए जमीन आवंटित किये जाने का आश्वास दिया था तथा मंत्री गंगुला से मुलाकात की बात भी कही थी। संघ के प्रतिनिधियों ने मंत्री श्रीनिवास यादव द्वारा दिए गए बंदोबस्ती पत्र को आज एक बार फिर शीघ्र स्थान आवंटित करने के लिए संबंधित मंत्रियों ने गंगुला कमलाकर से मुलाकात की। इस पर श्री गौड़ ने मंत्री गंगुला कमलाकर और तलसानी श्रीनिवास यादव को यह आश्वासन देने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में समग्र जाति संघ समाज के अध्यक्ष बी. जानकी राम, कार्यकारी अध्यक्ष बी. कृष्ण, सचिव के राजेश, सहायक कोषाध्यक्ष सी. रामचरण, ईसी सदस्य के दुर्गाराज, आर. शिव चरण, बी विजय व अन्य ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

कविता ने बताया ...

ने दिल्ली में शराब के कारोबार पर नियंत्रण हासिल करने के लिए अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी।

दक्षिण ग्रुप ने कथित तौर पर थोक व्यापार और कई खुदरा क्षेत्र हासिल किए। ईडी ने आरोप लगाया कि कविता की इंडोस्पिरिट में अपने प्रॉक्सी अरुण पिल्लई के माध्यम से मगुन्टा परिवार के साथ 65 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसने खुदरा में 14 करोड़ बोतलें बेचकर कम से कम 195 करोड़ रुपये का लाभ कमाया।

कविता ने भाजपा के राजगोपाल रेड्डी के एक अन्य ट्वीट पर भी प्रतिक्रिया दी। बीजेपी नेता ने एक अखबार की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए ट्वीट किया, 'चार्जशीट में 28 बार लिकर क्वीन का नाम आया।' बीआरएस नेता ने उन्हें जल्दबाजी न करने की सलाह दी। कविता ने हैशटैग के साथ ट्वीट किया, "28 बार नहीं, भले ही मेरे नाम का 28,000 बार उल्लेख किया जाए, झूठ सच नहीं होता।

11 दिसंबर को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कविता से सात घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी। दिल्ली शराब नीति घोटाले में कारोबारी अमित अरोड़ा को रिमांड पर लेने के लिए दिल्ली की एक अदालत में ईडी द्वारा दायर रिमांड रिपोर्ट में 30 नवंबर को कविता का नाम सामने आया था।

'शाहरुख खान मिला ...

पैंगबर मुहम्मद की जीवनी पर बनाकर दिखा

संत ने कहा कि मेरे लोग मुंबई में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई हिंदू शेर जला दे तो मैं उसके परिवार की आर्थिक मदद करूंगा। आचार्य ने कहा कि शाहरुख खान का मजहब तो इस्लाम है। आज तक उन्होंने अपने मजहब पर ना तो कोई वेब सीरीज और ना कोई फिल्म बनाई है। मैं शाहरुख को चैलेंज करता हूं हलाला पर फिल्म बनाकर कर दिखा दे, तीन तलाक पर बनाकर दिखा दे, पैंगबर मुहम्मद की जीवनी पर बनाकर दिखा दें। पता नहीं 5 मिनट के अंदर कितने टुकड़े होंगे कोई गिन नहीं पाएगा। वहीं संत ने शाहरुक खान के साथ-साथ सलमान खान और आमिर खान को भी टारगेट किया है।

दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया को झटका

कप्तान केएल राहुल चोटिल, पुजारा कर सकते हैं कप्तानी

मीरपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। कप्तान केएल राहुल नेट प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हो गए। वे ढाका टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो चेतेश्वर पुजारा कप्तानी कर सकते हैं। अभिमन्यु ईश्वरन को शुभमन गिल के साथ ओपनिंग का मौका मिल सकता है।

इससे पहले टीम के रेगुलर कैप्टन रोहित शर्मा वनडे सीरीज के दौरान अंगूठे में लगी चोट के कारण टेस्ट मैचों से बाहर हो गए थे। उनकी जगह केएल राहुल ने पहले टेस्ट में कप्तानी की थी।

बल्लेबाजी कोच ने कहा- सुबह तक करेंगे इंतजार

टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ अब भी राहुल के खेलने की उम्मीद रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और वे दूसरा टेस्ट खेल सकते हैं। हालांकि इसके लिए मैच की सुबह तक इंतजार करना होगा। तब राहुल की चोट का जायजा लिया जाएगा और इसके बाद ही कोई फैसला होगा।

राठौड़ के थ्रो पर लगी चोट

राहुल को यह चोट नेट प्रैक्टिस के दौरान थ्रो-डाउन खेलते वक्त लगी। संयोग से यह थ्रो-डाउन खुद बैटिंग कोच विक्रम राठौड़ ही करा रहे थे। इसके बाद टीम डॉक्टर राहुल के पास आए।

भारत ने 188 रनों से जीता पहला टेस्ट

टीम इंडिया ने चट्टोग्राम में खेला गया पहला टेस्ट मैच 188 रनों से जीता था। भारतीय टीम दो मुकाबलों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले चुकी है।

वनडे सीरीज में चोटिल हो गए थे रोहित

भारत के कप्तान रोहित शर्मा वनडे सीरीज के दूसरे मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। फील्डिंग करने के दौरान उनके अंगूठे में चोट लगी थी। उन्होंने मैच में बैटिंग जरूर की थी और फिफ्टी भी लगाई थी, लेकिन मैच के बाद वह इलाज कराने के लिए मुंबई लौट आए।

इलाज के बाद मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा था कि रोहित दूसरा टेस्ट खेलेंगे, लेकिन मेडिकल टीम ने रोहित को मैच नहीं खेलने की सलाह दी है। मेडिकल टीम की सलाह पर बीसीसीआई ने रोहित को दूसरे टेस्ट से भी बाहर रखने का फैसला किया है।

कोहली नहीं चले तो भारत शतक में 5वें स्थान पर

2016-19 के बीच भारत के 127 शतक, पिछले 3 सालों में सिर्फ 28

दुबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम इन दिनों बांग्लादेश दौरे पर हैं। पांच मैचों (3 वनडे, 2 टेस्ट) वाले इस दौरे पर भारत की ओर से 4 बल्लेबाज शतक जमा चुके हैं। हालांकि, पिछले आंकड़ों पर नजर डालें तो शतक जमाने के मामले में भारतीय बल्लेबाज बाकी दुनिया से पिछड़ते नजर आ रहे हैं। साल 2022 में भारतीय बल्लेबाजों ने 70 मैचों में 15 शतक लगाए हैं, जो कि इंग्लैंड (27), न्यूजीलैंड (19), पाकिस्तान (18) और ऑस्ट्रेलिया (17)से कम है। इस साल लगे 15 शतकों में से 7 शतक सितंबर के बाद आए हैं। इस दौरान कोहली ने अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप टी20 में शतक लगाकर 3 साल के शतकों के सूखे को खत्म किया। तब से भारत की ओर से लगे 7 शतकों में 2 कोहली के हैं। यानि कोहली के फॉर्म और भारतीय बल्लेबाजों के शतकों की संख्या में सीधा कनेक्शन है।

साल 2016 से लेकर 2019 का समय कोहली के इंटरनेशनल करियर का पीक माना जाता है, जब उन्होंने 71 की औसत से रन बनाए। इस दौरान भारतीय टीम की ओर से 204 मैचों में सर्वाधिक 127 शतक लगे। यानी हर 1.6 मैच के बाद एक शतक। इनमें से 36 शतक अकेले कोहली के थे। हालांकि, साल 2020 की शुरुआत से ये आंकड़ा बदल गया। कोहली का बल्लेबाजी औसत 35 तक गिरा। इसका असर भारतीय टीम की बैटिंग फॉर्म पर दिखा। तब से भारत ने 130 मैचों में मात्र 27 शतक लगाए हैं, यानी करीब हर 4.6 मैच के बाद एक शतक लग रहा है।विराट के पीक के दौरान दुनिया में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली भारतीय टीम उनके खराब दौर में शतक लगाने के मामले में इंग्लैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से पिछड़ते हुए 5वें नंबर पर पहुंच गई। इस साल के सितंबर महीने तक तो टीम श्रीलंका और बांग्लादेश से भी पीछे थी और लगभग हर 5वें मैच में एक शतक जमा रही थी। एशिया कप में कोहली के फॉर्म में आने के बाद से हालत सुधरे हैं और अब टीम 3.8वें मैच में शतक लगा रही है।

पिछले 2 सालों में कोई भारतीय कप्तान शतक नहीं लगा पाया, रहाणे का था आखिरी 100+

भारतीय टीम पिछले दो सालों में इंटरनेशनल क्रिकेट में 8 कप्तान आजमा चुकी है। हालांकि, इस दौरान कोई भी कप्तान शतकीय पारी नहीं खेल पाया है। कप्तान के रूप में भारत की ओर से आखिरी शतक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कप्तानी कर रहे अजिंक्य रहाणे ने 26 दिसंबर 2020 को मेलबर्न में हुए टेस्ट में लगाया था।

अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा सितारों पर क्लब्स की नजर

फर्नांडीज को मिला 700 करोड़ का ऑफर, जूड बेलिंघम की 800 करोड़ में मांग

अज्जेडिन औनाही, उम्र: 22, देश: मोरक्को, रोल: मिडफील्डर

वर्ल्ड कप में मोरक्को के सेमीफाइनल में पहुंचाने के अज्जेडिन का सबसे बड़े स्टार में से एक हैं। अज्जेडिन मिडफील्डर के तौर पर मोरक्को के लिए खेलते हैं और कई बड़े क्लब इनमें दिलचस्पी दिखा रहे हैं। माना जा रहा है कि प्रीमियर लीग क्लब लीस्टर सिटी इन्हें अपनी टीम में शामिल कर सकता है।

कतर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कतर वर्ल्ड कप में कई नए सितारों ने फैंस और क्लबों के बीच अपनी छाप छोड़ी है। ऐसे में अगले महीने शुरू होने वाली विंडो में बड़े क्लब कई नए सितारों को अपने साथ जोड़ना चाहेंगे। इस वर्ल्ड कप में मोरक्को के कई खिलाड़ियों ने, खास कर क्लब्स को अपनी ओर आकर्षित किया है। ऐसे में जानते हैं कि कौन से क्लब अपनी टीमों को मजबूत करने के लिए इन खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ सकते हैं।

जूड बेलिंघम, उम्र: 19, देश: इंग्लैंड, रोल: मिडफील्डर

बेलिंघम को अपने साथ जोड़ने की लिस्ट में सबसे ऊपर रियल मैड्रिड और लिवरपूल हैं। लिवरपूल बेलिंघम के लिए करीब 879 करोड़ रुपए खर्च करने को तैयार है। बोरूसिया डॉर्टमुंड का बेलिंघम के साथ 2025 तक का कॉन्ट्रेक्ट है और वे उन्हें छोड़ने के लिए 1319 करोड़ की मांग कर रहा है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से रमीज राजा की छुट्टी

इस दिग्गज को बनाया गया नया पीसीबी चेयरमैन

मीरपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में बड़ा बदलाव हुआ है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 3-0 से मिली करारी हार के बाद रमीज राजा को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन पद से हटा दिया गया है, रमीज की जगह नजम सेठी को यह जिम्मेदारी दी गई है।

प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने नजम के नाम पर मुहर लगाई

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने नजम सेठी के नाम पर मुहर लगाते हुए उन्हें पीसीबी की कमान सौंपी है। सेठी पाकिस्तान के जाने-माने पत्रकार भी रह चुके हैं। वे पहले भी चेयरमैन रह चुके हैं।

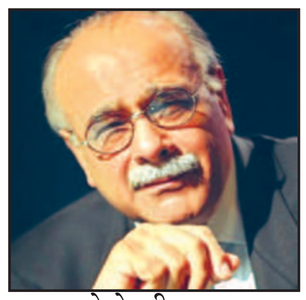

2021 में पीसीबी के चीफ बने थे रमीज राजा

पूर्व पाकिस्तानी कप्तान और 1992 की विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रमीज राजा को पिछले साल सितंबर में 3 साल की अवधि के लिए सर्वसम्मति से पीसीबी का 36वां अध्यक्ष चुना गया था।

कौन हैं नजम सेठी

नजम सेठी इससे पहले भी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन रह चुके हैं। उन्होंने 2018 में इस पद को छोड़ा था। उन्होंने 2013 और 2014 में भी पीसीबी के अध्यक्ष के रूप में काम किया था, हालांकि अब एक बार फिर उनकी वापसी हुई है। आपको बता दें कि पाकिस्तान में नई सरकार बनने के बाद से ही पीसीबी चेयरमैन के बदले जाने की खबर आ रही थी, जिस पर अब मुहर लग चुकी है।

बस की छत से गिरते-गिरते बचे मेसी

फैंस बस पर टूट पड़े तो अर्जेंटीना के कप्तान को हेलिकॉप्टर से निकालना पड़ा

अर्जेंटीना, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। तस्वीर अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स पर मंगलवार को मनाए गए जश्न की है। इसमें मेसी समेत कई प्लेयर्स बस की छत पर बैठे दिख रहे हैं।

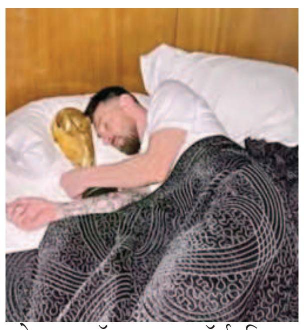

फुटबॉल वर्ल्ड कप विजेता अर्जेंटीना की टीम का देश में मंगलवार को लाखों फैंस ने स्वागत किया। जश्न राजधानी ब्यूनस आयर्स में मनाया गया। पूरी टीम खुली छत वाली बस पर बैठकर इस जश्न में शामिल हुई। इस दौरान बड़ा हादसा होते-होते बचा। छत पर बैठे कप्तान मेसी समेत 5 प्लेयर्स गिरते-गिरते बचे। जश्न के दौरान जब फैंस की भीड़ बस की ओर उमड़ी तो मेसी को हेलिकॉप्टर से निकालना पड़ा। अर्जेंटीना की सरकारी एजेंसी टेलम के मुताबिक, ब्यूनस आयर्स के स्मारक स्थल पर 40 लाख लोग मौजूद थे।

वर्ल्ड कप ट्रॉफी सीने से चिपकाकर सोए मेसी, फोटोज वायरल

मेसी की तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वह वर्ल्ड कप ट्रॉफी को सीने से चिपकाकर सो रहे हैं। ये फोटो उन्होंने खुद पोस्ट कीं। जीत के बाद उनकी ट्रॉफी को चूमने और टेबल डांस की फोटोज वायरल हुई थीं। अर्जेंटीना ने 18 दिसंबर को फीफा वर्ल्ड के फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में हराकर खिताब पर कब्जा किया था। ोशल मीडिया लोगों ने मेसी की इन फोटोज पर मजेदार कमेंट्स किए। किसी ने इसे चैन की नींद करार दिया तो कोई बोला- गुड स्लीप किंग ऑफ फुटबॉल। दरअसल मेसी का वर्ल्ड कप जीतने का सपना 16 साल बाद पूरा हुआ है। मेसी का यह पांचवां वर्ल्ड कप था। उन्होंने पहली बार 2006 में वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना टीम के हिस्सा थे। पर अर्जेंटीना वर्ल्ड कप जीतने में सफल नहीं हो पाई थी। अर्जेंटीना ने तीसरी बार वर्ल्ड कप जीता है। इससे पहले 1978 और 1986 में जीता था।

अर्जेंटीना में मेसी का भव्य स्वागत, छुटी घोषित कर दी थी

फीफा कप की विश्व विजेता टीम स्थानीय समय अनुसार मंगलवार रात करीब 3 बजे लौटी, तब अर्जेंटीना जाग रहा था। मेसी के हाथों में ट्रॉफी देखकर करोड़ों आंखों को ऐसा ही सुकून मिला, जैसा साक्षात भगवान को देखकर मिलता है। अर्जेंटीना में मंगलवार को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया, लेकिन रविवार से ही पूरा देश छुट्टी पर है। उन्होंने 11 किमी लंबा रोड शो किया गया।

मेसी ने वर्ल्ड कप में अब तक किए हैं 16 गोल

मेसी को दूसरी बार वर्ल्ड कप गोल्डन बॉल का अवॉर्ड मिला। हालांकि, गोल्डन बूट फ्रांस के काइलियन एमबाप्पे को मिला। जिन्होंने टूनार्मेंट में 8 गोल किए। वहीं मेसी ने इस वर्ल्ड कप में 7 गोल किए थे। फाइनल में मेसी ने 2 गोल किए। वे अब तक वर्ल्ड कप में 26 मैच खेल चुके हैं, जिनमें 16 गोल करने में सफल हुए हैं। इनमें 12 फील्ड गोल हैं और 4 गोल पेनाल्टी से किए हैं। उन्होंने 2006 में अर्जेंटीना के लिए एक गोल किया। 2010 में अपने दूसरे वर्ल्ड कप में वह एक भी गोल करने में सफल नहीं हुए थे। 2014 में उन्होंने 4 गोल किए थे। 2018 में उन्होंने 1 गोल किया। जबकि अपने पांचवें वर्ल्ड कप में उन्होंने अपने अर्जेंटीना के लिए 7 गोल किए।

पेनल्टी शूटआउट मिस करने वाले अश्वेत खिलाड़ियों पर नस्लीय टिप्पणी

फ्रांस फुटबॉल फेडरेशन करेगा कानूनी कार्रवाई

पेरिस, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कतर में 18 दिसंबर को संपन्न हुए फुटबॉल वर्ल्ड कप में फ्रांस को पेनाल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद फ्रांस के खिलाड़ियों को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। उन पर नस्लीय टिप्पणी की जा रही है। फ्रांस फुटबॉल फेडरेशन ने ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। वहीं फ्रांस के कई राजनेताओं ने भी इसकी आलोचना की है।

दरअसल पेनाल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना ने 4-2 से बाजी मारी। इससे पहले तय समय तक दोनों टीमें 2-2 गोल की बराबरी पर थीं। उसके बाद मैच हाफ टाइम में गया। हाफ टाइम में भी दोनों टीमों ने 1-1 गोल किए। इस तरह मैच 3-3 की बराबरी पर रहा। जिसके बाद मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ। फ्रांस की ओर से पेनाल्ट शूटआउट में कीलियन एम्बाप्पे और रांडल कोलो मुआनी गोल करने में सफल रहे। जबकि किंग्स्ले कॉमान और औरेलियन चौमेनी शॉट मिस कर गए।

फ्रांस फुटबॉल फेडेरेशन ने अपने सोशल मीडिया से पोस्ट किया कि फ्रांसीसी टीम के कई खिलाड़ियों को सोशल मीडिया पर नस्लवादी टिप्पणी की जा रही है। फेडरेशन इसकी निंदा करता है। इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फेडरेशन ऐसे लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएगा।

पहली बार ऐसा नहीं है कि खिलाड़ियों को इस तरह निशाना बना गया हो

ऐसा पहली बार नहीं है कि फुटबॉल खिलाड़ियों को इस तरह निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले भी कई टीमों के खिलाड़ियों को निशाना बनाया गया है। 2020 यूरो कप में स्विटजरलैंड से हार के बाद फ्रांस के खिलाड़ी कीलियन एम्बाप्पे को निशाना बनाया गया था। एम्बाप्पे ने कतर वर्ल्ड कप में गोल्ड बूट मिला। उन्होंने सबसे ज्यादा 8 गोल किए हैं। वहीं फाइनल में उन्होंने अर्जेंटीना के खिलाफ हैट्रिक गोल किए।

यूरो 2020 के फाइनल में इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा था। उसके बाद इंग्लिश खिलाड़ी जादोन सांचो, बुकायो साका और मार्कस रैशफोर्ड को भी नस्लीय टिप्पणी का सामना करना पड़ा। यूरो 2020 के फाइनल के बाद, इंग्लिश खिलाड़ी जादोन सांचो, बुकायो साका और मार्कस रैशफोर्ड, जो सभी अश्वेत हैं, को पेनल्टी स्कोर करने में विफल रहने के बाद ऑनलाइन गालियों का सामना करना पड़ा क्योंकि इंग्लैंड 1966 विश्व कप के बाद से अपनी पहली ट्रॉफी जीतने में विफल रहा। ब्रिटिश पुलिस ने उसके बाद कई गिरफ्तारियां कीं और एक व्यक्ति को 10 सप्ताह के लिए जेल में डाल दिया गया।

मां कहती थीं-चेहरे पर चोट लगी तो शादी नहीं होगी

बॉक्सिंग से मना करती थीं, निखत बोलीं- फिक्र मत करो..दूल्हों की लाइन लगेगी

भोपाल, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। देश को वर्ल्ड चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल दिलाने वाली मुक्केबाज निखत जरीन के लिए खेल में धर्म मायने नहीं रखता है। वे जब भी कोई टूर्नामेंट खेल रही होती हैं तो उनका लक्ष्य देश को मेडल जिताने पर रहता है। यह बात खुद निखत जरीन ने कही है। निखत वही मुक्केबाज हैं, जिसने मैरीकॉम जैसी दिग्गज मुक्केबाज को कई बात मात दी है।

हिजाब विवाद के सवाल पर 26 साल की इस मुक्केबाज ने कहा- 'स्पोर्ट्स में मेरे लिए कोई धर्म मैटर नहीं करता है। हम यहां पर देश को रिप्रिजेंट करते हैं और देश को मेडल जिताने का ही हमारा एक लक्ष्य रहता है।'

वे भोपाल में चल रही नेशनल विमेन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हिस्सा ले रही हैं। निखत ने पहला मुकाबला आसानी से जीत लिया। निखत की आक्रामकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रेफरी को बाउट रोकनी पड़ी।

पहली जीत के बाद निखत ने हिजाब विवाद, ड्रेस कोड और वर्ल्ड चैंपियनशिप व पेरिस ओलिंपिक गेम्स की तैयारियों पर संक्षिप्त। इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों के तौर पर लूंगी। यह साल की आखिरी कॉम्पिटिशन है। तो मैं उम्मीद करती हूं यहां भी गोल्ड जीतूं और इस साल का समापन गोल्ड के साथ करूं।

तैयारी तो बढ़िया ही रहेगी। पहले से और ज्यादा मेहनत करूंगी, क्योंकि चैंपियनशिप इंडिया में हो रही है, तो मेरे से लोगों की उम्मीदें भी ज्यादा रहेंगी। मेरी तरफ से पूरी कोशिश रहेगी कि अपना बेस्ट दूं और इस बार भी इस चैंपियनशिप में अपने देश के लिए गोल्ड जीत सकूं। पहले दौर में रेफरी स्टॉप द कॉन्टेस्ट किया है, मुझे अच्छा लगा। धीरे-धीरे और सुधार करूंगी। और अच्छा करने की कोशिश करूंगी।

हाल ही में उनसे मुलाकात हुई थी और हमने उनके गाने पर साथ में एक वीडियो भी बनाया था। सलमान ने मुझसे बहुत अच्छे से बात की है और आने वाले कॉम्पिटिशन के लिए शुभकामनाएं दीं। उनसे मिलकर अच्छा लगा।

अल्टीमेट ड्रीम तो ओलिंपिक में गोल्ड जीतना है। मैं हर प्रतियोगिता में एक के बाद एक फोकस करना चाहती हूं। फिलहाल, नेशनल खेल रही हूं तो उसी में ध्यान है। उसके बाद मेरा फोकस वर्ल्ड चैंपियनशिप पर रहेगा। मैं एथलीट हूं और इन सब पॉलिटिकल चीजों पर कमेंट नहीं करना चाहती हूं। अगर हिजाब की बात करें तो बॉक्सिंग में इंटरनेशनल बॉडी हिजाब पहनकर खेलने की अनुमति देती है। तो यहां पर कोई रोक-टोक नहीं है। यहां आप अपने धर्म को फॉलो करते हुए और नियमों के साथ खेल सकते हैं।

स्पोर्ट्स में मेरे लिए कोई धर्म मैटर नहीं करता है। हम यहां पर देश को रिप्रेजेंट करते हैं और देश को मेडल जिताने का ही हमारा एक लक्ष्य रहता है।

डाइट तो स्ट्रिक्टली फॉलो करती हूं, क्योंकि 50 केजी में खेलने के लिए मुझे थोड़ा वजन घटाना भी पड़ता है और हेल्दी डाइट भी मेंटन करना पड़ता है। इसकी वजह से बाहर का खाना अवॉइड करती हूं। जैसे बिरयानी खाना मुझे बहुत पसंद है। मैं जब भी घर जाती हूं तो बिरयानी खाती हूं, लेकिन बाहर मैं नहीं खा पाती हूं। जैसे ही यह कॉम्पिटिशन खत्म होगा घर जाकर सबसे पहले मां के हाथ की बिरयानी खाऊंगी।

कुपोषण को दूर करने का हरसंभव प्रयास जारी : बालका सुमन

आसिफाबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सचेतक तथा चेन्नूर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक बालका सुमन ने कहा कि राज्य में पोषण किट प्रदान करके कुपोषण को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। पोषाहार किट के शुभारंभ समारोह में जिलाधिकारी राहुल राज, जिला अपर समाहर्ता चाहत बाजपाई, जिला परिषद अध्यक्ष कोवा लक्ष्मी, विधान परिषद सदस्य दांडे विठ्ठल सहित आसिफाबाद व खगज नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अत्राम सक्कू व कोनेरू कोनप्पा सहित उपस्थित थे। बुधवार को जिला केंद्र के जिला सरकारी अस्पताल परिसर में शामिल हुए। इस अवसर पर सरकारी सचेतक, चेन्नुरु विधायक ने कहा कि सरकार केसीआर के साथ मिलकर राज्य में लड़कियों, गर्भवती महिलाओं और एनीमिया से पीड़ित लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पोषण किट उपलब्ध करायी जायेगी और प्रदेश के 9 जिलों में शुरू किये जा रहे इस कार्यक्रम को कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में शुरू किये जाने की खुशी है और इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्य में कुपोषण को पूरी तरह से खत्म करने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सरकार विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के विकास के लिए कार्य कर रही है। जिले के आदिवासियों और आदिवासियों की सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के लिए जोड़ाघाट में विभिन्न विकास कार्यक्रम चलाए गए हैं और लोगों की सुविधा के लिए नदी वरथा पर एक पुल का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को आदिवासी क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को पोषण किट प्रदान करने के लिए एक कार्यक्रम तैयार करना चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि जो पात्र हैं उन्हें मिलें। उन्होंने कहा कि जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को रोकने में अधिकारियों के प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि कुमरम भीम आसिफाबाद को संयुक्त आदिलाबाद जिले से अलग जिला बनाने के बाद से जिले के हर गांव का विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हर गांव को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है और सरकार की कल्याणकारी विकास योजनाओं को सभी तक पहुंचाया जा रहा है।जो योग्य है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री तनिरू हरीश राव, सभापति पोचारम श्रीनिवास रेड्डी और मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कहा कि पोषण कंपनी कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम में शुरू किया जाना चाहिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि आदिवासी अंचलों में एनीमिया की समस्या से पीड़ित गर्भवती महिलाओं के लिए यह पोषण किट बहुत उपयोगी होगी, इन्हें डॉक्टरों की देखरेख में स्टोर रूम में रखा जाएगा और आशा व स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से वितरित करने की कार्रवाई की जाएगी।इस कार्यक्रम में एडिशनल एसपी अच्छेश्वर राव, डीएसपी श्रीनिवास, जिला स्वास्थ्य अधिकारी प्रभाकर रेड्डी, एएमसी अध्यक्ष गढ़वेनी मल्लेश, जेडपीटीसी नागेश्वर राव, अजय कुमार, आसिफाबाद एमपीपी मल्लिकार्जुन, विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

शादी से एक महीने पहले टीटीडी ईओ के बेटे की हृदयाघात से मौत

तिरुपति, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के कार्यकारी अधिकारी धर्मा रेड्डी के 28 वर्षीय बेटे का बुधवार को दिल का दौरा पड़ने के तीन दिन बाद निधन हो गया। चंद्रमौली रेड्डी, जिनकी अगले महीने शादी होने वाली थी, ने चेन्नई के कावेरी अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां उन्हें 18 दिसंबर को भर्ती कराया गया था। वह कई अंगों के समर्थन पर बेहद गंभीर स्थिति में थे। अस्पताल लाए जाने के तुरंत बाद डॉक्टरों ने ईसीएमओ किया था और पूरी तरह से बंद कोरोनरी धमनी में स्टेंट लगाया था। हालांकि, प्रयास बेकार साबित हुए और तीन दिनों तक जिंदगी के लिए संघर्ष करने के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। चंद्रमौली को चेन्नई में रिश्तेदारों और दोस्तों के बीच शादी के कार्ड बांटते समय दिल का दौरा पड़ा। उनकी शादी उद्योगपति ए.जे. जनवरी के अंतिम सप्ताह में तिरुमाला में शेखर रेड्डी। शेखर रेड्डी टीटीडी की चेन्नई सलाहकार परिषद के अध्यक्ष भी हैं। सगाई हाल ही में हुई है और दोनों परिवार शादी की तैयारियों में जुटे हुए थे। धर्मा रेड्डी टीटीडी के शीर्ष अधिकारी हैं, जो तिरुमाला में श्री वेंकटेश्वर मंदिर के मामलों का प्रबंधन करते हैं।

शांति बनाए रखने के लिए पुलिस ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए : सीवी आनंद

शहर में अपराधिक मामलों में नहीं हुआ इजाफा, बीते साल के मुकाबले मामूली बढ़ोत्तरी

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर में समग्र अपराध दर पिछले वर्ष दर्ज 21998 मामले के मुकाबले इस वर्ष कुल 22060 मामलों के साथ लगभग समान रही। वर्ष 2022 में हत्याओं की संख्या पिछले वर्ष 89 से घटकर 63 हो गई, अपहरण की संख्या 225 से घटकर 220 हो गई।

महिला के खिलाफ अपराध 2652 से घटकर 2524 और पास्को एक्ट के मामले 399 से 350 दर्ज हुए। पिछले वर्ष पंजीकृत 2066 मामले की तुलना में इस वर्ष 2249 मामले दर्ज होने के साथ साइबर अपराध में वृद्धि हुई है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी वी आनंद ने कहा कि पुलिस ने यह सुनिश्चित कर लिया है कि अपराध नियंत्रण में है और शहर में शांति बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ने त्योहारों, सभाओं और राजनीतिक कार्यक्रमों सहित सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित किया। कई विदेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ करने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि हर मामले का पता लगाया जाता है और कुछ मामलों में 100 सदस्यों की टीमों ने मामले का पता लगाने और उसे सुलझाने का काम किया है। शहर में साइबर क्राइम मामलों में आठ फीसदी तेजी होने पर सीपी ने कहा कि साइबर थानों में प्रतिदिन औसतन 20 शिकायतें मिल रही है। हमारी साइबर टीम अत्याधुनिक साधनों का उपयोग कर देश भर से आरोपियों को गिरफ्तार करने का काम कर रही है।

साइबर क्राइम मामलों की जांच काफी महंगी है। दूसरे राज्यों में जाने के लिए पुलिस को अधिक पैसा खर्च करना पड़ रहा है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि महेश बैंक हैंकिंग और फंड फ्राड मामले की जांच में पुलिस को 58 लाख रुपए खर्च करना पड़ा। पुलिस लोगों को साइबर अपराधियों से बचने के लिए अभियान चला रही है।

तिरुपति स्टेशन के उन्नयन का काम तेज गति से जारी

बेसमेंट फ्लोर की रिटेनिंग वॉल का 60 फीसदी काम पूरा

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुपति रेलवे स्टेशन का उन्नयन कार्य तेज गति से जारी है। अगले 40 वर्षों के लिए रेल यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्टेशन का उन्नयन किया जा रहा है। तिरुपति रेलवे स्टेशन के दक्षिण की ओर काम पहले ही शुरू हो चुका है, जिसमें एक नए स्टेशन भवन के निर्माण की योजना है। प्रारंभ में, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण पूरा होने के बाद, शिविर कार्यालय, कंक्रीट प्रयोगशाला और भंडारण शेड की स्थापना; कार्यों ने प्रगति को आगे बढ़ाना जारी रखा है। भूमिगत पार्किंग और अन्य सुविधाओं के निर्माण के लिए बेसमेंट फ्लोर की खुदाई का काम लगभग पूरा हो चुका है। अब, नए आगामी स्टेशन भवन के लिए नींव में कंक्रीटिंग का काम पूरा कर लिया गया है। बेसमेंट फ्लोर और रिटेनिंग वॉल की नींव में लगभग 5,600 घन मीटर कंक्रीट का काम अब तक पूरा हो चुका है। दुपहिया और चौपहिया दोनों वाहनों को संभालने के प्रावधान के साथ एक नई भूमिगत पार्किंग आने की संभावना है। इसके अलावा बेसमेंट फ्लोर की रिटेनिंग वॉल का 60 फीसदी काम पूरा हो चुका है। पुनर्विकास के बाद तिरुपति स्टेशन के प्रस्तावित मॉडल की एक प्रतिकृति आम जनता के प्रदर्शन के लिए तिरुपति स्टेशन के प्रवेश द्वार पर स्थापित की गई है। जो लोग इस मॉडल को देखने आए थे वे डिजाइन से बहुत प्रभावित हैं और इस विचार की सराहना कर रहे हैं। बुधवार को तिरुपति टाउन स्थित अक्करमपल्ले नगर निगम प्राथमिक विद्यालय के स्कूली बच्चों ने अपने शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन अधिकारियों के मार्गदर्शन में शैक्षिक दौरे पर तिरुपति रेलवे स्टेशन का दौरा किया। अपने दौरे के हिस्से के रूप में, उन्होंने प्रदर्शन के लिए प्रस्तुत तिरुपति स्टेशन के मॉडल की एक झलक देखी। स्कूल के शिक्षकों और छात्रों ने प्रस्तावित पुनर्विकास योजना में गहरी दिलचस्पी दिखाई है और डिजाइनों की बहुत प्रशंसा की है। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि तिरुपति स्टेशन के उन्नयन कार्य पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि रेल यात्रियों को सर्वोत्तम ढांचागत सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

खड़ी लॉरी से कार की टक्कर से एक की मौत

करीमनगर, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मानाकोंडुर मंडल के सदाशिवपल्ली मंच पर बुधवार सुबह एक कार के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई।

यह घटना तब हुई जब करीमनगर से वारंगलकी ओर जा रही कार ने सड़क पर खड़ी दो लॉरियों को टक्कर मार दी। वमशीधर रेड्डी (44) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए करीमनगर जिला मुख्यालय अस्पताल भेज दिया।

मनचेरियल में अवैध संबंधों के कारण बढ़ रही हैं हत्याएं

मनचेरियल, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वेंकटपुर आधी रात की आग ने दिखाया है कि कैसे विवाहेतर संबंध परिवारों को बर्बाद कर सकते हैं और यहां तक कि भयानक हत्याओं को भी जन्म दे सकते हैं। जिले में अवैध संबंधों के कारण होने वाली हत्याओं के मामले चिंताजनक हैं। कहा जाता है कि इस तरह के मामलों ने 2022 में जिले में हुई 26 हत्याओं में से 17 हत्याओं में योगदान दिया है, जो अपराध में 65 प्रतिशत की हिस्सेदारी का सुझाव देता है। जिला अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की जानकारी के अनुसार, यह 2021 में इस तरह के मामलों से शुरू हुई 12 हत्याओं में से पांच के खिलाफ है, जो इस साल 240 प्रतिशत की वृद्धि का संकेत है। जिले में पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष हत्याओं में भी वृद्धि हुई है। जबकि 2021 में यह 12 थी, 2020 में 15 हत्याएं और 2019 में 12 हत्याएं हुईं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इन हत्याओं में अवैध मामलों का भी बड़ा योगदान है।

मनचेरियलके एक मनोवैज्ञानिक डॉ. विश्वेश्वर राव ने कहा कि जिले के कोयला बेल्ट क्षेत्रों में अवैध मामले चिंता का कारण रहे हैं। कुछ कोयला खनिक पारिवारिक विवादों के बाद विवाहेतर संबंध विकसित करने की प्रवृत्ति रखते हैं। हालांकि, खतरे परिवारों पर दुर्बल प्रभाव छोड़ता है। आरोपी व्यक्तियों और पीड़ितों के आश्रित अनाथ हो जाते हैं और दयनीय जीवन व्यतीत करते हैं। प्रभारी पुलिस उपायुक्त अखिल महाजन ने कहा कि अपराधियों पर मामला दर्ज किया जा रहा है और अपराधों की जांच तेजी से की जा रही है। उन्होंने कहा कि हत्याओं में सजा दर बढ़ाने और इस खतरे को रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हत्याओं को कम करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हरित आवरण में वृद्धि के साथ तेलंगाना के जंगलों की ओर आ रहे हैं महाराष्ट्र के बाघ

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरण सुधार कार्यों, हरित आवरण और शिकार के आधार में वृद्धि के साथ, महाराष्ट्र की सीमा से लगे तेलंगाना के वन क्षेत्र हाल के दिनों में बाघों के लिए रेड कार्पेट बिछा रहे हैं।

तेलंगाना वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, हाल के वर्षों में महाराष्ट्र से बाघों के राज्य में आने की घटनाओं में वृद्धि हुई है, यहां तक कि राज्य में बाघों की आबादी में भी वृद्धि हुई है। अधिकारी बेहतर हरित आवरण और शिकार के ठिकानों के अलावा, महाराष्ट्र में टीपेश्वर और ताडोबा (भंडार) से बाघों की आबादी का हवाला देते हैं, जो राज्य के वन्यजीव क्षेत्रों में बाघों के प्रवास और विशेष रूप से कुमारम भीम आसिफाबाद जिले में कागजनगर वन प्रभाग के लिए कारक हैं। अधिकारियों ने आगे कहा कि उनमें से कुछ तेलंगाना के जंगलों को अपना घर भी बना रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि वे बहुत सारे घास के मैदान विकसित कर रहे हैं जिसके कारण शाकाहारी आबादी बढ़ रही है और राज्य में बाघों और तेंदुओं की आबादी में भी वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की एक टीम, जिसने पिछले महीने तेलंगाना में कवल टाइगर रिजर्व (केटीआर) और अमराबाद टाइगर रिजर्व (एटीआर) का मूल्यांकन किया था, ने केटीआर कॉरिडोर क्षेत्र में किए जा रहे अच्छे काम की सराहना की थी। वन अधिकारियों ने बताया कि जल स्रोतों और घास के मैदानों के विकास सहित सुधार कार्यों और कहा कि यह एक धारणा है कि तेलंगाना राज्य ने महाराष्ट्र से बाघों के पलायन के लिए एक लाल कालीन बिछाया है।

राज्य में कवल टाइगर रिजर्व (केटीआर) कॉरिडोर में कवल को महाराष्ट्र के अन्य बाघ अभयारण्यों से जोड़ने का एक अधिसूचित तरीका है।

वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गलियारे के क्षेत्र में जाने वाले बाघों की संख्या में वृद्धि हुई है। तो यह एक अच्छा जंगली क्षेत्र है और चित्तीदार हिरण और सांभर और अन्य जानवरों जैसे अच्छे शिकार का आधार है और बाघों के आवास के रूप में उपयुक्त है। और फिर हमारे पास टीपेश्वर और ताडोबा से बाघों की आबादी है, जहां उनकी आबादी बढ़ रही है और अतिरिक्त आबादी अब क्षेत्र की तलाश में धीरे-धीरे कागजनगर की ओर बढ़ रही है। हम प्रवासी बाघों के लिए सभी उपयुक्त आवास प्रदान करने का प्रयास करते हैं, जैसे घास के मैदान, जल निकाय, और फिर जानवरों का शिकार और सुरक्षा भी। हम इस विचार के साथ जितना संभव हो उतना समर्थन देने की कोशिश करेंगे कि वे यहां के निवासी बन जाएं।

अधिकारी ने कहा कि कॉरिडोर क्षेत्र में लगभग आठ बाघ घूम रहे हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष थोड़ा अधिक है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच से छह वर्षों में हमने देखा है कि बाघिनों ने हमारे क्षेत्र में जन्म दिया है। अधिकारी ने कहा कि अब बाघों की आवाजाही नए क्षेत्रों- एतुरनगरम, किन्नरसनी, पाकला और पड़ोसी क्षेत्रों से भी होने की सूचना है।

तेलंगाना में बाघों की आबादी के बारे में पूछे जाने पर, अधिकारियों ने कहा कि संख्या में सुधार हो रहा है और उन्हें उम्मीद है कि यह 26 से अधिक हो सकती है (जो बाघों की आबादी की आखिरी गिनती है)।

जब बाघ स्रोत क्षेत्र से निकल जाते हैं और नए क्षेत्र की स्थापना करते हैं, तो इस प्रक्रिया में कभी-कभी ऐसी स्थितियाँ आती हैं जहाँ मनुष्य और जानवरों के बीच संघर्ष होता है।

क्षेत्र की तलाश में बाघ लगातार गतिमान रहते हैं और इस अवधि के दौरान वे कुछ आवासों, खेती वाले क्षेत्रों, मवेशियों की आवाजाही और लोगों के संपर्क में आते हैं, और कभी-कभी मवेशियों की हत्या की घटनाएं और कभी-कभी मनुष्यों पर हमले की सूचना मिलती है। अधिकारी ने कहा कि हम उन क्षेत्रों से जानवरों को स्थानांतरित करके शिकार आधार में सुधार करने का भी प्रयास करते हैं जहां वे राष्ट्रीय उद्यानों और चिड़ियाघर पार्कों की तरह अधिक हैं। इसलिए हम उन्हें स्थानांतरित करते हैं और उन्हें उन क्षेत्रों में छोड़ देते हैं जहां बाघ घूम रहे हैं।

ट्रैकर्स की एक टीम बाघों की आवाजाही पर भी नजर रखती है और अगर वे किसी बस्ती के पास घूमते पाए जाते हैं तो स्थानीय लोगों को सावधान रहने के लिए सतर्क किया जाता है। अधिकारी ने कहा कि वन क्षेत्रों का अतिक्रमण एक बड़ी समस्या बनी हुई है। टाइगर रिजर्व के कोर से गांवों के पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू हो गई है और सरकार को दो टाइगर रिजर्व में पुनर्वास के लिए और गांवों को लेने का भरोसा है, जिससे जंगली जानवरों के लिए सुरक्षित क्षेत्रों की उपलब्धता में वृद्धि होगी।

सीएम जगन ने स्कूली बच्चों को मुफ्त टैब बांटे

बापतला, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने दुख जताया है कि गरीब बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देने पर अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में भेजने वाला बुर्जुआ वर्ग अदालत का दरवाजा खटखटाता है। बुधवार को यहां बापटला जिले के त्सुंदुर मंडल के एडलापल्ली में वेंकट रमैया जिला परिषद हाई स्कूल में आठवीं कक्षा के छात्रों को बायजू की सामग्री के साथ मुफ्त टैब देते हुए उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा से सरकार उन माता-पिता की मदद करने जा रही है जो खर्च नहीं उठा सकते थे। अपने बच्चों को शिक्षित करना और बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाना। यह देखते हुए कि सरकार सैमसंग टैब में बीवाईजेयू की सामग्री अपलोड और प्रदान कर रही है और मुफ्त में 688 करोड़ रुपये के 5,18,740 टैब वितरित कर रही है, जगन ने कहा कि यह सुविधा कक्षा 8 के छात्रों के लिए ऑफ़लाइन उपलब्ध थी ताकि वे टैब के माध्यम से पाठों को आसानी से समझ सकें। प्रदेश में एक सप्ताह तक टैब वितरण कार्यक्रम चलाया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.